नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 17 मई 2025 शनिवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 352 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1756 : ब्रिटेन ने फ्रांस के विरुद्ध युद्ध की घोषणा की।
1865 : विश्व संचार दिवस मनाने की शुरुआत हुई।
1951 : देश के मशहूर गजल गायक पंकज उदास का जन्म हुआ।
1987 : सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट से सन्यास लिया।
2007 : भारत-पाकिस्तान समग्र वार्ता का चौथा दौर रावलपिंडी में शुरू हुआ।
2010 : भारतीय बॉक्सरों ने कॉमनवेल्थ बॉक्सिंग चैंपियनशिप के सभी छह स्वर्ण पदक जीते।

झारखंड पुलिस को मिली बड़ी सफलता

नक्सली ठिकानों से रायफल, एसएलआर समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे सर्च अभियान में गिरिडीह पुलिस और सीआरपीएफ की टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने नक्सली ठिकाने से राइफल, एसएलआर समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किये हैं। पुलिस को मिले गुप्त सूचना के आधार पर उक्त कार्रवाई की गयी। गुप्त सूचना के आधार पर सीआरपीएफ और गिरिडीह पुलिस पारस के तराई वाले इलाके में पिछले कुछ दिनों से लगातार सर्च अभियान चला रही थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि नक्सलियों ने एक बंकर में भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक जमा करके रखा है। संयुक्त ऑपरेशन के दौरान नक्सल प्रभावित

खुखरा थाना क्षेत्र के जोकानाला के पास से पुलिस ने बंकर से 14 हथियार बरामद किये। बरामद हथियारों में 303 बोर का रायफल, एसएलआर, गन पाउडर समेत अन्य हथियार शामिल है। सूचना के अनुसार बरामद हथियारों में से कई राइफल और एसएलआर पुलिस से लूटी हुई बतायी जा रही है। बड़ी संख्या में हथियार बरामद करने के बाद गिरिडीह पुलिस और सीआरपीएफ ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र पारसनाथ पर्वत की तराई वाले इलाके में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी रखा है। गिरिडीह के एसपी डॉ विमल कुमार ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि नक्सलियों के एक बंकर के संबंध में गुप्त सूचना मिली थी और इसी सूचना के आधार पर गिरिडीह जिला पुलिस व सीआरपीएफ की विशेष ट ीम बनायी गयी। इस टीम ने पारसनाथ के तराई वाले इलाके में सर्च अभियान चलाया और नक्सलियों के एक बंकर का पता चला, जहां से भारी मात्रा में हथियार के साथ-साथ विस्फोटक बरामद की गयी।

'गयाजी' होगा गया का नाम

कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ऑपरेशन सिंदूर में शहीद होने वाले बिहार के योद्धाओं के परिजनों को 50 लाख रुपये राज्य सरकार मुआवजा के तौर पर देगी। यह नई योजना है जिसके तहत ऑपरेशन सिंदूर में शहीदों के परिजनों को यह अनुग्रह अनुदान दिया जाएगा। गृह विभाग ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। कैबिनेट की बैठक में कुल 69 एजेंडों पर मुहर लगी। अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने बताया कि अब बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड का गठन करते हुए इसका निबंधन बिहार सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1935 के अधीन किया जाएगा। इससे जीविका का अब अपना बैंक होगा। इसकी मदद से जीविका से जुड़ी दीदियां आसानी से लोन ले सकती हैं। गौरतलब है कि राज्य में करीब 11 लाख जीविका समूह गठित हैं, जिससे

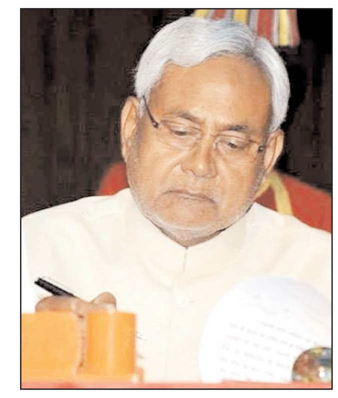

50 लाख से अधिक महिलाएं जुड़ी हुई हैं। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि तत्कालीन उप-मुख्यमंत्री सह सांसद सुशील कुमार मोदी की जन्मतिथि 5 जनवरी को प्रत्येक वर्ष राजकीय समारोह के तौर पर मनाया जाएगा। इसकी मंजूरी मंत्रिपरिषद ने दे दी है। केंद्र सरकार की तर्ज पर राज्य सरकार के कर्मचारियों को दो फीसदी महंगाई भत्ता (डीए) देने की घोषणा राज्य सरकार ने की है। इसके तहत सातवां वेतनमान वाले कर्मियों का महंगाई भत्ता 53 फीसदी से बढ़ाकर 55 फीसदी कर दी गई है। इसी तरह 5वां वेतनमान पाने वाले कर्मियों का डीए 246 प्रतिशत से बढ़ाकर 252 प्रतिशत तथा 6वां वेतनमान वाले कर्मियों को 455 से बढ़ाकर 466 प्रतिशत महंगाई भत्ता कर दिया गया है। इस घोषणा से राज्य के खजाने पर 1 हजार 70 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ रहा है। अब राज्य में जन्म और मृत्यु प्रमाण-पत्र बनाने की जिम्मेदारी ग्रामीण स्तर पर पंचायत सचिवों को सौंप दी गई है। राज्य सरकार अपने दिव्यांगजनों को सरकारी नौकरी में सीधे 4 फीसदी क्षैतिज आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। राज्य के प्रखंड सह अंचल कार्यालयों एवं इसके परिसर की साफ-सफाई की पूरी जिम्मेवारी जीविका समूह को सौंपी गई है। इन सभी पंचायत सरकार भवनों में एक-एक सुधा मिल्क पार्लर का निर्माण भी कराया जाएगा। राज्य सरकार ने गया का नाम बदलकर गयाजी कर दिया गया है। कैबिनेट की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव पर मंजूरी दी गई।

गया के वर्ल्ड क्लास स्टेशन का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। गया रेलवे स्टेशन को वर्ल्ड क्लास स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो यात्रियों को जल्द ही एक नये और आधुनिक अनुभव का अहसास करायेगा। उम्मीद की जा रही है कि इसका उद्घाटन इस वर्ष सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जायेगा। इसको लेकर लगातार सीनियर रेलवे अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है। वहीं, स्थानीय स्तर पर निर्माण विभाग की पांच सदस्यीय टीम भी नियमित रूप से दौरे कर रही है, ताकि कार्य समय पर पूरा हो सके। काम पूरा होने के बाद गया रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं मिलेंगी। स्टेशन के विकास के तहत यात्री सुविधाओं में विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण और स्टेशन की भौतिक सुंदरता में वृद्धि की जा रही है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, स्टेशन के डेल्हा साइड पर वातानुकूलित प्रतीक्षालय, स्वच्छ वॉशरूम, खानपान स्टॉल, वाइ-फाइ और चार्जिंग प्वाइंट जैसी सुविधाएं शुरू कर दी गयी हैं। प्रवेश और निकास द्वार भी सुचारु किये जा चुके हैं। अगले महीने से एक्सेलेटर (स्वचालित सीढ़ी) की सुविधा भी शुरू की जायेगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि पहले जहां प्रतिदिन 60 से 70 हजार यात्री गया रेलवे स्टेशन से सफर करते थे, अब यह संख्या एक लाख से अधिक पहुंच चुकी है। वर्ल्ड क्लास स्टेशन बनने के बाद यात्रियों की संख्या में और भी वृद्धि की संभावना है। सुविधाओं के चलते यात्री अपनी यात्रा के दौरान अधिक संतुष्ट और प्रसन्न अनुभव करेंगे। गया रेलवे स्टेशन के वर्ल्ड क्लास स्टेशन बनने से न सिर्फ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि स्थानीय व्यवसायों को भी बढ़ावा मिलेगा।

वज्रपात से सीआरपीएफ अधिकारी की मौत, तीन घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नक्सलियों के खिलाफ सीधा मुकाबला कर रहे सीआरपीएफ को झारखंड में बड़ा झटका लगा है। दरअसल वज्रपात की वजह से सीआरपीएफ 26 बटालियन के सेकंड कमान अफसर एम प्रबो सिंह का निधन हो गया। सीआरपीएफ की तरफ से सेकंड कमान अफसर एम प्रबो सिंह के मृत्यु की पुष्टि की गई है। झारखंड के सारंडा में जिन बहादुर अफसर का नक्सली भी कुछ बिगाड़ नहीं पा रहे थे उनमें से एक प्राकृतिक आपदा का शिकार हो गए। चाईबासा के बालिवा में गुरुवार को आसमानी बिजली गिरने की वजह से सीआरपीएफ के दो अधिकारी सहित कुल चार जवान घायल हो गए थे। शुक्रवार को इलाज के दौरान सेकंड कमान अधिकारी एम प्रबो सिंह शहीद हो गए। मणिपुर के रहने वाले एम प्रबो सिंह की पोस्टिंग कुछ महीने पहले ही झारखंड में हुई थी।

सीआरपीएफ अधिकारी एम प्रबो सिंह (फाइल फोटो)

घायल जवानों को लाया गया रांची

चाईबासा में आसमानी बिजली गिरने से घायल हुए सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेट सहित तीन को बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया है। रांची एयरपोर्ट से अस्पताल तक ग्रीन कोरिडोर बनाकर तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। आपको बता दें कि चाईबासा में वज्रपात की वजह से नक्सल अभियान में निकले सीआरपीएम के दो अधिकारी सहित चार घायल हो गए थे। जिनमें से एक अधिकारी की मौत चाईबासा में ही इलाज के दौरान हो गई थी। जानकारी के अनुसार चाईबासा के घोर नक्सल प्रभावित बालिवा के जंगल में सीआरपीएफ 26 बटालियन अधिकारी और जवान अभियान पर थे। इसी दौरान जंगल में तेज आवाज के साथ वज्रपात हुई। मौके पर सीआरपीएफ के दो अधिकारी और दो जवान, आसमानी बिजली के चपेट में आ गए। जिसमें वे बुरी तरह से जख्मी हो गए थे। सबसे पहले अभियान में मौजूद डॉक्टरों ने ही घायलों का इलाज किया। उसके बाद सभी घायलों को जंगल से रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया था। झारखंड पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार आसमानी बिजली गिरने से सीआरपीएफ के दो अधिकारी समेत चार घायल हुए थे। घायलों में सीआरपीएफ 26 बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट सुबीर मंडल, सीआरपीएफ 26 बटालियन के ही अधिकारी प्रबो सिंह शामिल थे।

शराब की खुदरा बिक्री निजी हाथों में

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार ने शराब की खुदरा बिक्री से जुड़ी नई नियमावली को मंजूरी दे दी है। मंत्रिपरिषद ने 'झारखंड उत्पाद (शराब की खुदरा बिक्री के लिए दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली 2025' के गठन की स्वीकृति दी। नई नीति लागू होने से अब खुदरा शराब व्यापारी पहले की तरह बिक्री कर सकेंगे। लेकिन होलसेल का जिम्मा राज्य सरकार के पास होगा। यह नियम एक महीने में लागू होगा। एक जिले में एक व्यक्ति को अधिकतम 12 दुकानें मिलेंगी। शराब दुकानों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। कैबिनेट की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने दावा किया कि नई नीति से शराब दुकानों के संचालन में पारदर्शिता आएगी। उत्पाद सचिव मनोज कुमार ने बताया कि झारखंड में शराब की खुदरा और होलसेल बिक्री बेवरेज कॉरपोरेशन कर रहा था, पर अब इसमें बदलाव किया गया है। एक व्यक्ति या फर्म को किसी जिले में अधिकतम किसी जिले में चार ग्रुप की दुकानें आवंटित की जाएगी। एक ग्रुप में एक से तीन दुकान होगी। ऐसे में एक जिले में किसी व्यक्ति को अधिकतम 12 दुकान मिलेगी। पूरे राज्य में एक व्यक्ति या उसके फार्म को अधिकतम 36 दुकान मिलेगी। अभी राज्य में शराब की 1453 दुकान हैं। नई उत्पादन नीति लागू होने के बाद इन शराब दुकानों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। गुरुवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 17 प्रस्ताव पर स्वीकृति दी गई वहीं, सरकार ने फैसला किया है कि राज्य में 70 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों को मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख के स्वास्थ्य बीमा की सुविधा दी जाएगी। ऐसे परिवारों की संख्या लगभग 84,518 है।

महिलाओं के लिए बिहार के छह जिलों में पिंक बसों की शुरुआत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को महिलाओं के लिए विशेष पिंक बस सेवा की शुरुआत की। परिवहन विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर 20 पिंक बसों को रवाना किया। बसों को रवाना करने के पहले मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया और उसमें उपलब्ध कराये जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। पिंक बसों के साथ ही सीएम नीतीश ने राज्य के विभिन्न जिलों के लिए 166 डिलक्स बसों को भी रवाना किया। इनका परिचालन शुरू किए जाने से राज्य के अंदर यात्रियों का विभिन्न जगहों पर आना-जाना सुगम होगा। साथ ही उनका सफर आरामदायक होगा। पहले चरण में पिंक बसें राज्य के कुल 6 शहरों में चलेंगी। 20 बसों में पटना के लिए 8, दरभंगा के लिए 2, मुजफ्फरपुर के लिए 4, भागलपुर के लिए 2, गया के लिए 2 बसें और पूर्णिया के लिए 2 हैं। फिलहाल, पिंक बस के लिए महिला ड्राइवर नहीं मिल पाई है, इसलिए पुरूष ड्राइवर ही होंगे। तो वहीं पिंक बसों की कंडक्टर महिलाएं होंगी। इन बसों में सीसीटीवी कैमरे के साथ पैनिक बटन होगा। साथ ही चार्जिंग प्वाइंट और माइक की भी सुविधा दी गई है। हालांकि, ड्राइवर के ही हाथ में फीचर कंट्रोल की सुविधा होगी। पिंक बसों में सफर करने वाली महिलाओं के लिए 6 रुपये से 25 रुपये तक का भाड़ा देना होगा। छात्राओं को महीने के पास के 400 रुपये और कामकाजी महिलाओं को 550 रुपये देने होंगे। बता दें कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा उठाया गया यह महत्वपूर्ण कदम है जिसके तहत 20 पिंक बसों का परिचालन शुरू किया गया है। इससे महिलाओं का सफर सुरक्षित और आरामदायक होगा और उन्हें आवागमन में काफी सहूलियत होगी। परिवहन मंत्री शीला कुमारी ने बताया कि यह सेवा महिलाओं को एक सुरक्षित और भरोसेमंद यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार की योजना के अनुसार, इन बसों का संचालन भी पूरी तरह से महिलाओं द्वारा किया जाना है यानी ड्राइवर और कंडक्टर दोनों महिलाएं होंगी। उल्लेखनीय है कि नीतीश सरकार ने 2025 के बजट भाषण में पिंक बस सेवा शुरू करने की घोषणा की थी। यह पहल राज्य में महिलाओं की यात्रा को अधिक सुरक्षित, सुलभ और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इन बसों से महिलाओं को विशेष सुविधा मिलेगी। महिलाएं एक जिले से दूसरे जिलें में बिना किसी डर भय के आ जा सकेंगी।

54 हजार करोड़ की लागत से बनेगा रक्सौल-हल्दिया एक्सप्रेस-वे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। केंद्र की मोदी सरकार की ओर से बिहार को मिली सबसे बड़ी सौगतों में एक रक्सौल-हल्दिया सिक्सलेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे की लंबाई 650 से 719 किलोमीटर के बीच होगी। इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण पर करीब 54,000 करोड़ रुपए खर्च किया जाएगा। इस एक्सप्रेस-वे को 2028 तक पूरा करने का टारगेट रखा गया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इसके अलाइनमेंट को स्वीकृति दे दी है और जल्द ही जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बता दें कि यह एक्सप्रेस-वे बिहार के आठ जिलों से होकर गुजरेगा और देश के दो और महत्वपूर्व राज्यों झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ेगा। यह

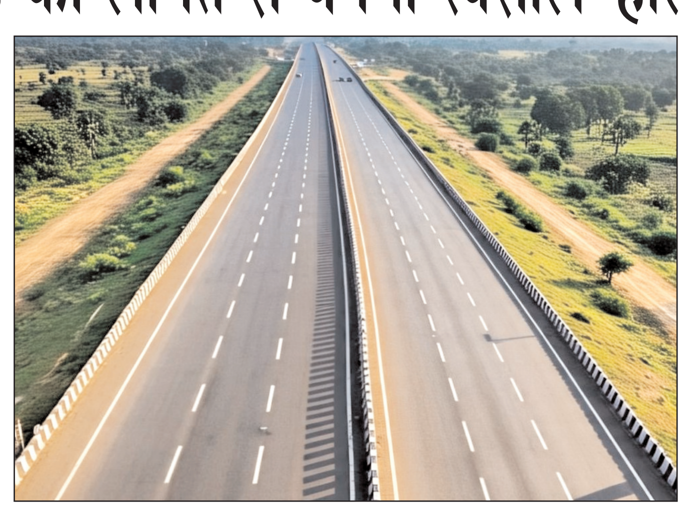

एक्सप्रेस-वे बिहार के पूर्वी चंपारण से शुरू होकर शिवहर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर और जमुई होते हुए झारखंड के देवघर, दुमका और जामताड़ा जिलों से गुजरते हुए पश्चिम बंगाल के हल्दिया पोर्ट तक पहुंचेगा। कुल मिलाकर यह मार्ग बिहार में लगभग 70 किलोमीटर तक फैला होगा। यह एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेस-वे होगा जिससे बीच रास्ते में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी और यह दोनों ओर से सुरक्षित रहेगा। इस सड़क के निर्माण से बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के बीच संपर्क बेहतर होगा। नेपाल, कोलकाता और पटना तक की यात्रा समय और दूरी में कटौती के साथ आसान हो जाएगी। रक्सौल से हल्दिया की यात्रा महज 13 घंटे में पूरी की जा सकेगी। रक्सौल-हल्दिया सिक्सलेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के बनने से न सिर्फ बिहार के बल्कि नेपाल, झारखंड और पश्चिम बंगाल के लोगों को भी फायदा मिलेगा। एक्सप्रेस-वे के किनारे बसे शहरों के लोगों को व्यापार करने में भी आसानी होगी। इन राज्यों में बनने वाले समानों को हल्दिया पोर्ट से दूसरे देशों में आसानी से भेजा जा सकेगा।

फोर्ब्स अंडर-30 लिस्ट में रांची की बिटिया को मिली जगह

चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं साक्षी जैन, पैसे बनाने के सिखातीं हैं गुर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची की बिटिया साक्षी जैन ने विश्व स्तर पर झारखंड का नाम रौशन किया है। उन्हें दुनिया की प्रतिष्ठित फोर्ब्स मैग्जीन की अंडर-30 एशिया सूची में शामिल किया गया है। उनका चयन सोशल मीडिया, मार्केटिंग एंड एडवर्टाइजिंग कैटेगरी 2025 में किया गया है। साक्षी चार्टर्ड अकाउंटेंट और कंटेंट क्रिएटर हैं और रांची के अपर बाजार की निवासी हैं। साक्षी ने बताया कि सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर 1.7 मिलियन, यूट्यूब पर 6.90 लाख और लिंकडिन पर 1.50 लाख फॉलोअर्स और सब्सक्राइबर्स हैं। साक्षी ने रांची के नामकुम स्थित बिशप वेस्टकोट गर्ल्स स्कूल से दसवीं और डीपीएस से 12वीं की पढ़ाई की है। वहीं 2021 में सेंट

जेवियर्स कॉलेज, रांची से उन्होंने बीकॉम किया। साक्षी जैन ने बताया कि वह सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से फाइनेंशियल लिटरेसी पर काम करती हैं। बोलचाल की भाषा में कहें तो वह आम लोगों को पैसे बनाने का गुर सिखाती हैं। अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो डालती हैं और बताती हैं कि लोग मार्केट में किस तरह से पैसे लगाकर ज्यादा पैसे बना सकते हैं। उनका मानना है कि जानकारी के अभाव में लोग बाजार का लाभ नहीं उठा पाते हैं। इसलिए उन्होंने इस सेक्टर को चुना। साक्षी के पिता पंकज जैन और मां अंचला जैन हैं। साक्षी की एक छोटी बहन भी है। उनके पिताजी रांची में टायर का बिजनेस करते हैं। उनके दादाजी सुरेश कुमार जैन प्रोफेसर थे। फोर्ब्स मैग्जीन की अंडर-30 एशिया सूची में शामिल होने पर साक्षी को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। उन्होंने बताया कि 15 मई की सुबह ईमेल पर उन्हें जानकारी मिली थी फोर्ब्स मैगजीन में उनका नाम आया है। साक्षी ने बताया कि अक्टूबर 2023 से उन्होंने सोशल मीडिया पर फाइनेंस इंफ्लुएंसर का काम शुरू किया था। उनका कंटेंट इतना शानदार रहा कि फॉलोअर्स की संख्या दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ती रही। साक्षी को उम्मीद है कि फोर्ब्स मैगजीन में नाम आने के बाद यंगर जेनरेशन में उनके प्रति विश्वास और बढ़ेगा। इसका फायदा न सिर्फ उन्हें मिलेगा बल्कि बाजार में पैसे बढ़ाने की चाहत रखने वालों को भी मिलेगा। साक्षी ने बताया कि चार्टर्ड अकाउंटेंट की डिग्री लेने के बाद उन्होंने बेंगलुरु स्थित एक बड़ी कंपनी में बतौर असिस्टेंट मैनेजर काम करना शुरू किया था। लेकिन तीन माह में ही तय कर लिया कि अब कुछ अलग करना है।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

संक्षिप्त समाचार

बृजबिहारी हत्याकांड में मुन्ना शुक्ला की उम्रकैद की सजा बरकरार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 1998 में पटना में राजद के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के मामले में विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। शीर्ष अदालत ने मुन्ना शुक्ला और मंटू तिवारी की ओर से सजा के फैसले की समीक्षा को लेकर दाखिल की गई याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि पिछले फैसले की समीक्षा करने के लिए कोई अच्छा आधार और कारण नहीं मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल तीन अक्टूबर को मुन्ना शुक्ला और मंटू तिवारी को मामले में दोषी ठहराया था। मुन्ना शुक्ला व मंटू तिवारी अभी बेउर जेल में बंद है। सूरजभान समेत पांच को संदेह का मिला था लाभ सुप्रीम कोर्ट ने मामले में पूर्व सांसद सूरजभान सिंह समेत पांच अन्य आरोपियों को संदेह का लाभ दिया और मामले में उन्हें बरी करने के हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। इस हत्याकांड में गोरखपुर का गैंगस्टर श्रीप्रकाश शुक्ला भी आरोपित था। हालांकि, मुकदमे की सुनवाई के दौरान ही श्रीप्रकाश शुक्ला, भूपेंद्र नाथ दुबे और कैप्टन सुनील सिंह की मौत हो गई थी। इस वजह से तीनों पर ट्रायल बंद कर दिया गया था।

उद्घाटन के अगले ही दिन टूटा शिलापट्ट

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। नगर विकास एवं आवास मंत्री जीवेश कुमार द्वारा उद्घाटन किए जाने के अगले ही दिन गुरुवार को एक शिलापट्ट गिरकर टूट गया। इसे बीते बुधवार को सिटी पार्क के बाहरी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में रखा गया था। बाद में उसी जगह पर मीनापुर से जुड़ा एक शिलापट्ट गिरकर टूट गया। इस पर सवाल उठाते हुए वार्ड 20 के पार्षद संजय कुमार केजरीवाल ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। साथ ही कार्यक्रम के आधे घंटे पहले पार्षदों को जानकारी देने पर भी आपत्ति दर्ज कराई।

श्रीमद भागवत कथा सुनने का अवसर सबको नहीं मिलता : साध्वी पूजा

भागलपुर, एजेंसी। संसार में यूं तो लोगों को कई तरह के किस्से कहानी सुनने का, फिल्में देखने का ,घूमने आदि का अवसर बार बार मिल ही जाता है परंतु श्रीमद भागवत कथा सुनने का अवसर किसी किसी को ही मिलता है।अतः भागवत कथा अवश्य सुनें।यह कथा बार-बार सुनने नहीं मिलेगा। उक्त बातें बिहार झारखंड की ठीक सीमा पर स्थित शंकरपुर में चल रहे नौ दिवसीय नौ कुण्डी लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में श्रीमद भागवत कथा वाचन करते हुए साध्वी पूजा शर्मा ने कही।उन्होंने कहा कि यह कथा भगवान ने भी सुनाई है और यह कथा ईश्वर के भी दर्शन कराती है तथा मन के मैल को साफ करती है। उन्होंने कहा कि भगवान भाव के भूखे होते हैं।उन्हें धन, दौलत, ऐश्वर्य की चाहत नहीं होती वे तो भक्तों के भाव को देखते हैं तथा प्रसन्न हो किसी

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बिहार में बड़ी पहल

9 से 14 साल की बेटियों को मिलेगा मुफ्त टीका, कटिहार में 22 करोड़ की स्वास्थ्य योजनाएं शुरू

कटिहार, एजेंसी। बिहार सरकार ने महिलाओं की जानलेवा बीमारी सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य के स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री मंगल पांडे ने मंगलवार को कटिहार पहुंचे। यहां फलका में 22 करोड़ 32 लाख की स्वास्थ्य परियोजनाओं का उन्होंने उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन योजनाओं में 30 बेड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 34 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, और हेल्थ सब-सेंटर का निर्माण शामिल है।

स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक सुधार का दावा

मंत्री ने बताया कि सभी सदर अस्पतालों में टीके पहुंचा दिए गए हैं, और अभियान जल्द शुरू होगा। इस योजना के माध्यम से कैंसर से जीवन भर की सुरक्षा देने का प्रयास किया जा रहा है। अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता बढ़ाई गई है। स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया भी तेज की गई है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत, टीकाकरण और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को भी सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है।

पाकिस्तान पर तीखा हमला

फलका की सभा में स्वास्थ्य मंत्री ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, ÷पाकिस्तान कभी नहीं सुधरेगा, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर स्थगित किया है, समाप्त नहीं। हमारे सैनिक सीमा पर तैनात हैं और हर जवाब देने को तैयार हैं। सभा के दौरान लोगों ने 'भारत माता की जय' और 'भारतीय सेना जिंदाबाद' के नारे लगाए।

बेटियों को मिलेगा मुफ्त सर्वाइकल कैंसर टीका

मंत्री ने बताया कि सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है। मंगल पांडे ने कहा, सर्वाइकल कैंसर टीका, एक महंगा टीका है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार पहला राज्य बना है, जो इसे पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध करा रहा है।

पेयजल संकट के समाधान की महिलाओं ने रखी मांग

भागलपुर, एजेंसी। प्रखंड के विभिन्न स्थानों पर अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। खासकर बंधु जयराम पंचायत में दो स्थानों पर आयोजन हुआ।जिसका नेतृत्व बीडीओ अभिमन्यु कुमार ने किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने अधिकारियों के अपनी अपनी विभिन्न समस्याएं सुनाई तथा समाधान की मांग की।महिलाओं ने खासकर नल को लेकर अपनी व्यथा सुनाई तथा कहा कि ना तो नल का जल सही ढंग से मिल रहा है ना चापानल चल रहा है।भीषण गर्मी में पानी का लेयर नीचे जाने से परेशानी बढ़ गई है।जिससे पानी पीने का भीषण संकट हो गया है। आवास योजना, वृद्ध पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है।राशन कार्ड नहीं बन रहा है। नाला आदि की साफ सफाई भी नहीं हो रही है।जबकि बीडीओ एवम जीविका के बीपीएम मो जाहिद इमाम ने सरकार द्वारा चलाई जा रही 22 योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा लाभ लेने कहा। जबकि महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन मोहनपुर मधुबन,मौल टोला आदि में भी किया गया।

आरजेडी विधायक रीतलाल यादव के गांव में चला प्रशासन का बुलडोजर

दानापुर, एजेंसी। बिहार के दानापुर से लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के विधायक रीतलाल यादव के गांव कोथवां में पटना जिला प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर 17 दुकानों को ध्वस्त कर दिया। पटना के डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह के निर्देश पर यह कार्रवाई गुरुवार को की गई। बताया जा रहा है कि यहां 77 डिसमिल सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण था, जिसे प्रशासन ने हटाया। अतिक्रमण करने के पीछे विधायक का हाथ होने की भी बात सामने आई। बताया जा रहा है कि दानापुर-खगौल रोड स्थित रिहायशी इलाके में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की

17 दुकानें ध्वस्त

बात सामने आई थी। अतिक्रमण के खिलाफ दानापुर अंचल में सीओ के यहां अतिक्रमणवाद चलाया गया। जिन लोगों ने अतिक्रमण किया था, उनको नोटिस जारी किया गया। स्थानीय लोगों का कहना था कि सरकारी भूमि पर एक दबंग विधायक और उनके परिजनों ने अवैध निर्माण कर रखा है। डीएम के निर्देश पर दानापुर के अंचलाधिकारी, खगौल थाना प्रभारी और दानापुर नगर परिषद के सिटी मैनेजर मौके पर पहुंच पहले 17 दुकानों को तोड़ा। इसके बाद शेष जमीन को भी खाली करा दिया गया। यह कार्रवाई दानापुर एसडीएम दिव्य शक्ति के नेतृत्व में की गई। इस अवसर पर भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने प्रशासन को जानकारी दी है कि दानापुर क्षेत्र में कई जगहों पर एक दबंग विधायक की सरपरस्ती में सरकारी भूमि पर मकान और दुकान बनाई गई है। डीएम के निर्देश पर एसडीएम सभी मामले की छानबीन कर रही हैं। अतिक्रमण हटाने वाले अधिकारियों ने इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी है। प्रशासन की इस कार्रवाई की दानापुर क्षेत्र में दिन भर चर्चा होती रही।

भोजपुर में कट्टा के साथ 3 अपराधी गिरफ्तार:चोरी की 2 बाइक बरामद

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के चांदी थाना क्षेत्र से पुलिस ने चोरी की 2 बाइक के साथ 3 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। 1 देसी कट्टा भी बरामद हुआ है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने जोगता गांव से अमरजीत कुमार, नागेंद्र कुमार और आनंद मोहन को पकड़ा है। इनमें से 2 का क्रिमिनल रिकॉर्ड रहा है।

चांदी थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन बताया कि अमरजीत कुमार हत्या और आर्म्स एक्ट मामले में आरोपी है। कुछ दिन पहले ही जेल से जमानत पर बाहर आया था। नागेंद्र कुमार पर मुफस्सिल और नगर थाना में शराब का केस दर्ज है। इस मामले में जेल भी गया था। गिरफ्तार तीनों बदमाशों को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है।

हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार : इसके अलावा टाउन थाना क्षेत्र के गौसगंज मोहल्ले में छापेमारी कर पुलिस ने हेरोइन के साथ महिला समेत 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। कैश भी बरामद हुआ है।

एसपी राज ने इसकी पुष्टि की है। तस्कर की पहचान गौसगंज निवासी कमलेश माली की पत्नी सोनामती देवी और मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धमार निवासी धीरज माली के तौर पर हुई है। एनडीपीएस एक्ट के तहत स्न्रढ्ढक्रदर्ज की गई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कमलेश माली के घर में नशील पदार्थ खरीदने-बेचने का धंधा चल रहा है। एसपी के आदेश पर मजिस्ट्रेट और पुलिस की संयुक्त टीम ने घर में छापा मारा। तलाशी के दौरान 32.48 ग्राम हेरोइन और 14 हजार 500 रुपए कैश बरामद हुआ। मौके से 2 मोबाइल भी मिला है। तस्करों के नेटवर्क को खंगाला जा रहा है।

पूर्णिया में घर में लगी आग, लाखों का नुकसान

फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियों ने पाया काबू

पूर्णिया , एजेंसी। पूर्णिया के मरंगा थाना क्षेत्र में एक घर में आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। लपटें देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। आग बुझाने की काफी कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियां मौके पर पहुंची। घंटों मशक्कत के बाद काबू पाया। घटना नेवालाल चौक की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। कैश और घरेलू सामान जलकर राख गया।

सड़क हादसे में कुछ दिन पहले सविता देवी के पति की मौत हो गई थी। अब अगलगी की इस घटना ने परिवार के सिर से छत भी छिन गई है।

पड़ोसियों से आग लगने की सूचना मिली : पीड़िता सविता देवी ने बताया कि पति के मौत के बाद अपना और बेटे का पेट भरने के लिए दुकान में काम करती हूं। गुरुवार को घर में ताला लगाकर काम करने गई थी। पड़ोसियों ने फोन करके आग लगने की सूचना दी। जानकारी मिलते ही बेटे के साथ घर पहुंची। चारों तरफ अफरातफरी का माहौल था। लोगों ने आपसी सहयोग से आग पर काबू पाने की पूरी कोशिश की, लेकिन लपटें इतनी तेज थी कि शांत होने के जगह और भड़क उठा। घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। पहले पति की मौत और अब अगलगी की घटना ने सब कुछ बर्बाद कर दिया।

पूर्णिया एक्सप्रेस-वे से नहीं जुड़ेगा पटना रिंग रोड

नए सिरे से बन रहा डीपीआर

पूर्णिया , एजेंसी। पटना रिंग रोड अब बिदुपुर-दिघवारा के पहले पूर्णिया एक्सप्रेस-वे से नहीं जुड़ेगा। इसके लिए बिदुपुर से दिघवारा तक सड़क का नए सिरे डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बन रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने नए एलाइनमेंट में डीपीआर बनाने का काम शुरू कर दिया है।

बिदुपुर-दिघवारा को पहले पूर्णिया एक्सप्रेस-वे में शामिल करना था। वहीं रामनगर से कच्ची दरगाह तक सड़क निर्माण को लेकर ठेकेदार का चयन कर लिया गया है। एकरारनामा होने के बाद जुलाई में निर्माण शुरू होगा। इधर शेरपुर से कन्हौली के बीच बनने वाली सड़क में 76 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण पर 384 करोड़ रुपये खर्च होंगे। 192 करोड़ राज्य सरकार को देना है। बिदुपुर से दिघवारा के बीच लगभग 40 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण होना है। इन दोनों सड़कों को जोड़ने के लिए गंडक नदी पर एक पुल बनेगा। पटना-बेतिया फोरलेन में बाकरपुर-मानिकपुर के समीप गंडक नदी पर 6 लेन पुल का निर्माण होना है। इसमें एक विकल्प यह भी होगा कि बाकरपुर-मानिकपुर पुल के सहारे ही गंडक को पार कर बिदुपुर-दिघवारा सड़क का एलाइनमेंट तैयार कर लिया जाए। अन्यथा बिदुपुर-दिघवारा सड़क को तैयार करने के लिए गंडक पर नए सिरे से पुल का निर्माण किया जाए।

इसका निर्णय डीपीआर बनने के बाद ही लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार रामनगर-कन्हौली सड़क का निर्माण बिहटा के समीप नीचे से किया गया है। वहीं इस सड़क के ऊपर दानापुर-बिहटा एलिवेटेडल कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है। शेरपुर-कन्हौली सड़क भी यहीं पर जुड़ेगी। इन तीनों सड़कों का मिलन

होने के कारण यहां पर जंक्शन का निर्माण होगा। इसके लिए दो तरह के प्रस्ताव पर विचार हो रहा है। इसमें पहला एलिवेटेड कॉरिडोर के ऊपर और दूसरा एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे जंक्शन का निर्माण किया जाए। इसके लिए डीपीआर तैयार हो रहा है।

गंगा नदी के तटबंध पर 51 किमी नया रोड बनाएगी बिहार सरकार

,आरा-बक्सर को जाम से राहत

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार गंगा नदी के तटबंध पर नया रोड बनाने जा रही है। कोईलवर से बक्सर के बीच में बनने वाली 51 किलोमीटर लंबी यह सड़क न केवल दोनों शहरों के बीच वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराएगी, बल्कि पूरे इलाके को जाम से मुक्ति दिलाने में भी मददगार होगी। दोनों शहरों के बीच 51 किलोमीटर लंबे तटबंध पर इस सड़क का निर्माण किया जाएगा। इससे आरा और बक्सर के बीच लगने वाले जाम से भी कुछ हद तक राहत मिलेगी।

जल संसाधन विभाग के अनुसार, लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने और नदियों के जलस्तर की निगरानी कड़ी करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। यही नहीं, तटबंध पर सड़क के बनने से तटबंधों के क्षतिग्रस्त हिस्से तक सहजता से पहुंचना भी आसान होगा। साथ ही लोगों को गंतव्य तक पहुंचने में जाम से मुक्ति मिलेगी। पिछले दिनों विभाग के प्रधान सचिव संतोष मल्ल ने वहां जाकर स्थल निरीक्षण भी किया। उनके साथ विभाग के आला अधिकारी और विशेषज्ञों की टीम भी थी। बाद में उनके निर्देश पर इसको लेकर कार्ययोजना तैयार की गई।

गंगा नदी पर कोईलवर और बक्सर के बीच 51 किलोमीटर लंबा तटबंध है। यह फिलहाल बहुत अच्छी स्थिति में नहीं है। तटबंध के ऊपर कच्ची पगडंडी जैसी सड़क है। जल संसाधन विभाग ने इस तटबंध को न केवल सुदृढ़ और मजबूत बनाने की योजना बना रहा है, बल्कि इसके ऊपर सड़क के निर्माण की भी योजना है। तटबंध का कालीकरण किया जाएगा।

182 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट

जल संसाधन विभाग ने इस तटबंध को सशक्त बनाने और इसके ऊपर सड़क बनाने के लिए 182 करोड़ की योजना मंजूर की है। पिछले दिनों राज्य मंत्रिपरिषद ने भी इस योजना पर अपनी मुहर लगी दी। इस योजना के तहत तटबंध में दो वाहनों के गुजरने लायक सड़क का निर्माण किया जाएगा। भविष्य में सड़क का विस्तारीकरण करने की योजना है।

पटना से बक्सर जाना होगा आसान

इसके निर्माण से कोईलवर और बक्सर के बीच वैकल्पिक रोड उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही आरा, बिहियां, शाहपुर और डुमरांव के लिए भी वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था हो सकेगी। ये शहर भी आपस में वैकल्पिक मार्ग से जुड़ जाएंगे। इससे पूरे इलाके को जाम से भी मुक्ति मिलेगी। सबसे बड़ी बात यह होगी कि पटना से भी बक्सर जाना आसान हो सकेगा। तटबंध पर सड़क बनने से मुख्य मार्ग पर ट्रैफिक बोझ भी काफी कम होगा।

अधिकारी नहीं निपटा रहे नीलामवाद के लंबित मामले

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। नीलामवाद के लंबित मामलों के निष्पादन में नीलामपत्र पदाधिकारी रुचि नहीं ले रहे हैं। इस कारण वादों का निष्पादन तेजी से नहीं हो पा रहा है। ऐसा तब है जब राजस्व पर्षद से लेकर प्रमंडलीय आयुक्त और डीएम के स्तर से लगातार मामलों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया जा रहा है। इसपर डीएम सुब्रत कुमार सेन ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि कुछ को छोड़ दें तो शेष सभी पदाधिकारी के स्तर पर निष्पादन की गति बहुत धीमी है। समीक्षा में पता लगा कि मार्च से लेकर अप्रैल तक निष्पादन का कार्य नहीं के बराबर हुआ है। यह चिंताजनक स्थिति है। वर्ष 2000 से पहले के लंबित वादों का निष्पादन करने का भी लक्ष्य जनवरी तक हर हाल में पूरा करने को कहा गया था, लेकिन वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद भी बड़ी संख्या में मामला लंबित पड़ा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

बिजली चोरी करते पकड़े गए 70 पर एफआइआर

धनबाद, एजेंसी। बिजली चोरी के खिलाफ जेबीवीएनएल की ओर से चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत बुधवार को 646 जगहों पर छापेमारी की गयी ।इस दौरान बिजली चोरी के आरोप में 70 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया ।उन पर 13 लाख 89 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है ।जेबीवीएनएल धनबाद सर्किल के अधीक्षण अभियंता एसके कश्यप ने बताया कि धनबाद सर्किल में 354 जगह छापेमारी की गयी ।इसमें 31 लोगों को पकड़ा गया और सात लाख 52 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया ।वहीं चास सर्किल में 293 स्थानों पर छापेमारी की गयी ।इसमें 39 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए छह लाख 37 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया।

देवघर में अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई : युवक की मौके पर मौत

देवघर, एजेंसी। देवघर जिले के मधुपुर अनुमंडल में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बुढ़ई थाना क्षेत्र के जगदीशपुर के पास धावाटांड़ में एक बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में बिहार के बटिया थाना क्षेत्र के घोंघा गांव निवासी दीपक सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर बुढ़ई थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। बाइक से मिले कागजात से पता चला कि वह जामताड़ा के मिहिजाम की है। पुलिस के मुताबिक, दीपक मधुपुर से अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान धावाटांड़ के पास उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई। पेड़ से टकराने के कारण सिर में गंभीर चोट लगी और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई ।थाना प्रभारी अशोक कुमार ने दल-बल के साथ शव को कब्जे में लेकर थाने ले आए। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी। परिजन थाने पहुंच गए हैं। शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए देवघर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थानेदार ने एसडीपीओ को थाना में घुसने से रोका, एसपी ने किया निलंबित

पलामू, एजेंसी। एसडीपीओ को थाना में घुसने से रोका गया है ।थाना के गेट को बंद कर दिया गया था ताकि एसडीपीओ थाना में अंदर नहीं घुस पाए ।इस पूरे मामले में पलामू एसपी ने कार्रवाई करते हुए थानेदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है ।दरअसल पूरा मामला पलामू के रेहला थाना क्षेत्र से जुड़ा है ।बिश्रामपुर एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी रात्रि गश्ती के दौरान अवैध रूप से बालू का उठाव करते हुए ट्रैक्टर को पकड़ा था ।एसडीपीओ ट्रैक्टर को लेकर रेहला थाना गए लेकिन थाने के मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ था ।एसडीपीओ ने तत्काल थाना प्रभारी को कॉल किया लेकिन कॉल का कोई जवाब नहीं दिया गया ।इस दौरान एसडीपीओ ने मौके पर तैनात ऑन ड्यूटी पुलिस अधिकारी से पूछताछ की। इससे पहले ऑन ड्यूटी पुलिस अधिकारी से पूछताछ में एसडीपीओ को जानकारी मिली कि थानेदार के आदेश पर गेट में ताला लगाया गया है ।एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी ने पूरे मामले में एसपी रीष्मा रमेशन को एक रिपोर्ट बनाकर सौंपा थी ।एसपी रीष्मा रमेशन ने मामले में कार्रवाई करते हुए रेहला थानेदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया ।मेदिनीनगर टाउन थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर गुलशन बिरुआ को रेहला का नया थाना प्रभारी बनाया गया है।

अधिवक्ताओं ने लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा

बोकारो, एजेंसी। झारखंड के बोकारो जिला में अधिवक्ताओं ने लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली ।जानकारी के अनुसार, अधिवक्ताओं के एक समूह ने गुरूवार को कैंप दो स्थित बोकारो बार परिसर से तिरंगा यात्रा निकाली ।तिरंगा यात्रा कैंप दो का भ्रमण करते हुए पुन- बार परिसर पहुंची ।यह यात्रा लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के सम्मान में निकाली गयी ।वंदे मातरम्, भारत एकता जिंदाबाद, भारत माता की जयज सहित अन्य देशभक्ति नारों से बार परिसर गूंज उठा. बता दें कि इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हर्ष जताया ।साथ ही देश की सेना पर गर्व किया ।इस दौरान बार परिसर का माहौल देश भक्ति से भरा दिखा ।बार परिसर में मौजूद अधिवक्ताओं ने कहा कि हमारे देश की सेना हमारा गर्व है।

पेसा एक्ट को लेकर सरकार का बड़ा एलान
सभी की सहमति और सुझाव के बाद होगा लागू

रांची, एजेंसी। राज्य के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में पंचायतों को विशेष अधिकार देने वाली पेसा (पंचायत एक्सटेंशन टू शेड्यूल्ड एरियाज एक्ट) नियमावली सभी की सहमति से ही लागू की जाएगी। नियमावली त्रुटि रहित तथा ठोस होगी, ताकि बाद में उसपर कोई विवाद न हो। इसमें आदिवासी समुदाय के हितों को अनदेखा नहीं किया जाएगा तथा परंपरागत स्थानीय स्वशासन व्यवस्था के अधिकार भी बरकरार रहेंगे।

पेसा नियमावली के प्रविधानों को लागू करनेवाले प्रमुख विभागों के मंत्रियों ने यह आश्वासन मंगलवार को होटल रेडिसन में आयोजित %पेसा विचार गोष्ठी कार्यशाला% में आदिवासी बुद्धिजीवियों, सामाजिक संगठनों एवं अन्य हितधारकों को दिया। मंत्रियों ने कहा कि इस कार्यशाला में जो भी सुझाव आए हैं, सरकार उन्हें लागू करने के लिए पेसा नियमावली के ड्राफ्ट में एक बार फिर संशोधन करेगी।

इससे पहले, कार्यशाला में आदिवासी बुद्धिजीवियों ने राज्य सरकार द्वारा जारी पेसा नियमावली के संशोधित ड्राफ्ट के कई प्रविधानों पर भी आपत्तियां दर्ज कीं। इस क्रम में उन्होंने कई सुझाव भी दिए। कहा गया कि पेसा नियमावली में झारखंड पंचायती राज अधिनियम 2011 के प्रविधानों को थोपा नहीं जाए।

खासकर परंपरागत स्वशासन व्यवस्था के अधिकारों का किसी भी हाल में हनन न हो। पेसा कानून लागू होने के इतने समय बाद भी नियमावली लागू नहीं होने पर भी सवाल उठाए। आठ समूहों के माध्यम से आए सुझावों एवं आपत्तियों को सुनने के बाद सभी मंत्रियों ने आश्वासन दिया कि पेसा एक्ट की भावना से खिलवाड़ नहीं होगा। परंपरागत स्वशासन व्यवस्था के साथ किसी तरह का छेड़छाड़ भी नहीं होगा।

आदिवासी समुदाय से भी लें राय- के राजू : इससे पहले कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी व राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के पूर्व अपर सचिव के राजू ने स्पष्ट रूप से सुझाव दिया कि राज्य सरकार पेसा नियमावली किसी हड़बड़ी में कैबिनेट में न लाए। सरकार गांवों में जाकर उन आदिवासी समुदाय से भी राय ले, जिनके लिए यह नियमावली लागू की जानी है। दूसरे राज्यों में लागू नियमावली का भी अध्ययन करे तथा वहां के अच्छे प्रविधानों को अपनी नियमावली में सम्मिलित करे।

उन्होंने पेसा नियमावली लागू करने के लिए जन प्रतिनिधि अधिनियम में भी संशोधन की वकालत की। उन्होंने कहा कि जमीन अधिग्रहण में ग्राम सभा की सहमति लेनी ही होगी, नहीं तो आदिवासी विरोध करेंगे। झारखंड में माडल पेसा रूल लागू हो ताकि दूसरे राज्य भी इसका अनुशरण कर सकें।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जारी पेसा नियमावली का ड्राफ्ट अंतिम ड्राफ्ट नहीं है। कार्यशाला में आई आपत्तियों और सुझावों को ध्यान में रखकर अंतिम ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा और परंपरागत स्वशासन व्यवस्था में कोई छेड़छाड़ नहीं होगा। पेसा एक्ट की मूल् भावना और संविधान के प्रविधानों के अनुसार ही नियमावली लागू की जाएगी। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि भले ही पेसा नियमावली तैयार करने में और समय लगे, लेकिन राज्य सरकार की मंशा एक दुरुस्त नियमावली लागू करने की है।

चालान काटने के मामले में झारखंड को 21वां स्थान, रोजाना कट रहे लगभग 1 हजार चालान

रांची, एजेंसी। झारखंड की सड़कों पर चल रहे वाहन चालक ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं. इसी कारण है कि रोजाना राज्य के लगभग 1 हजार लोगों का चालान कट रहा है. शायद यही वजह है कि यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले में देशभर में झारखंड राज्य 21वें नंबर पर है. झारखंड में रोजाना औसतन 937 लोगों का ट्रैफिक चालान कट रहा है. इसके अलावा पहले स्थान पर तमिलनाडु है. यहां रोजाना सबसे अधिक चालान काटे जाते हैं.

रोजाना सबसे अधिक चालान कटने वाले राज्यों में पहले स्थान पर जहां तमिलनाडु है, तो दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश, तीसरे नंबर पर केरल, चौथे नंबर पर हरियाणा और पांचवें नंबर पर दिल्ली है. इसके अलावा चालान से आमदनी के मामले में पहले स्थान पर उत्तर प्रदेश, दूसरे नंबर पर हरियाणा और तीसरे नंबर पर राजस्थान है. झारखंड का स्थान 21वें स्थान पर है.

मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 13 मई 2020 से 13 मई 2025 के दौरान झारखंड में 17.10 लाख लोगों का चालान कटा है. इसमें ट्रैफिक पुलिस ने 15.88 लाख और परिवहन विभाग ने 1.22 लाख लोगों का चालान किया है. इनसे कुल 82.71 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है. 5 साल की अवधि के दौरान तमिलनाडु में 6.39 करोड़, उत्तर प्रदेश में 5.86 करोड़, केरल में 3.38 करोड़ लोगों का चालान कटा है.

राशन कार्ड : धनबाद के राशन कार्ड उपभोक्ता ध्यान दें, आपको जून में मिलेगा 3 महीने का अनाज

धनबाद, एजेंसी। मानसून आने वाला है, ऐसे में राशन कार्डधारकों के लिए अच्छी खबर है। 15 जून तक सभी कार्डधारकों को तीन माह के अग्रिम राशन का वितरण होगा। इस दिशा में जिला आपूर्ति विभाग की ओर से वितरण कार्य शुरू भी कर दिया गया है। पहले चरण में 31 मई तक जून और जुलाई माह का अनाज वितरण होगा, जबकि 15 जून तक अगस्त माह का भी अनाज सभी कार्डधारकों को दिया जाएगा।

इसे लेकर विभाग की ओर से सभी जनवितरण दुकानदारों का राशन उठाने और वितरण करने का आदेश दिया गया है। इसके तहत कुल 2.70 लाख क्विंटल राशन का वितरण किया जाना है। धनबाद जिले में जन वितरण प्रणाली के तहत राशन प्राप्त करने वाले कुल कार्डधारक 4.40 लाख हैं और इस पर कुल 18.70 लाख सदस्यों तक राशन पहुंचता है। जबकि इनमें से करीब 98 हजार ऐसे कार्डधारक हैं जो छह माह से लेकर पांच साल से राशन का उठान नहीं कर रहे हैं। आपूर्ति विभाग की ओर से राज्य खाद्य आपूर्ति निगम को यह आदेश दिया गया है कि अतिरिक्त अनाज के भंडारण के लिए सरकारी गोदामों के अलावा आसपास के सरकारी भवनों का चयन भी करना है। पैक्स के गोदामों को भी लिया जाना है।

राज्य में क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा, महिला टीम को देंगे बराबरी का मंच : शाहदेव

रांची, एजेंसी। झारखंड के मशहूर उद्योगपति एसके बेहरा झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के अध्यक्ष पद के लिए रविवार को होने वाले चुनाव में ताल ठोक रहे हैं। एसके बेहरा ने घोषणा पत्र में झारखंड क्रिकेट को नई बुलंदियों तक ले जाने का वादा किया है। इसमें हर जिले में क्रिकेट का विकास, पांच जोनल अकादमियों की स्थापना, पारदर्शी शासन और खिलाड़ियों के कल्याण जैसे बड़े वादे शामिल हैं।

उनकी टीम ने वादा किया है कि क्रिकेट को जमीनी स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले जाया जाएगा। इसके लिए राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टूर्नामेंट और लीग का आयोजन होगा। स्कूलों, कालेजों और विश्वविद्यालयों में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

झारखंड के सभी 23 जिलों, उप-मंडलों और पंचायतों तक क्रिकेट को पहुंचाने का लक्ष्य है, ताकि कोई भी प्रतिभा छिपी न रहे। उनकी टीम में नंदू पटेल को उपाध्यक्ष, एसबी सिंह को सचिव और राजकुमार शर्मा को संयुक्त सचिव के रूप में मैदान में उतारा है। इसके अलावा कमेटी मेंबर में श्रवण जाजोड़िया, नवल किशोर उपाध्याय, गोपाल कृष्ण सहाय, मो।काजिर व गुरबारी हेंब्रम तथा जिला प्रतिनिधि के लिए अरुण कुमार राय, आलोक कुमार राय, प्रवीर कुमार सिंह, दिनेश कुमार सिंह, शुभम कुमार मैदान में हैं। रांची7 झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन 2025 का चुनाव 18 मई को होना है। हाई प्रोफाइल हो चुके इस चुनाव में मुख्यतः दो गुटों के बीच टक्कर है।एक गुट की अध्यक्षता अजय नाथ शाहदेव, तो दूसरी टीम की एसके बेहरा कर रहे हैं। दोनों गुटों ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन कर क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का वादा कर रहे हैं। रांची7 आगामी 18 मई को होने वाले झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) की प्रबंधन समिति के चुनाव से पहले 'द टीम' के सभी प्रत्याशी गुरुवार को रांची प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में मीडिया के सामने प्रस्तुत हुए। इस मौके पर उन्होंने जेएससीए के कार्यकलापों में पारदर्शिता लाने, राज्य में क्रिकेट के सर्वांगीण विकास और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने को अपनी प्रमुख प्राथमिकता बताया।अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अजय नाथ शाहदेव ने स्पष्ट किया कि अगर 'द टीम' को मौका मिला, तो जेएससीए में पारदर्शिता स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ चुनाव जीतना नहीं, बल्कि राज्य में क्रिकेट को जमीनी स्तर से मजबूत करना है। अजय नाथ शाहदेव ने बताया कि इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके शाहबाज नदीम और सौरव तिवारी को टीम में शामिल किया गया है, ताकि उनके अनुभव का लाभ राज्य के युवा खिलाड़ियों को मिल सके।

मोरहाबादी में अतिक्रमण हटाने के विरोध में सड़क जाम, पुलिस से भिड़े दुकानदार

रांची, एजेंसी। रांची के मोरहाबादी में गुरुवार को फुटपाथ दुकानदारों ने जमकर हंगामा किया।जानकारी के अनुसार, गुरुवार को रांची नगर निगम के अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में मोरहाबादी के फुटपाथ दुकानदार सड़क पर उतर आये।आक्रोशित दुकानदारों ने बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम के पास बांस-बल्ली और बैरियर लगाकर सड़क जाम कर दिया।इस दौरान करीब एक घंटे तक सड़क जाम रही, जिससे आवागमन बाधित हुआ।मामले की सूचना जब मोरहाबादी टीओपी की पुलिस को मिली, तो पुलिस विरोध कर रहे दुकानदारों के पास पहुंची।लेकिन दुकानदार पुलिसवालों पर ही भड़क गये.

मामले के संबंध में दुकानदारों का कहना है कि दुकानों को हटाये जाने से हमें आपत्ति नहीं है, लेकिन अतिक्रमण हटाने के नाम पर जिस तरह सब्जी और फलों को सड़क पर फेंका गया है, वह बर्दाश्त करने योग्य नहीं है।मामले पर नियंत्रण पाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल मंगाया गया।पुलिस ने दुकानदारों से कहा कि आप लोग बिना किसी अवैध स्ट्रक्चर का निर्माण किए दिन भर सब्जी बेचें और शाम को उसे लेकर घर वापस चले जायें।प्रशासन आपको परेशान नहीं करना चाहता है।आप आराम से अपनी दुकानें लगायें।पुलिस की यह बात सुनकर दुकानदारों का गुस्सा शांत हुआ.

वहीं, अतिक्रमण हटाने के दौरान फल और सब्जियों को सड़क पर ही फेंक दिया गया था।इसे सुबह के करीब नौ बजे निगम के सफाईकर्मियों ने सड़क से उठाया।इधर, मोरहाबादी दुकानदार संघ के अध्यक्ष कुमार रोशन ने कहा कि देर रात करीब 12 बजे अतिक्रमण अभियान चलाना और दुकानें हटाना उचित नहीं है।अधिकारी इसकी जानकारी दें कि किसके आदेश पर आधी रात को अभियान चलाया गया।

बंगाल की मुस्लिम महिलाएं ले रहीं मंईया सम्मान योजना की राशि, खुलासा हुआ तो, हर कोई रह गया दंग!

पोटका, एजेंसी। झारखंड सरकार की मंईयां सम्मान योजना का लाभ बंगाल की मुस्लिम महिलाएं उठा रही हैं। दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा कर सीमावर्ती क्षेत्रों में यह खेल लगातार चल रहा है। फर्जी राशन कार्ड, फर्जी मोबाइल नंबर के सहारे गलत तरीके से रजिस्ट्रेशन करा कर बंगाल की मुस्लिम महिलाएं इस योजना का लाभ ले रही हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बड़े पैमाने पर यहां मुर्शिदाबाद के मुस्लिम मिस्त्री और विभिन्न तरह के कार्य करने वाले लोग निवास करते हैं। जो गलत तरीके से अपने परिवार के लोगों का मंईयां सम्मान योजना में नाम रजिस्टर्ड करा कर इनका गलत तरीके से लाभ ले रहे हैं।

पोटका में सत्यापन सूची में बंगाल की महिलाओं के नाम आने से मुखिया बाघराय सोरेन दंग रह गए हैं। मुखिया ने बताया कि 480 मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के सत्यापन के लिए सूची प्रखंड से उपलब्ध कराई गई है। इस सूची में जब जांच की जा रही है तो पता चल रहा है कि कलिकापुर पंचायत में 27 बंगाल की मुस्लिम महिलाएं इस योजना का लाभ ले रही थीं।

उन्होंने कहा कि जब इन महिलाओं के मोबाइल नंबर से संपर्क किया गया तो कई नंबर गलत हैं और जो नंबर चालू हैं वह बंगाल से फोन रिसीव कर रहे हैं। योजना का लाभ लेने के लिए राशन कार्ड जरूरी था मगर फर्जी राशन कार्ड नंबर डालकर इस योजना का लाभ बड़े ही आसानी के साथ मुस्लिम महिलाएं ले रही थीं।

कहा कि मेरे पंचायत में एक भी मुस्लिम परिवार निवास नहीं करती है। इस मामले को लेकर झारखंड सरकार से मैं उच्चस्तरीय जांच की मांग करता हूं। सभी लाभुकों का सत्यापन होना चाहिए, ताकि यहां के रहने वाले महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल सके।

इ न महिला लाभुकों के सत्यापन के लिए सूची कलीकापुर पंचायत में आई है जिसमें मंजूरा खातून, शेरा खातून, बॉबी बानु, अंजुना खातून, जूही जहांन, बानु बेगम, आजादी बानु, अहिदा टुड्डू, अर्जुना खातून, जाहिदा खातून, हुस्नारा बानु, नामिना खातून, ममुदा खातून, नजमीन खातून, सहेंसा बेगम, मिनारा खातून, नूर बानु, हसीना बीबी, नूरी बेगम, सबीना खातून, खतीजा खातून, मनीला खातून, रेशमा खातून, शहनाज बेगम, लैला बेगम आदि शामिल है।

आकाशीय बिजली से सीआरपीएफ के एक अधिकारी की मौत

रांची, एजेंसी। चाईबासा के सारंडा में आकाशीय बिजली गिरने से सीआरपीएफ के 2 अधिकारी और झारखंड पुलिस के 2 एएसआई झुलस गए। इलाज के दौरान सीआरपीएफ की 26 बटालियन के सेकेंड इन कमांड एम प्रोबो सिंह की मौत हो गई है। सीआरपीएफके सहायक कमांडेंट सुबीर मंडल, जगुआर के 2 एएसआई सुदेश और चंदलाल हांसदा की हालत गंभीर है। तीनों को रांची रेफर किया गया है। देर रात सीआरपीएफ कैंप के पास आकाशीय बिजली गिरने से सभी उसकी चपेट में आ गए थे।

पूरे झारखंड में आकाशीय बिजली का अलर्ट : इधर, मौसम विभाग ने आज झारखंड के सभी जिलों में आकाशीय बिजली और तेज हवा का अलर्ट जारी किया है। हवा की रफ्तार 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार से झारखंड होते हुए एक टर्फ लाइन गुजर रही है। यह टर्फ लाइन झारखंड के लिए फायदेमंद रहेगा। इसकी वजह से 19 मई तक राज्य के अधिकतर हिस्सों में अच्छी बारिश की संभावना है। झारखंड में अभी भी वैसी गर्मी नहीं पड़ी है, जिस तरह की गर्मी इस समय पड़नी चाहिए।

3 दिनों में गिर सकता है अधिकतम तापमान : 16 मई से तापमान में गिरावट आ सकती है। इसके बाद बारिश का दायरा बढ़ेगा। 19 मई तक पश्चिमी भाग को छोड़कर अधिकतर क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बदलाव की संभावना नहीं है। इसके अगले 3 दिनों में इसमें तीन से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है।

सबसे कम न्यूनतम तापमान रहा खूंटी का : पिछले 24 घंटे में राज्य में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश 44.6 एमएम हाटगम्हरिया (पश्चिम सिंहभूम) में दर्ज की गई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस खूंटी में रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने 17 मई को भी लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इसमें गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार और लोहरदगा को छोड़ शेष हिस्सों में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा चल सकती है। हवा की रफ्तार 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की हो सकती है। वहीं, वज्रपात की भी संभावना है। वहीं, 18 और 19 मई को राज्य में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा का झोंका चल सकता है। वज्रपात की भी संभावना है।

न्यूनतम वेतन मामले की सुनवाई में नहीं पहुंचे श्री पब्लिकेशन के प्रतिनिधि

धनबाद, एजेंसी। धनबाद नगर निगम में होल्डिंग टैक्स संग्रह का कार्य देख रही कंपनी श्री पब्लिकेशन के खिलाफ कर्मियों ने न्यूनतम वेतन व पीएफ सुविधा से वंचित रखने की शिकायत श्रम विभाग में की है।इसे लेकर श्रम कार्यालय बरटांड़ में गुरुवार को सुनवाई होनी थी।लेकिन श्री पब्लिकेशन की ओर से अपना पक्ष रखने के लिए कोई प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ।इस वजह से कर्मियों में नाराजगी है।उनका आरोप है कि उन्हें पिछले तीन वर्षों से सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी नहीं मिल रही है।न ही पीएफ जैसी मूलभूत सुविधाएं दी जा रही।कर्मियों ने आरोप लगाया कि कंपनी के प्रोजेक्ट हेड मनोज रवानी ने उन्हें बार-बार शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है व ऐसा न करने पर काम से हटाने और अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया।इस व्यवहार की भी शिकायत नगर निगम को सौंपी गयी है।मामले में सहायक श्रमआयुक्त प्रवीण कुमार ने बताया कि मामले में नियमानुसार कंपनी पर कार्रवाई की जायेगी.

सहायक श्रमायुक्त ने नगर निगम धनबाद की आउटसोर्सिंग कंपनी श्री पब्लिकेशन एंड स्टेशनर्स प्राइवेट लिमिटेड, रांची को उनके एक पूर्व कर्मचारी विजय कुमार गोस्वामी की शिकायत पर नोटिस जारी किया है।शिकायत में आरोप है कि कंपनी ने अक्टूबर 2023 से मार्च 2024 तक का पारिश्रमिक नहीं दिया।30 अक्टूबर 2023 को बिना किसी पूर्व सूचना के कार्य से हटा दिया।उन्हें हटाने की जानकारी 29 मार्च 2024 को ईमेल से दी गयी, जो श्रम कानूनों का उल्लंघन है।सहायक श्रमायुक्त प्रवीण कुमार ने बताया कि कर्मचारी को छंटनी से पहले एक महीने की लिखित सूचना देना अनिवार्य है, जिसे कंपनी ने नहीं निभाया।साथ ही बकाया वेतन न देना श्रम अधिकारों का उल्लंघन है।विभाग द्वारा कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा है।यदि कंपनी इस निर्देश का अनुपालन नहीं करती है, तो सक्षम न्यायालय में अभियोजन दायर करने की प्रक्रिया शुरू की जायेगी.

Page 3_16.12.2018 PAGE-04.qxd 16-05-2025 22:18 Page 1

अवैध रुप से रह रहा वांग्लादेशी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। बोधगया में एक बांग्लादेशी नागरिक पकड़ा गया है। वह अपनी असली पहचान छुपा कर चोरी छुपे बोधगया के एक मॉनेस्ट्री में रह रहा था। बांग्लादेशी नागरिक बोधगया के स्लीपिंग बुद्धा मॉनेस्ट्री में भिक्षु बनकर रह रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर गुरुवार को कोर्ट में पेश किया है।

गिरफ्तार नागरिक की पहचान पवन कांति बरुआ के रूप में की गई है ।मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को देर रात बोधगया थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह अपने दल बल के साथ गश्ती कर रहे थे। वहीं, अम्मा गांव के समीप स्लीपिंग बुद्धा मॉनेस्ट्री में सुरक्षा के दृष्टिकोण से जांच की गई।

बुद्धा इंटरनेशनल वेलफेयर मिशन में रहने वाले लोगों की सत्यापन किया गया, इसके बाद एक भिक्षु छुपने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे पकड़ा और पूछताछ की। पूछताछ के क्रम में पता चला कि ये भिक्षु अपनी असली पहचान छुपा कर रह रहा था।

पुलिस के पूछताछ करने पर नागरिक ने अपनी पहचान 62 वर्षीय प्रापूल चकमा पिता गानेश्वर चकमा घर अरुणाचल प्रदेश बताया था। इसके वाबजूद भी पुलिस को शक हुआ और उसे बोधगया थाना लेकर आए और फिर पूछताछ की।

इसके बाद नागरिक ने अपनी असली पहचान पवन कांति बरुआ पिता सुकेंदु विकास बरुआ थाना काठ खाली, बांग्लादेश निवासी बताई। पुलिस ने असली पहचान छुपाकर रहने के जुर्म में उसे गिरफ्तार कर लिया है।

बांग्लादेशी नागरिक कई बार बोधगया आ चुका है। कुछ दिन पूर्व बंगलादेश से बिना बीजा पासपोर्ट के हिंदुस्तान में प्रवेश किया था और अरुणाचल प्रदेश में जाकर अपना एक फर्जी आधार कार्ड बनवा लिया। बोधगया के बुद्धा इंटरनेशनल वेलफेयर मिशन(स्लीपिंग बुद्धा)में रहने लगा।

इधर,बोधगया थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बांग्लादेशी नागरिक पिछले 15 दिनों से अपनी असली पहचान छुपा कर रह रहा था। पुलिस ने शक के आधार पर जब पूछताछ की तो उसकी असली पहचान सामने आ गई। अग्रतर करवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया है।

अवैध रुप से सीमा पार करते धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रक्सौल । भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की टीम ने सतर्कता दिखाते हुए एक विदेशी नागरिक को अवैध रूप से सीमा पार करने के प्रयास में गिरफ्तार किया। इस गिरफ्तारी के बाद से सुरक्षा एजेंसियों की बेचैनी बढ़ गई है।

पकड़ा गया संदिग्ध व्यक्ति हरप्रीत सिंह है, जो कनाडा के निवासी निर्मल सिंह का पुत्र बताया जा रहा है। हरप्रीत सिंह बिना वैध वीजा के भारत में रह रहा था और नेपाल जाने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान एसएसबी ने उसे पकड़ लिया और आवश्यक पूछताछ के बाद उसे हरैया थाने की पुलिस को सौंप दिया।

इसकी जानकारी हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान ने दी। बताया कि हरप्रीत सिंह के पास भारत का कोई वैध वीजा नहीं मिला है। इस आधार पर पुलिस ने उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है और उसे मोतिहारी न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बता दें कि करीब एक सप्ताह पूर्व चार चीनी नागरिक भारत-नेपाल मैत्री पुल के समीप से गिरफ्तार किये गये थे। उक्त विदेशी नागरिकों की गुत्थी अभी सुलझी ही नहीं कि इस बीच कनाडा के नागरिक की गिरफ्तारी से हड़कंप मच गया है।

सुरक्षा एजेंसियां गिरफ्तार कनाडा के नागरिक का पंजाब और नेपाल कनेक्शन की जांच में जुटी हैं। इस घटना ने एक बार फिर भारत-नेपाल सीमा पर अवैध और विदेशी नागरिकों की संदिग्ध गतिविधियों पर सवाल खड़ा कर दिया है।

ज्ञात हो कि इससे पहले चार चीनी नागरिकों को भी इसी तरह अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के प्रयास में गिरफ्तार किया गया था। उसका पासपोर्ट नंबर पी 8421171 ईडी है। 6 माई 025 निर्गत किया गया। समाप्ति 6 माई 2030 बरामद पासपोर्ट में अंकित है।

चीन और अमेरिका के बाद अब कनाडा के नागरिक द्वारा अवैध घुसपैठ का मामला सामने आना सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है। सीमा सुरक्षा बल लगातार अपनी निगरानी बढ़ा रही है और ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई कर रहा है।

भारत-नेपाल बार्डर की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत-नेपाल की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। सोनामनी गुदाम से आमबाड़ी तक लगने वाली भारत नेपाल सीमा में सोनामनी गुदाम, कुसार्कांटा, कुआड़ी, सिकटी तथा बरदाहा थाना क्षेत्र में चेकिंग प्वाइंट बनाए गए हैं। जहां 24 घंटे गहन तलाशी अभियान जारी है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। सुरक्षा व्यवस्था को और चाक-चौबंद बनाने के लिए चेक प्वाइंट पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके साथ ही पुलिसकर्मियों को आधुनिक वायरलेस संचार प्रणाली और दंगा नियंत्रण के लिए आवश्यक उपकरणों से भी लैस किया गया है। सीमा पर सुरक्षा के मद्देनजर भारतीय क्षेत्र में 25 किमी तो नेपाल भूभाग में दस किलोमीटर के दायरे में ड्रोन कैमरा उड़ाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। नेपाल के वरीय अधिकारियों ने बताया कि भारत-पाक तनाव के बीच नेपाल ने भी भारत के सहयोग में बॉर्डर पर सुरक्षा के नियम सख्त किए हैं। अब भारत की ही तरह नेपाल में भी दस किलोमीटर तक कोई भी ड्रोन नहीं उड़ा सकता है। इसके अलावा बांग्लादेश से आने वाली जमात पर भारत व नेपाल की खुफिया एजेंसी निगाह रख रही हैं। दोनों ओर बराबर गश्त भी हो रही है। भारत-पाक तनाव के बीच सुरक्षा दो स्तर पर कर दी गई है। पहले स्तर पर एसएसबी नो मेंस लैंड पर तैनात है। वहां उसकी स्थायी चौकियां हैं। इसी के साथ एसएसबी ने गश्त को बढ़ा दिया है। दूसरे स्तर पर जिला पुलिस की तैनाती है। इसमें नई सुरक्षा जांच चौकी बनाई गई है।

बोर्डर के पास नहीं उड़ेंगे ड्रोन

सीमा क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के लिए बैरियर पर पुलिस को तैनात किया गया है। सीमा के नो मेंस लैंड पर दोनों देश के जवान चौबीस घंटा गश्त कर रहे हैं। बॉर्डर पिलर के दोनों तरफ की 30 फीट जमीन नो मेंस लैंड के दायरे में आता है। नेपाली अधिकारियों ने बताया कि सीमा पर कैंप किया जा रहा है। सभी आने जाने वालों पर निगाह रखी जा रही है। इधर, एसएसबी और पुलिस प्रशासन सीमा पर बनाए गए सेक्टर के हिसाब से मोर्चे पर डटी है। अब नेपाल में भी बॉर्डर से 10 किलोमीटर तक कोई भी शादी विवाह में ड्रोन नहीं उड़ा पाएगा। सीमा के बंद होने के बाद किसी को भी न तो आने दिया जाएगा और न ही जाने दिया जाएगा। किसी भी तीसरे देश के नागरिकों को भारत सीमा की ओर न जाने को कहा गया है।

आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने के आरोप में शिक्षक निलंबित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

__सीवान।__ जिले के महाराजगंज प्रखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय रतनपुरा मकतब में कार्यरत शिक्षक नासीर अंसारी को बीआरसी वाट्सएप ग्रुप में आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने के मामले में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई जिला शिक्षा पदाधिकारी सीवान द्वारा प्राथमिक जांच में दोषी पाए जाने के बाद की गई है। इस घटना ने न केवल शिक्षा विभाग में हलचल पैदा कर दी है, बल्कि शिक्षकों की डिजिटल आचारसंहिता को लेकर भी गंभीर बहस छेड़ दी है।

जानकारी के अनुसार, नासीर अंसारी ने महाराजगंज बीआरसी के अधिकृत वाट्सएप ग्रुप में एक ऐसी पोस्ट साझा की, जिसे अनुचित, आपत्तिजनक और विभागीय मर्यादाओं के खिलाफ माना गया। शिकायत मिलते ही शिक्षा विभाग ने तत्काल जांच समिति गठित की। समिति ने प्रथम दृष्टया अंसारी को दोषी पाया, जिसके बाद निलंबन आदेश जारी कर दिया गया।

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई अनुशासनहीनता और विभागीय गरिमा को ठेस पहुंचाने के मद्देनजर की गई है। शिक्षक की भूमिका समाज में एक आदर्श स्थापित करने की होती है, ऐसे में इस तरह की गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

शिक्षकों ने की भर्त्सना

इस घटनाक्रम को लेकर जिले के शिक्षक समुदाय में मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ शिक्षकों ने निलंबन को सही और समयानुकूल कदम बताते हुए विभागीय अनुशासन की रक्षा की बात की है, तो कुछ अन्य इसे कठोर और पूर्वाग्रही कार्रवाई मान रहे हैं। हालांकि अधिकतर लोगों का यही कहना है कि शिक्षण पेशा एक नैतिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ कार्य है और सार्वजनिक मंचों पर व्यवहार के प्रति शिक्षकों को अत्यधिक सतर्क रहना चाहिए।

इस घटना के बाद शिक्षा विभाग सोशल मीडिया के अनुशासित उपयोग को लेकर नई गाइडलाइंस जारी करने पर विचार कर रहा है। अधिकारियों का मानना है कि विभागीय ग्रुप्स का उद्देश्य केवल कार्य-संपर्क और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए होता है, इसमें अनुचित सामग्री की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सीवान ने बताया कि निलंबन के बाद भी मामले की गहन जांच जारी है। अगर जांच में आगे और ठोस सबूत मिलते हैं, तो शिक्षक नासीर अंसारी के खिलाफ अतिरिक्त विभागीय कार्रवाई भी की जा सकती है। प्रशासन ने यह भी संकेत दिया है कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए सख्त नियमावली तैयार की जाएगी।

दोस्त को घर से बुलाकर मारी गोली, इलाज के दौरान मौत

हथियार लहराते बदमाश भागे

लगातार घट रही घटनाओं से रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय में बदमाशों ने एक युवक को घर से बुलाकर गोली मार दी। घटना एसकमाल थाना क्षेत्र के समस्तीपुर गांव के समीप बाजार में घटी है। फिलहाल, जख्मी युवक को आनन-फानन में इलाज के लिए बेगूसराय लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की पहचान एसकमाल थाना क्षेत्र के समस्तीपुर निवासी बटोरन महतो के पुत्र अमरजीत कुमार (30) के रूप में पहचान की गई है। पिता ने बताया कि उसके दोस्त ने उसे घर से बुलाकर बाजार ले गया था। इसके बाद मुझे सूचना मिली कि मेरे बेटे को गोली लग गई है। जानकारी मिलते ही दौड़ा भागा अस्पताल की तरफ पहुंचा हूं। बताया जा रहा है कि युवक की हाल ही में शादी हुई थी। उसका छह महीने का एक छोटा सा बच्चा भी है। अस्पताल में युवक को बचाने के लिए डॉक्टर के द्वारा जद्दोजहद किया गया। बदमाशों ने युवक को एक गोली मारी है। इसके बाद से हथियार लहराते हुए बदमाश घटना स्थल से भाग गए। वहीं, इस घटना की

खबर पाकर युवक के घर पर कोहराम मचा हुआ है।

बेगूसराय में बीते कुछ दिनों से हो रहे लगातार घटने के बाद से जिले का क्राइम रेट बढ़ गया है। जिलेवासियों में पुलिस की कार्यशैली को लेकर लगातार रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि पुलिस जितनी तेजी से घटित मामलों का उद्भेदन कर पाती है। अपराधियों के द्वारा उसे कई गुना रफ्तार से लगातार आपराधिक वारदात किया जा रहे हैं। इस पर लगाम लगाने की सख्त जरूरत है। बता दें कि इससे पहले बुधवार को ही साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र में बहसा बहसी के विवाद में एक युवक को बदमाशों ने गोली मार दी थी। लगातार दूसरे दिन गुरुवार को एक बार फिर गोली कांड की वारदात ने स्थानीय पुलिस के इकबाल पर बड़ा सवाल खड़ा किया है।

इस वर्ष समय से आयेगा मानसून

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। किसानों के लिए इस बार राहत की खबर है। न तो धान का बिचड़ा सूखेगा, न ही बोआई के समय खेतों में नमी की कमी होगी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस वर्ष मानसून समय पर, या उससे दो-चार दिन पहले ही दस्तक दे सकता है। शुरूआत में ही झमाझम बारिश की संभावना है, जिससे धरती तरबतर हो जाएगी।

समय पर वर्षा होने से खेती-बाड़ी लहलहाएगी और किसान खुशहाल होंगे। समय से मिले पानी के कारण उत्पादन बेहतर और बंपर होगा। पिछले वर्षों में बिहार में मानसून की स्थिति बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के नोडल पदाधिकारी डॉ. बीरेंद्र कुमार का कहना है कि देश में मानसून इस बार सामान्य समय से चार दिन पहले, यानी 27 मई को केरल पहुंच सकता है।

आमतौर पर मानसून एक जून को केरल में दस्तक देता है। बिहार में इसके 13 से 15 जून के बीच पहुंचने की संभावना है। पिछले वर्ष यह 20 जून को पांच दिन की देरी से पहुंचा था और सामान्य से 20 प्रतिशत कम वर्षा हुई थी। 2023 में मानसून समय से एक दिन पहले यानी 12 जून को बिहार में आया था, लेकिन फिर भी 23 प्रतिशत कम वर्षा हुई थी।

2020 से 2022 के बीच मानसून 13 जून को ही आया था। बिहार में मानसून के दौरान सामान्य वर्षा का औसत 1272.5 मिमी है। 2021 के बाद से राज्य में सामान्य से अधिक वर्षा नहीं हुई है। इस वर्ष भी सामान्य वर्षा की संभावना है, लेकिन यदि मौसमी कारकों का साथ मिला, तो यह सामान्य से अधिक भी हो सकती है।

मौसमी चक्रों का सहयोग मिलने पर होगी अच्छी वर्षा

यह वास्तविक स्थिति मानसून की दस्तक के बाद ही स्पष्ट होगी कि मौसमी चक्र इसका सहयोग कर रहे हैं या नहीं।

कुत्ते के हमले में कोर्ट परिसर में अफरातफरी, कई को काटा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। शुक्रवार को बेगूसराय जिला व्यवहार न्यायालय परिसर उस समय दहशत और अफरातफरी का केंद्र बन गया, जब एक पागल कुत्ते ने वकीलों, कोर्ट कर्मियों और पक्षकारों पर हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले में कुल आठ लोग घायल हो गए, जिनमें अधिवक्ता, रेलवे कोर्ट के कर्मचारी और अन्य न्यायालय कर्मी शामिल हैं। घटना के बाद लोगों ने पागल कुत्ते को घेरकर मार डाला, तब जाकर स्थिति नियंत्रित हो सकी।

जानकारी के मुताबिक, यह वारदात उस समय हुई जब एक आरोपी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया और कोर्ट कर्मी पुलिस को बुलाने के लिए बाहर निकले। तभी परिसर में मौजूद एक पागल कुत्ता अचानक उन पर टूट पड़ा और उन्हें काटकर बुरी तरह जख्मी कर दिया। बताया गया है कि हमले में कोर्ट कर्मी का पैंट भी फट गया और वह खून से लथपथ हो गया। इसके बाद कुत्ते ने अंधाधुंध हमला करते हुए कई अन्य लोगों को भी घायल कर दिया। बरौनी रेल कोर्ट के कर्मचारी सौरभ कुमार भी कुत्ते का शिकार बने। सौरभ कुमार के पैर पर गंभीर रूप से काटा गया, जिससे उन्हें इलाज के लिए तत्काल अस्पताल ले जाना पड़ा।

घालमेल का आरोप

मुजफ्फरपुर। ई-शिक्षा कोष में ऑनलाइन उपस्थिति में जिले के शिक्षक फजीवाड़ा कर रहे हैं। कई शिक्षक तो खुद ऑनलाइन हाजिरी नहीं बनाकर महिला शिक्षक से बनवा रहे हैं। जिला शिक्षा विभाग की समीक्षा में यह बात सामने आ रही है। इसमें सबसे अधिक शिक्षक सरैया प्रखंड के मिले हैं।

ऑनलाइन उपस्थिति में विसंगती के आरोपियों में शिक्षक के साथ-साथ प्रधान शिक्षक भी शामिल हैं। जिला शिक्षा विभाग के स्तर से फरवरी से लेकर मई तक की ऑनलाइन उपस्थिति की समीक्षा की गई है। इसमें कई शिक्षकों के उपस्थिति को लेकर विसंगति पाई गई है।

शिक्षा विभाग के स्तर से बताया गया है कि कई शिक्षकों की तस्वीर प्रदर्शित नहीं हो रही है। साथ ही कई शिक्षक तस्वीर पर आने वाले लोकेशन को किसी माध्यम से छिपा दे रहे हैं यानी उसे दिखने नहीं दे रहे हैं।

दूसरी ओर, स्कूल इन और स्कूल आउट के समय फोटो में भिन्नता पाई गई है। इसको लेकर डीईओ ने जिले करीब आठ शिक्षकों को चिह्नित किया है। जिला शिक्षा विभाग ने उनसे इस बाबत स्पष्टीकरण मांगा है।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने को चुनाव आयोग प्रतिबद्ध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पिछले चुनावी वर्षों में बिहार में मतदान के कम प्रतिशत ने इलेक्शन कमीशन की भी चिंता बढ़ाई है। अब आगे अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव है और बिहार के लिए मतदान प्रतिशत बढ़ाने की चुनौती भी। राष्ट्रीय औसत से आकलन करने पर यह चुनौती कड़ी प्रतीत होती है, लेकिन निर्वाचन आयोग ने अभी से जो तैयारी शुरू की है, वह अच्छी उपलब्धि के लिए आवश्स्त करने वाली है।

विधानसभा चुनाव तैयारियों के क्रम में भारत निर्वाचन आयोग के आयुक्त डा. विवेक जोशी ने पहले दिन शुक्रवार को पटना में की समीक्षा की। बिहार के चार दिवसीय दौरे पर आए जोशी ने पहले दिन पटना में निर्वाचन की तैयारियों, आदर्श आचार संहिता के अनुपालन, मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण, मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु स्वीप गतिविधियों की ओर ध्यान आकृष्ट किया।

मतदान प्रतिशत के संदर्भ में भी निर्वाचन आयुक्त ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जहां राष्ट्रीय स्तर पर औसत मतदान प्रतिशत 66.10 हैं। वहीं, बिहार में पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान मात्र 56.28 प्रतिशत मतदान हुआ, जो अपेक्षाकृत कम है।

ऐसी स्थिति में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए व्यापक रणनीति बनाई जाए। पहल को सूक्ष्म स्तर (माइक्रो लेवल) तक लागू करें। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिछले 10 वर्षों में हुए चुनाव में बिहार का मतदान प्रतिशत लगभग 56झ57 प्रतिशत के बीच रहा है, जिसे बढ़ाए जाने के लिए विशेष प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

कानून-व्यवस्था, मतदान कर्मियों के प्रबंधन, दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं हेतु सुविधाओं की व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधों तथा शिकायत निवारण तंत्र से संबंधित तैयारियों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया। इस दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) बिहार विनोद सिंह गुंजियाल, स्टेट पुलिस नोडल अधिकारी कुंदन कृष्णन, पुलिस महानिरीक्षक, पटना के जिला निर्वाचन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, निर्वाचन विभाग एवं अन्य अधिकारियों ने अब तक की तैयारियों के बारे में पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभिन्न आंकड़ों एवं तथ्यों को साझा किया।

निर्वाचन आयुक्त जोशी ने निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं अधिकतम सहभागिता वाला बनाने पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन संबंधी समस्त कार्यों में निष्पक्षता, समयबद्धता एवं प्रतिबद्धता सुनिश्चित करें।

आयोग का लक्ष्य सभी संबंधित पक्षों की सशक्त एवं जागरूक सहभागिता सुनिश्चित करना है। सभी न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। जोशी ने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जोड़ने से वंचित न रह जाए। युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से एएक्सईएन/निर्माण-II, आद्रा, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किया गया है। निविदा निर्धारित तारीख को **दोपहर 12:00 बजे** बंद कर दी जाएगी। **ई-निविदा सूचना संख्या: 06-एसईआरसी-एडीए-सीई-सी-II-6-24, दिनांक: 15.05.2025। कार्यों का संक्षिप्त विवरण:** उप मुख्य अभियंता/निर्माण/आद्रा के अधिकार क्षेत्र के अधीन आद्रा मंडल में आद्रा (01), बर्नपुर (01), दामोदर (01), भागा (02), भोजुडीह (02), महुदा (02), बोकारो स्टील सिटी (02) एवं चाण्डिल (01) में आरसीसी ओवरहेड टैंक का शेष कार्य तथा वाटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट। **अनुमानित लागत:** ₹ 2.70 करोड़। **बोली प्रतिभूति:** ₹ 2,85,200। **पूरा करने की अवधि:** 12 महीने। **बंद होने की तारीख:** 09.06.2025। निविदा के सम्पूर्ण विवरण/ब्योरा/स्पेसिफिकेशन के लिए इच्छुक निविदादाता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं और अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस मद के लिए किसी भी परिस्थिति में मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। **वि.द्र.:** अन्य सभी निविदाओं में भाग लेने के लिए भावी बोलीदाता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** नियमित रूप से देख सकते हैं। (PR-166)

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **क्रम संख्या:** 1। **ई-निविदा सूचना संख्या: टीआरडी-एडीए-ई-टेंडर-10-2025, दिनांक: 15.05.2025। कार्य का विवरण:** गढ़ध्रुबेश्वर यार्ड पर ट्रांज़िशन पोर्शन से सर्कुलर पोर्शन तक पॉइंट संख्या 26ए एवं 26बी के क्रॉस ओवर शिफ्टिंग के लिए ओएचई रूपांतरण। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 39,36,341.91। उपर्युक्त कार्य के लिए ई-निविदा-10-2025 के बंद होने की तारीख एवं समय **09.06.2025 को अपराह्न 3.00 बजे** है तथा निविदा **09.06.2025 को अपराह्न 3.00 बजे** के बाद खोली जाएगी। **क्रम संख्या:** 2। **ई-निविदा सूचना संख्या: टीआरडी-एडीए-ई-टेंडर-11-2025, दिनांक: 15.05.2025। कार्य का विवरण:** निम्न हेतु शेष कार्य - आद्रा मंडल के बोकारो स्टील सिटी में विद्युत रेलइंजन को रखने के लिए डीएलबीके में संरचना एवं जांच स्थापना के सृजन हेतु ओएचई रूपांतरण। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 1,27,95,221। उपर्युक्त कार्य के लिए ई-निविदा-11-2025 के बंद होने की तारीख एवं समय **16.06.2025 को अपराह्न 3.00 बजे** है तथा निविदा **16.06.2025 को अपराह्न 3.00 बजे** के बाद खोली जाएगी। उपरोक्त ई-निविदा का विवरण कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। (PR-167)

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/671, दिनांक: 15.05.2025, मंडल **रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युत कार्य के निष्पादन के लिए खुली ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: निविदा सं. ईएल–एचडब्ल्यूएच –25–21–3448, कार्य का नाम :** खाना जंक्शन–गुमानी शाखा में सभी रेलवे परिसरों में ऊर्जा दक्ष एलईडी लूमेनरी में 100% रूपांतरण। **निविदा मूल्य :** रु. 1,51,69,888/–, **बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा):** रु. 2,25,900/–, **समापन अवधि:** 270 दिन। **अंतिम तिथि और समय:** 04.06.2025 को 15.00 बजे। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश /बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी सुविधाजनक दिवस को निविदाएँ ऑनलाइन खोली जाएंगी। निविदा का विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें।

HWH-84/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सरकार अनुपयोगी वाहनों की स्क्रैपिंग को कर रही प्रोत्साहित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए 15 साल से अधिक पुराने और अनुपयोगी वाहनों को स्क्रैप किया जा रहा है। इसके लिए दो स्थानों पटना में निलियम स्क्रैपिंग सेंटर और वैशाली स्थित एसके इंटरप्राइजेज में वाहन स्क्रैपिंग सेंटर है।

परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग के लिए जनवरी 2023 से मार्च 2025 के बीच एक हजार 557 आवेदन आए है। इनमें 747 वाहन सेना, 308 वाहन सरकारी और 522 वाहन निजी है।

प्रदेश सरकार वाहन स्वामियों को 15 साल से पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग कराने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इसके लिए कई तरह के कर में छूट दी जा रही है। इसमें वाहन मालिकों को जमा का प्रमाण

25 से 15 प्रतिशत तक दी जा रही छूट

पत्र(सीओडी) के आधार पर नए वाहनों के पंजीकरण कराने पर कर में रियायत, निजी वाहनों की स्क्रैपिंग पर कर में 25 प्रतिशत छूट और वाणिज्यिक वाहनों की स्क्रैपिंग पर 15 प्रतिशत छूट दी जा रही है। इसके साथ ही वाहन मालिकों को पहले से लंबित सभी तरह के बकाये में एकमुश्त छूट देने का प्रावधान है। यह छूट 31 मार्च 2026 तक प्रभावी है। विभाग ने 15 साल पुरानी सरकारी गाड़ियों की स्क्रैपिंग को जरुरी किया है।

परिवहन मंत्री शीला कुमारी ने कहा कि प्रदेश में बीते एक वर्ष में गाड़ियों की स्क्रैपिंग के लिए काफी काम हो रहा है। पुरानी गाड़ी स्क्रैप कराने वाले वाहन मालिकों को कोई नुकसान ना उठाना पड़े इसलिए उन्हें कई तरह की सहूलियत दी जा रही है।

इसमें पुराने वाहन मालिकों को नई गाड़ी खरीदने पर कर में छूट का लाभ भी दिया जा रहा है, जिससे लोगों पर आर्थिक बोझ ना पड़े। विभाग आमजनों की सुविधा के लिए सजगता से काम कर रहा है।

सरकारी गाड़ियों की स्क्रैपिंग के लिए ई-नीलामी मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड या सरकारी ई- बाजार (जेम) पोर्टल पर की जाती है। इसमें देशभर से कोई भी रजिस्ट्रेशन वेरिफिकेशन और स्क्रैपिंग फैसिलिटी (आरवीएसएफ) सेंटर भाग ले सकता है और गाड़ियों को खरीद कर स्क्रैप कर सकता है। वहीं, नीजी वाहनों की स्क्रेपिंग लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (मोर्थ) पोर्टल पर आवेदन करना होगा, जिसे आरवीएसएफ सेंटर खरीद कर स्क्रैप करेगा।

शिक्षण संस्थानों में शौचालय निर्माण का शिलान्यास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुण्डी। पूर्वी टुंडी प्रखंड के रामपुर पंचायत के कोपली उत्क्रमित मध्य विद्यालय में शुक्रवार को झारखंड विधानसभा के मुख्य सचेतक सह टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो द्वारा बालक एवं बालिका के लिए करीब नौ लाख रुपए की लागत से बनने वाला शौचालय निर्माण कार्य का दीप प्रज्जवलित कर एवं नारियल फोड़कर विधिवत शिलान्यास किया गया। बताते चलें कि टुण्डी विधायक इन दिनों अभियान चलाकर हर विद्यालयों में शौचालय निर्माण का आधारशिला रख रहे हैं ताकि बच्चों में शिक्षा के साथ-साथ एक अच्छी संस्कार का उदय हो सके। टुण्डी एवं पूर्वी टुंडी प्रखंड के लगभग प्रायः विद्यालयों में शौचालय निर्माण कार्य इन दिनों युद्धस्तर पर चल रहा है। विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि झारखंड में शिक्षा का स्तर ऊंचा हो इसके लिए सरकार हर विद्यालयों को सुदृढ़ करने का काम कर रही है ताकि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ साथ बच्चों में एक अच्छी संस्कार का निर्माण हो सके। मौके पर विधायक मथुरा प्रसाद महतो उनके निजी सचिव बसंत महतो, पूर्वी टुंडी झामुमो प्रखंड अध्यक्ष गिरिलाल किस्कू, रामचन्द्र मुर्मू, ऐनुल अंसारी,इशाक अंसारी,मदन महतो, सुनील सोरेन, अजीत मिश्रा, संवेदक समेत सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

ई–नीलामी सूचना

सं. सीओएम/एटीएम/एएसएन/डिवीजन, दिनांक: 15.05.2025, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई–नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण इस प्रकार है: **नीलामी की कैटेगरी:** एटीएम। **ई–नीलामी कैटलॉग सं.:** एएसएन–एटीएम–29–05, **नीलामी शुरू होने का विवरण:** दिनांक 29.05.2025, 12.00 बजे। **स्टेशन/स्थान का नाम/ट्रेन नं. एवं एसएलआर:** 11 स्टेशनों के निम्नलिखित 13 स्थानों पर एटीएम का संस्थापन–आसनसोल (ट्रैफिक जिम्नैजियम और वीआईपी–रोड के एंट्री के पास), गिरिडीह, दुमका, बासुकीनाथ, देवघर, चित्तरंजन, कुलटी, सीतारामपुर, सिमुलतला (स्टेशन के पूर्वी एवं पश्चिमी भाग), बराकर और कुमारधुबी। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को उपर्युक्त सूची के अनुसार उक्त ई–नीलामी हेतु संपूर्ण विवरण एवं भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है।

ASN-48/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

सहकारिता एवं कृषि विभाग अपनी योजनाओं के समन्वय से करेंगे किसानों का विकास

कृषि भवन में कृषि मंत्री तथा सहकारिता मंत्री ने की बैठक, दिए कई निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी के कृषि भवन में गुरुवार को उपमुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा तथा सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने संयुक्त रूप से बैठक की। बैठक में सहकारिता विभाग तथा कृषि विभाग की योजनाओं का समन्वय कर राज्य के किसानों को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से कई बिन्दुओं पर महत्वपूर्ण चर्चा की गयी। दोनों विभागों के सामान्य योजनाओं को एकीकृत रूप से संचालित करते हुए सहकारी समितियों की भूमिका को बढ़ाने पर विमर्श किया गया।

बीज एवं उर्वरक के वितरण की स्थिति पर विमर्श करते हुए पैक्स की भूमिका में आयी कमी पर चिंता व्यक्त की गयी। उर्वरक वितरण हेतु पैक्सों के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण के पश्चात अनुज्ञप्ति प्रदान की जाती है किन्तु वर्तमान में प्रशिक्षण की कार्रवाई धीमी हो जाने के कारण कई पैक्सों को अनुज्ञप्ति प्राप्त होने में समस्या हो रही है। माननीय उपमुख्यमंत्री ने पूरे वर्ष का प्रशिक्षण कैलेण्डर निर्गत करने का आश्वासन दिया गया जिसमें इच्छुक पैक्स प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, जिसके पश्चात कैम्प लगाकर समितियों को अनुज्ञप्ति प्रदान किया जाएगा। बीज के लिए किसी प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है इसके लिए इच्छुक पैक्स ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं जिन्हें प्राथमिकता के आधार पर अनुज्ञप्ति प्रदान किया जाएगा। माननीय मंत्री, सहकारिता विभाग द्वारा प्रखण्ड स्तरीय सब्जी उत्पादक सहयोग समितियों के किसानों की सूची कृषि विभाग को उपलब्ध कराते हुए उन्हें बीज एवं पौधा वितरण में प्राथमिकता देने का सुझाव दिया गया।

राज्य में निबंधित 144 प्रखण्ड स्तरीय मधु उत्पादक एवं विपणन सहकारी समितियों को मधुमक्खी पालन हेतु बक्सा वितरण तथा प्रशिक्षण की व्यवस्था पर विमर्श करते हुए उपमुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री द्वारा उन समितियों को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया गया। इस निर्णय से शहद उत्पादक सहयोग समितियों को ससमय सुगमतापूर्वक बक्सा मिल सकेगी। पैक्सों को मिट्टी जाँच करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने तथा मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड (ट्टधद्बद्य क्द्गथद्यप्द्ध एथद्बद) निर्गत करने हेतु अधिकृत करने पर भी सहमति दर्शायी गयी। कृषि विभाग द्वारा किसानों को अपने सब्जी को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने के लिए पचास प्रतिशत अनुदान पर रेफ्रिजेरेटेड वैन उपलब्ध करायी जाती है। इस योजना के अंतर्गत इच्छुक प्रखण्डस्तरीय सब्जी उत्पादक सहयोग समितियों को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया गया। कृषि सचिव द्वारा यह अनुरोध किया गया कि सहकारी बैंको द्वारा अधिक से अधिक किसानों को के.सी.सी. ऋण प्रदान किया जाय। किसानों के हित में यह आवश्यक है। सचिव, सहकारिता विभाग द्वारा इसपर सहमति जतायी गयी

बैठक में श्री विजय कुमार सिन्हा, उपमुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री, डॉ. प्रेम कुमार, मंत्री, सहकारिता विभाग, संजय अग्रवाल, सचिव, कृषि विभाग, धर्मेन्द्र सिंह, सचिव, सहकारिता विभाग, इनायत खान, निबंधक, सहयोग समितियों, ललन कुमार शर्मा, संयुक्त निबंधक, सहयोग समितियाँ सहित दोनों विभागों के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कैंसर केयर एंड रिसर्च सोसाइटी के गठन का फैसला ऐतिहासिक : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में बिहार कैंसर केयर एंड रिसर्च सोसाइटी के गठन को मंजूरी प्रदान की गई है। इस निर्णय का उद्देश्य राज्य में राज्य में कैंसर की प्रभावी रोकथाम, गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा तथा समुचित प्रबंधन सुनिश्चित करना है। 2005 से पहले बिहारवासी सामान्य बीमारी के इलाज के लिए भी प्रदेश से बाहर जाते थे। श्री पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में बिहार स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार ऐतिहासिक एवं दूरगामी सुधार की दिशा में कार्य कर रहा है। इसी क्रम में यह नई पहल राज्य में कैंसर से संबंधित समर्पित सेवाओं को एकीकृत, संगठित और सुलभ बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। राज्य सरकार द्वारा यह निर्णय कैंसर के लगातार बढ़ते मामलों, स्क्रीनिंग के माध्यम से चिन्हित हो रहे मरीजों की संख्या में हो रही वृद्धि तथा वर्तमान चिकित्सा तंत्र को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यापक बनाने की आवश्यकता के मद्देनजर लिया गया है। इससे कैंसर मरीजों को समयबद्ध उपचार, जागरूकता अभियान और अनुसंधान के क्षेत्र में ठोस उपलब्धि सुनिश्चित की जा सकेगी। श्री पांडेय ने कहा कि बिहार कैंसर केयर एंड रिसर्च सोसाइटी एक पृथक एवं शीर्ष संस्थान के रूप में कार्य करेगी, जिसका उद्देश्य मरीजों को त्वरित और समुचित उपचार उपलब्ध कराना, कैंसर की रोकथाम के लिए प्रभावी जन जागरूकता कार्यक्रम चलाना, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के माध्यम से चिकित्सा व्यवस्था को सशक्त बनाना होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस संस्था के गठन से कैंसर मरीजों को समर्पित एवं केंद्रित सेवाएं मिलेंगी और राज्य में कैंसर उपचार की गुणवत्ता, पहुंच और प्रभावशीलता में अभूतपूर्व सुधार होगा।

राहुल गांधी की अमर्यादित और अशिष्ट भाषा देश नहीं करेगा बर्दाश्त : संतोष सुमन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष व वरिष्ठ मंत्री डॉ. संतोष सुमन ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष जैसे मर्यादित पद पर बैठे कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अमर्यादित व अशिष्ट भाषा को देश बर्दाश्त नहीं करेगा। राहुल गांधी की हरकतें और भाषा किसी बिगड़ैल शाहजादे (शोहदे) की तरह है। पीएम मोदी के लिए राहुल गांधी की भाषा की बानगी...'नरेंद्र मोदी कांपने लग गया'...'उसकी आदत है'...'उसको डर लगता है'....'झूठ बोलना शुरू कर देता है'..क्या अशिष्टता की पराकाष्ठा नहीं है। श्री सुमन ने कहा कि गुरुवार को श्री गांधी बिहार के दौरे पर थे और दरभंगा के अम्बेडकर हॉस्टल में जाकर उन्होंने छात्रों को सम्बोधित किया। यह वही जगह थी जहां जाने की इजाज़त उन्हें ज़िला प्रसाशन ने नहीं दी थी। लेकिन वे स्थानीय प्रशासन की मनाही और वहां नहीं जाने के आग्रह के बावजूद गए। क्या राहुल गांधी यह मान कर बैठे हैं कि देश का कोई भी कानून व प्रशासनिक आदेश उन पर लागू नहीं होता है। उन्होंने कहा कि अपनी ही पार्टी के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा हस्ताक्षरित अध्यादेश को सार्वजनिक रूप से फाड़कर हवा में उड़ा देने वाला यह बिगड़ैल शहज़ादा क्या देश के संविधान और कानून से परे हैं। गांधी परिवार के सदस्य होने के नाते क्या देश के संविधान, कानून या प्रशासनिक आदेश की धज्जियां उड़ाने की उन्हें छूट मिली हुई है। श्री सुमन ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री मोदी जी के लिए वे जैसी भाषा और संबोधनों का इस्तेमाल करते हैं वह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि लोकतांत्रिक मूल्यों, मर्यादा और लोकतंत्र में उन्हें कोई दिलचस्पी नहीं है। एक 74 साल के व्यक्ति जो देश की निर्वाचित सरकार का सम्मानित व यशश्वी प्रधानमंत्री हैं के लिए ऐसी तू-तड़ाक की भाषा मर्यादा की किसी भी सीमा से परे व अस्वीकार्य है। राहुल गांधी को इसके लिए देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 के दमदार नतीजों की घोषणा की

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारत की अग्रणी इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन और मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता कंपनी ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआई) ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के वित्तीय नतीजों की घोषणा की है। टीसीआई ने 11,972 मिलियन का समेकित राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 10,954 मिलियन की तुलना में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी की ब्याज, कर, मूल्यह्रास और अमोर्टाइज़ेशन से पहले की आय 1,401 मिलियन रही, जो वित्तीय वर्ष 2024 में 1,259 मिलियन की तुलना में 11.3 प्रतिशत अधिक है। पैट 11.4 प्रतिशत बढ़कर 1,151 मिलियन हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 1,033 मिलियन था। बहुआयामी प्रदर्शन अंतर्दृष्टियों को संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए, टीसीआई के प्रबंध निदेशक विनीत अग्रवाल ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 टीसीआई के लिए प्रणालीगत विकास का वर्ष रहा है। वैश्विक अनिश्चितताओं और आपूर्ति श्रृंखलाओं की बदलती परिस्थितियों के बावजूद, हमारे मल्टीमोडल एकीकरण, स्थिरता और डिजिटलीकरण पर केंद्रित दृष्टिकोण ने हमारी प्रगति को निर्णायक वेग प्रदान किया है। उन्होंने आगे कहा, वैश्विक लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में आ रही परिवर्तनकारी तेजी के बीच, टीसीआई लचीलेपन, नवाचार, संचालन उत्कृष्टता और हितधारक मूल्यसृजन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। निकट भविष्य को देखते हुए, हम कौशल उन्नयन, हरित लॉजिस्टिक्स, स्वचालन सहित अन्य रणनीतिक साझेदारियों में निवेश कर रहे हैं, जो भारत को एक वैश्विक लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में स्थापित करने के हमारे सपने का अभिन्न अंग है।

कांग्रेस ने राहुल गांधी के दरभंगा में आयोजित कार्यक्रम को रोकने की साजिश रचने का राज्य सरकार पर लगाया आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कांग्रेस ने लोकसभा में विपक्ष के नेता नेता राहुल गांधी के दरभंगा के कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न करने की साजिश रचने का आरोप बिहार सरकार पर लगाया है। दरअसल राहुल गांधी के गुरुवार को दरभंगा और पटना के कार्यक्रम के दौरान कई प्रकार के विवाद हुए। इसी को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारु, प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, कांग्रेस सह प्रभारी सुशील कुमार पासी, गुजरात कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष जिग्नेश मेवानी, कांग्रेस विधान परिषद में दल के नेता मदन मोहन झा, नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर अभय दुबे ने नीतीश कुमार और भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि दरभंगा में पूर्व से निर्धारित शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम में राहुल गांधी के कार्यक्रम की अनुमति थी। लेकिन कार्यक्रम के एक दिन पहले अंबेडकर छात्रावास में दलित छात्रों के साथ शिक्षा संवाद कार्यक्रम पर जिला प्रशासन ने रोक लगा दी। छात्रों की चाहत थी कि राहुल गांधी जो सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं, वे उनकी बातों को सुनेंगे। जिला प्रशासन ने शुरू में सहयोग किया। यहां तक कि कार्यक्रम स्थल तक जाने के लिए टूटी हुई सड़क का भी जिला प्रशासन ने मरम्मत कराया। लेकिन अंतिम समय में जिला प्रशासन ने कहा कि अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की अनुमति नहीं होने से इसे रोका गया है। उन्होंने कहा कि जानबुझकर राहुल गांधी की सभा में बाधा डाली गई लेकिन कांग्रेस इससे डरती नहीं है। जदयू और भाजपा की सरकार जय भीम से डरी हुई है। वहीं, गुजरात कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष जिग्नेश मेवानी ने कहा कि शिक्षा संबंधित कार्यक्रम नहीं होने के देने को लेकर यहां के प्रशासन और सरकार ने साजिश रची थी। भाजपा के नेताओं और मंत्रियों के कुछ घंटे पहले बैठक हुई थी। भाजपा के लोगों ने मिलकर निर्णय लिया कि राहुल गांधी का शिक्षा संवाद कार्यक्रम ना हो। ऐसी स्थिति बनाई जाए कि जानबूझकर मुकदमा दर्ज हो। उसके लिए यहां की सरकार और प्रशासन ने प्लानिंग रच रखा था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अम्बेडकर छात्रावास की सुविधा देखना चाहते थे जिसे सरकार ने देखने नहीं दिया। जबकि सह प्रभारी सुशील कुमार पासी ने कहा कि देश विरोधी जो सरकार चल रही है वह देश में पिछड़ा दलित को खत्म करना चाहती है। बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावारु ने कहा कि राहुल गांधी की सभा पर एक दिन पूर्व प्रशासन ने रोक लगाई। यह किसके कहने पर हुआ? अलग-अलग जगह प्रशासन के लोगों को रोकने की कोशिश की और धक्का मुक्की की। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हम लोग भाजपा के लोग नहीं है कि सीजफायर करेंगे। कांग्रेस पार्टी पूरी मन से दलितों के हित में खड़ी है। जहां-जहां दलितों के साथ अत्याचार होता है, वहां कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी रहती है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार अब इशारों पर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि 'सुपर सीएम' और भाजपा के स्थानीय मंत्री के इशारे पर राहुल गांधी के कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न की गई।

आदिगुरु शंकराचार्य स्मृति संस्कृत सम्भाषण शिविर सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार संस्कृत संजीवन समाज एवं आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान की ओर से पटना स्थित बांकीपुर बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में आदिगुरु शंकराचार्य स्मृति दशदिवसात्मक संस्कृत सम्भाषण शिविर का समापन समारोह संस्कृतमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ संगीत शिक्षक श्री रामकृष्ण सिंह के गणेश वंदना से हुआ। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती किरण कुमारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। उन्होंने कहा कि संस्कृत सम्भाषण का ज्ञान सभी भारतीयों को होना चाहिए। विहार संस्कृत संजीवन समाज के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्कृत सम्भाषण से आज लड़कियां संस्कृत में बोल रहीं हैं। आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम संयोजक मुरलीधर शुक्ल ने कहा कि दस दिनों का संस्कृत सम्भाषण शिविर सभी विद्यालयों में होना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव एवं आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मुकेश कुमार ओझा ने कहा कि संस्कृत सम्भाषण के बिना धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन संभव नहीं है। हमारे धार्मिक ग्रंथों में ज्ञान है। इसलिए संस्कृत सम्भाषण अति आवश्यक है। अन्य विषयों की अपेक्षा अंक भी अधिक प्राप्त होता है। मुख्य अतिथि हृदय नारायण झा ने कहा कि चरित्र निर्माण में संस्कृत का ज्ञान अति आवश्यक है। संस्कृत में असीम रोजगार की संभावनाएं हैं। आदिगुरु शंकराचार्य के जीवन पर विस्तृत चर्चा की। मंच का संचालन संस्कृत में संस्कृत शिक्षिका अलका कुमारी ने की। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने संस्कृत में संकल्पगीत, स्वागत गीत स्वपरिचय आदि अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसमें जान्हवी, सिमरन, रंजीता, प्रियांशु, भार्गवी, रौशनी, सुहानी, खुशी प्रमुख हैं। इस अवसर पर श्वेता कुमारी, कविता सिन्हा, संध्या आदि भी विचार व्यक्त किए। धन्यवाद ज्ञापन शिक्षिका नीलिमा ने किया।

चेन पुलिंग करने वाले 430 तथा महिला डिब्बे में यात्रा करने वाले 2273 पुरुष यात्री लिए गए हिरासत में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल द्वारा बिना पर्याप्त कारण अवैध रूप से चेन पुलिंग करके रेल गाड़ियों को जहां-तहां रोकने वालों के खिलाफ नियमित कार्रवाई की जाती रही है। इसी क्रम पूर्व मध्य रेल के सुरक्षा बलों द्वारा ऑपरेशन 'समय पालन' के तहत ऐसे लोगों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है ताकि ट्रेनें अनावश्यक रूप से विलंब ना हो।

ऑपरेशन 'समय पालन' के तहत पिछले माह के 1 से 15 मई, 2025 तक रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों में बिना उचित कारण के चेन पुलिंग करने के आरोप में 430 लोगों को हिरासत में लिया गया। इन लोगों के विरूद्ध रेल अधिनियम की धारा 141 के तहत कार्रवाई की गई। ऑपरेशन 'समय पालन' के तहत इस दौरान सर्वाधिक 179 लोग दानापुर मंडल में पकड़े गये जबकि समस्तीपुर मंडल में 132, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 47, धनबाद मंडल में 41 तथा सोनपुर मंडल में 31 लोगों को हिरासत में लिया गया। इसी तरह महिलाओं की सुरक्षा के मद्देनजर ऑपरेशन 'महिला सुरक्षा' के तहत महिला कोच में यात्रा करने वाले पुरुष यात्रियों के खिलाफ भी धर-पकड़ अभियान चलाया गया। ऑपरेशन 'महिला सुरक्षा' मे तहत पिछले माह के 01 मई से 15 मई, 2025 तक रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों पर महिला कोच में यात्रा करने के आरोप में रेल अधिनियम की धारा 162 के तहत 2273 पुरुष यात्रियों को हिरासत में लिया गया। इनमें सर्वाधिक 947 लोग दानापुर मंडल में जबकि धनबाद मंडल में 426, सोनपुर मंडल में 384, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 334 तथा समस्तीपुर मंडल में 182 पुरुष यात्रियों को हिरासत में लिया गया।

टेराकोटा कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों में दिखा उत्साह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, पटना द्वारा आयोजित तीन दिवसीय टेराकोटा कला कार्यशाला के आज दूसरा दिन पूरी रचनात्मकता और ऊर्जा के साथ भरा रहा। बोर्ड कार्यालय के बापू कक्ष (पंचम तल, महेश भवन) में आयोजित यह कार्यशाला 15 से 17 मई 2025 तक चल रही है, जिसमें प्रतिदिन अपराह्न 1:00 बजे से संध्या 4:00 बजे तक प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आज के सत्र में प्रतिभागियों ने मिट्टी की तैयारियों से लेकर टेराकोटा शिल्प निर्माण की बारीकियों को प्रत्यक्ष रूप से सीखा। राज्य पुरस्कार प्राप्त शिल्पकार भोला पंडित एवं उनके सहयोगियों द्वारा दी जा रही मार्गदर्शना ने प्रतिभागियों को पारंपरिक तकनीकों से अवगत कराया और उन्हें अपने हाथों से सुंदर कलाकृतियाँ गढ़ने के लिए प्रेरित किया। श्री पंडित ने कार्यशाला के दौरान बताया, टेराकोटा केवल कला नहीं, आजीविका का माध्यम भी है। बच्चों और युवाओं में इसे लेकर जो उत्साह दिख रहा है, वह इस बात का संकेत है कि यह कला फिर से घर-घर में जीवंत हो सकती है।

मुख्य विशेषताएं

- मिट्टी चयन, शोधन और आकृति निर्माण की व्यावहारिक जानकारी
- पर्यावरण अनुकूल उत्पादन प्रक्रिया
- बाजार में संभावनाओं की समझ
- केंद्र व राज्य की योजनाओं की जानकारी

कार्यशाला में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, कॉलेज के छात्र, गृहिणियां और युवा उद्यमी शामिल हुए। उन्होंने टेराकोटा से बनी सुराही, दीया, कुल्हड़ और सजावटी वस्तुओं को स्वयं बनाने की प्रक्रिया में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों को यह भी जानकारी दी गई कि कैसे इस पारंपरिक कला को आधुनिक बाजार की माँग के अनुसार स्वरोजगार में बदला जा सकता है।

बोर्ड का यह आयोजन न केवल पारंपरिक हस्तशिल्प को बढ़ावा देने की दिशा में एक सशक्त पहल है, बल्कि युवाओं में उद्यमशीलता और आत्मनिर्भरता की भावना भी जागृत कर रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद रेलवे स्टेशनों को तिरंगा रौशनी से किया गया रोशन

सेना का बढ़ेगा मनोबल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर पूरे देश में सेना की पीठ थपथपाई जा रही है। इस बीच पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) की ओर से यह निर्णय लिया गया कि इसके अंतर्गत आने वाले प्रमुख रेलवे स्टेशनों को तिरंगे के रंग में रंग दिया जाए।

ईसीआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र के अनुसार पटना जंक्शन, पाटलिपुत्र जंक्शन, राजेंद्र नगर टर्मिनल, जयनगर, मधुबनी, सहरसा, सरस्वती चंद्र, झाझा, समस्तीपुर, डीडीयू, गया, हाजीपुर, दरभंगा, बापूधाम मोतिहारी और सोनपुर उन प्रमुख स्टेशनों में शामिल हैं, जिसे भारतीय सेना के मनोबल को बढ़ाने के लिए तिरंगे की रौशनी से जगमगा दिया गया है। वहीं, दानापुर मंडल रेल प्रबंधक जयंत कुमार चौधरी ने कहा कि तिरंगे की रौशनी ने जनता की ओर से खूब वाहवाही बटोरी। उन्होंने कहा कि'ऑपरेशन सिंदूर' सिर्फ सैन्य प्रतिक्रिया नहीं है बल्कि आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। बता दें कि 'ऑपरेशन सिंदूर' सामूहिक राष्ट्रीय जागृति का क्षण है, जिसमें संस्थाएं और नागरिक आतंक के खिलाफ एक साथ खड़े हैं। भारतीय सेना के मनोबल को बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से लगातार पहल

बिहार लघु उद्यमी योजना आत्मनिर्भरता एक सशक्त माध्यम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार लघु उद्यमी योजना राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आशा की किरण साबित हो रही है। इस योजना का उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों में उद्यमिता को प्रोत्साहित करना, स्व-रोजगार के अवसर को बढ़ाना तथा बेरोजगारी को कम करना है। इस योजना के अंतर्गत आवेदन करने और सफल क्रियान्वयन के लिए एक विशेष पोर्टल की शुरुआत 19 फरवरी 2025 से की गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अंतिम रूप से चयनित 40 हजार 99 आवेदकों को पहली एवं दूसरी किस्त के रूप में 390 करोड़ रूपये का भुगतान किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में इसके तहत चयनित 56 हजार 248 आवेदकों को 3 दिवसीय प्रशिक्षण संबंधित जिला उद्योग केन्द्र में कराया गया है। प्रशिक्षण के बाद आवेदकों को पहली किस्त की राशि का भुगतान किया जायेगा। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, 300 करोड़ रुपये से अधिक राशि का प्रावधान इसके लिए रखा गया है। बेरोजगारी दर कम करने में सहायक यह योजना बेरोजगारी दर को कम करते हुए राज्य के आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने में सहायक साबित होगी।

सुशील मोदी की जयंती पर होगा राजकीय समारोह

सुशील कुमार मोदी स्मृति शोध संस्थान ने बिहार सरकार को दिया धन्यवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आज बिहार कैबिनेट द्वारा स्व. सुशील कुमार मोदी के जन्मदिन को राजकीय समारोह के रूप मे मनाये जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। सुशील कुमार मोदी स्मृति शोध संस्थान ने बिहार सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया है। स्व. सुशील कुमार मोदी की मृत्यु के बाद आयोजित पहले जयंती समारोह में संस्थान द्वारा सुशील कुमार मोदी के नाम पर पटना मे एक पार्क का नामकरण उनके नाम करने, पटना में उनकी आदमकद प्रतिमा लगाने एवं उनकी जयंती को राजकीय समारोह के रूप मे मनाने की मांग की थी द्य 13 मई को पहली पुण्यतिथि पर माननीय मुख्यमंत्री ने अपने कर कमलों से राजेंद्र नगर स्थित रानी पार्क का नाम स्व0 सुशील कुमार मोदी स्मृति पार्क के रूप में किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पार्क में सुशील कुमार मोदी की आदमकद प्रतिमा लगाने की घोषणा की और आज कैबिनेट ने उनकी जन्म तिथि को राजकीय सम्मान के रूप में मानाने का प्रस्ताव पारित किया। सुशील कुमार मोदी स्मृति शोध संस्थान के अध्यक्ष संजय गुप्ता, टी एन सिंह, राजेश कुमार सिंह, राजू झा, सुशील कुमार मोदी के पूर्व आप्त सचिव शैलेन्द्र कुमार ओझा, पूर्व निजी सचिव सुमन कुमार झा ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया है एवं बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं श्री विजय सिन्हा, बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, बिहार सरकार के मंत्री मंगल पाण्डेय सहित सभी मंत्रियों के प्रति आभार प्रकट किया है।

C M Y K

संपादकीय

आतंकवाद पर वार नहीं रुका है, सिर्फ बदली है रणनीति

भारत-पाक संघर्ष विराम के बाद प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। आतंकवाद और बातचीत या व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते। सैन्य संघर्ष फिलहाल स्थगित किया गया है, वह समाप्त नहीं हुआ है। आपरेशन सिंदूर अब भारत की नई नीति है। इससे पहले तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने संयुक्त रूप से बयान जारी किया था कि संघर्ष विराम अस्थायी है, सेना नए अभियान के लिए तैयार है। फिर राष्ट्र के नाम संबोधन के अगले दिन प्रधानमंत्री आदमपुर वायुसेना अड्डे पर सैनिकों से मिलने गए और वहां भी यही संकेत दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति यथावत है। इस तरह अचानक किए गए संघर्ष विराम के फैसले को लेकर पिछले दो-तीन दिनों से जो अटकलें लगाई और सवाल उठाए जा रहे थे, उन पर विराम लग जाना चाहिए। सेना बार-बार कहती रही है कि उसका सैन्य अभियान आतंकवाद के खिलाफ था। अब भी प्रधानमंत्री ने वही बात दोहराई है कि आतंकवाद को नेस्तनाबूद करना ही हमारा असल मकसद है। प्रधानमंत्री ने प्रकारांतर से पाकिस्तान और भारत के बीच के मसलों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता के प्रस्ताव पर स्पष्ट कह दिया कि जब भी बात होगी तो पाक अधिकृत कश्मीर और आतंकवाद पर ही होगी। पहलगाम हमले के बाद आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर लक्षित हमले किए थे। इसके साथ ही सरकार ने सप्रमाण दुनिया भर को बता दिया था कि उसका मकसद पाकिस्तान पर नहीं, बल्कि वहां चल रहे आतंकी संगठनों पर हमला करना था। मगर पाकिस्तान ने उसके जवाब में भारतीय सीमा के नागरिक ठिकानों पर गोलाबारी शुरू कर दी थी, जिसका जवाब देना जरूरी हो गया था। ऐसे में स्थिति लगातार संघर्ष के बढ़ते जाने की बन गई थी। संघर्ष किस हद तक पहुंच जाता, कहना मुश्किल है। इसलिए सैन्य संघर्ष पर विराम और आतंकवाद के खिलाफ नई रणनीति बनाना जरूरी था। भारत शुरू से कहता रहा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। फिर, उसका जोर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और दुनिया की शीर्ष शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं में शुमार होने पर है। ऐसे में पाकिस्तान के साथ लंबे समय तक सैन्य संघर्ष में उलझे रहना कोई समझदारी की बात नहीं होती। फिर, जिस तरह के वैश्विक समीकरण बने हैं, उसमें यह संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित रह पाता, यह कहना भी मुश्किल था। इसके अलावा, दुश्मन देश के साथ तनाव के वातावरण में अगर कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहा हो तो उसे ठीक नहीं कहा जा सकता। संघर्ष विराम के बाद भी सीमा पर पाकिस्तानी सेना की तरफ से गोलीबारी थमी नहीं है। सेना ने आशंका जाहिर की है कि ऐसा वह आतंकवादियों की घुसपैठ कराने और हमारी चौकियों पर कब्जा करने की मंशा से कर रही होगी। शोपियां में तीन आतंकवादियों के मार गिराने की घटना भी संघर्ष विराम के बाद की है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान पर किसी भी तरह विश्वास नहीं किया जा सकता। इस सैन्य संघर्ष के समय यह एक बार फिर उजागर हो गया कि पाकिस्तानी सेना का आतंकी संगठनों के साथ गहरे रिश्ते हैं। ऐसे में, अगर भारतीय सेना ने नई रणनीति के लिए कुछ समय का विराम लिया है, तो इसे अनुचित नहीं कहा जा सकता।

'अंक उद्योग' कोई औपचारिक या संगठित उद्योग नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी मानसिकता और व्यवस्था है जो शिक्षा को मात्र अंकों और ग्रेडों के तराजू पर तौलती है। इस उद्योग के केंद्र में परीक्षाएं हैं, और इन परीक्षाओं में प्राप्त अंक ही विद्यार्थी की योग्यता, क्षमता और भविष्य का निर्धारण करने वाले एकमात्र मापदंड बन गए हैं। कोचिंग संस्थान, ट्यूशन क्लासेस, गेस पेपर्स और विभिन्न प्रकार की 'सफलता की गारंटी' देने वाली सामग्री इस उद्योग के अभिन्न अंग हैं। यह उद्योग एक समानांतर अर्थव्यवस्था चला रहा है, जहां शिक्षा का व्यवसायीकरण चरम पर है और ज्ञान की गुणवत्ता की तुलना में अंकों की मात्रा अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

'अंक उद्योग' के भ्रमजाल में शिक्षा

(वेद आलोक)

शिक्षा, किसी भी समाज का वह आधार स्तंभ है जिस पर उस राष्ट्र की प्रगति, समृद्धि और मानवीय मूल्यों की स्थापना निर्भर करती है। यह केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण, सामाजिक दायित्वों के निर्वहन और समग्र व्यक्तित्व विकास की प्रक्रिया है। प्राचीन काल से ही भारत में शिक्षा का महत्व सर्वोपरि रहा है, जहां ज्ञान को सर्वोच्च स्थान दिया गया और गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से विद्या का दान अनवरत चलता रहा। परंतु, आधुनिक युग में शिक्षा के स्वरूप में एक गहरा बदलाव आया है। आज शिक्षा का केंद्र बिंदु ज्ञान की खोज और समझ विकसित करने के बजाय, अधिकाधिक अंक प्राप्त करने की अंधी दौड़ में तब्दील होता जा रहा है। यह बदलाव एक ऐसे 'अंक उद्योग' को जन्म दे रहा है, जिसने शिक्षा के मूल उद्देश्य को ही धुंधला कर दिया है और एक भ्रम जाल रच दिया है, जिसमें विद्यार्थी, अभिभावक और स्वयं शिक्षा प्रणाली उलझ कर रह गई है।

'अंक उद्योग' कोई औपचारिक या संगठित उद्योग नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी मानसिकता और व्यवस्था है जो शिक्षा को मात्र अंकों और ग्रेडों के तराजू पर तौलती है। इस उद्योग के केंद्र में परीक्षाएं हैं, और इन परीक्षाओं में प्राप्त अंक ही विद्यार्थी की योग्यता, क्षमता और भविष्य का निर्धारण करने वाले एकमात्र मापदंड बन गए हैं। कोचिंग संस्थान, ट्यूशन क्लासेस, गेस पेपर्स और विभिन्न प्रकार की 'सफलता की गारंटी' देने वाली सामग्री इस उद्योग के अभिन्न अंग हैं। यह उद्योग एक समानांतर अर्थव्यवस्था चला रहा है, जहां शिक्षा का व्यवसायीकरण चरम पर है और ज्ञान की गुणवत्ता की तुलना में अंकों की मात्रा अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

इस 'अंक उद्योग' के पनपने के कई कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण है अत्यधिक प्रतिस्पर्धा। आज के युग में, सीमित अवसरों और बढ़ती जनसंख्या के कारण, हर क्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा है। चाहे वह प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में प्रवेश हो या अच्छी नौकरी प्राप्त करना, हर जगह अंकों की श्रेष्ठता को ही प्राथमिकता दी जाती है। अभिभावक, अपने बच्चों को इस प्रतिस्पर्धा में आगे रखने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, जिसमें उन्हें महंगे कोचिंग संस्थानों में भेजना और हर समय अच्छे अंक लाने का दबाव बनाना शामिल है। विद्यालयों पर भी अच्छे परीक्षा परिणाम देने का भारी दबाव होता है, क्योंकि उनकी प्रतिष्ठा और भविष्य में छात्रों का नामांकन उनके द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर ही तय होता है। इस दबाव के चलते, शिक्षण प्रक्रिया का ध्यान ज्ञान प्रदान करने से हटकर, छात्रों को परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए 'तैयार' करने पर केंद्रित हो जाता है।

'अंक उद्योग' ने शिक्षा के स्वरूप को कई नकारात्मक तरीकों से प्रभावित किया है। सबसे चिंताजनक प्रभाव छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। अच्छे अंक लाने के निरंतर दबाव के कारण छात्र तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्हें यह डर हमेशा सताता रहता है कि यदि उन्होंने अपेक्षित अंक प्राप्त नहीं किए तो उनका भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। इस डर के माहौल में, सीखने की खुशी और ज्ञान की जिज्ञासा कहीं खो जाती है। छात्रों के लिए शिक्षा एक बोझ बन जाती है, जिसे वे केवल इसलिए ढो रहे हैं ताकि वे परीक्षाओं में सफल हो सकें।

दूसरा नकारात्मक प्रभाव यह है कि 'अंक उद्योग' ने रटने की संस्कृति को बढ़ावा दिया है। जब एकमात्र लक्ष्य परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना होता है, तो छात्रों का ध्यान विषय की गहरी समझ विकसित करने के बजाय, उसे याद करने और परीक्षा में उगल देने पर केंद्रित हो जाता है। रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान जैसे महत्वपूर्ण कौशल, जो एक व्यक्ति के समग्र विकास के लिए आवश्यक हैं, हाशिए पर चले जाते हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचनाओं का हस्तांतरण बनकर रह जाता है, न कि ज्ञान का निर्माण और अनुप्रयोग।

इसके अतिरिक्त, 'अंक उद्योग' ने शिक्षा प्रणाली में असमानता को भी बढ़ाया है। जिन छात्रों के पास अच्छे कोचिंग संस्थानों में जाने और महंगी ट्यूशन क्लासेस लेने के साधन हैं, वे अक्सर बेहतर अंक प्राप्त करने में सफल हो जाते हैं, भले ही उनकी वास्तविक समझ कम हो। वहीं, आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के छात्र, जिनके पास इन सुविधाओं का अभाव है, पीछे रह जाते हैं। इस प्रकार, अंक योग्यता का वास्तविक पैमाना न बनकर, आर्थिक और सामाजिक पृष्ठभूमि का सूचक बन जाते हैं।

'अंक उद्योग' का सबसे बड़ा भ्रम जाल यह है कि यह अच्छे अंकों को सफलता की गारंटी के रूप में प्रस्तुत करता है। जबकि वास्तविकता यह है कि जीवन में सफलता केवल अच्छे अंकों पर निर्भर नहीं करती। आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क, अनुकूलनशीलता और नैतिक मूल्य जैसे अनेक गुण हैं जो व्यक्ति को जीवन में आगे बढ़ने और सफल होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 'अंक उद्योग' इन महत्वपूर्ण पहलुओं को नजरअंदाज करता है और छात्रों को एक संकुचित दृष्टिकोण प्रदान करता है, जहां केवल अंकों की दौड़ ही सब कुछ है।

इस भ्रम जाल से बाहर निकलने और शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है। इसके लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा, जिसमें शिक्षा प्रणाली, अभिभावकों और स्वयं छात्रों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

सबसे पहले, शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। परीक्षाओं के स्वरूप में बदलाव लाना होगा, जहां केवल रटने की क्षमता का मूल्यांकन न हो, बल्कि छात्रों की समझ, विश्लेषण क्षमता, रचनात्मकता और व्यावहारिक ज्ञान का भी आकलन किया जाए। सतत मूल्यांकन की प्रणाली को बढ़ावा देना होगा, जिसमें पूरे सत्र के दौरान छात्रों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाए, न कि केवल कुछेक परीक्षाओं के आधार पर। पाठ्यक्रम को अधिक व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बनाना होगा, ताकि छात्र ज्ञान को वास्तविक दुनिया से जोड़ सकें।

अभिभावकों को भी अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। उन्हें अपने बच्चों पर अच्छे अंक लाने का अनावश्यक दबाव डालना बंद करना होगा और उनके समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि हर बच्चा अद्वितीय है और उसकी अपनी क्षमताएं और रुचियां हैं। उन्हें अपने बच्चों को उनकी रुचियों और क्षमताओं के अनुसार आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, न कि केवल अंकों की दौड़ में शामिल होने के लिए मजबूर करना चाहिए।

शिक्षकों की भूमिका भी इस बदलाव में महत्वपूर्ण है। उन्हें छात्रों को केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने और परीक्षा की तैयारी कराने के बजाय, उनमें सीखने की जिज्ञासा और ज्ञान के प्रति प्रेम विकसित करना होगा। उन्हें छात्रों को आलोचनात्मक रूप से सोचने, प्रश्न पूछने और अपनी राय व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। उन्हें एक ऐसा सकारात्मक और सहायक वातावरण बनाना होगा जहां छात्र बिना किसी डर के अपनी शंकाओं को दूर कर सकें और खुलकर सीख सकें।

इसके साथ ही, छात्रों को भी 'अंक उद्योग' के भ्रम जाल को समझना होगा। उन्हें यह जानना होगा कि अच्छे अंक महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन वे सब कुछ नहीं हैं। उन्हें ज्ञान प्राप्त करने, कौशल विकसित करने और अपने व्यक्तित्व का समग्र विकास करने पर ध्यान देना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि सच्ची सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि कड़ी मेहनत, लगन, आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण से मिलती है।

सरकार और नीति निर्माताओं को भी शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार लाने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। शिक्षा के व्यवसायीकरण को नियंत्रित करना होगा और सभी छात्रों के लिए समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करनी होगी। शिक्षकों के प्रशिक्षण और विकास पर ध्यान देना होगा और शिक्षा के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने होंगे।

अंततः, यह कहना महत्वपूर्ण है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं है, बल्कि एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जो ज्ञानवान, जागरूक, जिम्मेदार और मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण हो। 'अंक उद्योग' ने इस मूल उद्देश्य को कहीं पीछे छोड़ दिया है और एक ऐसे भ्रम जाल का निर्माण किया है जो छात्रों के भविष्य और राष्ट्र की प्रगति के लिए हानिकारक है। इस भ्रम जाल को तोड़ना होगा और शिक्षा को उसके वास्तविक स्वरूप में पुनः स्थापित करना होगा, जहां ज्ञान की खोज, समझ का विकास और समग्र व्यक्तित्व का निर्माण ही सर्वोपरि हो। तभी हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर सकते हैं जहां शिक्षा वास्तव में प्रकाश का स्रोत बने, न कि अंकों के अंधेरे में भटकने का मार्ग।(लेखक जीएलए यूनिवर्सिटी मथुरा में प्रबंधन देखते हैं।)ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

कब तक जहर उगलते रहोगे नेताजी? इन्हें तो पार्टी ही नहीं राजनीति में भी रहने का हक नहीं

(अनुभव शाक्य)

देश के कुछ नेताओं की बेहूदा बयानबाजी को देखकर खून खौल उठता है। ये क्या तमाशा है? जिन सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर में देश का सिर गर्व से ऊंचा किया, उनके खिलाफ ये जहरीले तीर क्यों? बीजेपी के विजय शाह हों या सपा के रामगोपाल यादव, दोनों ने अपनी सियासी रोटियां सेंकने के लिए कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह जैसे सैन्य नायकों को धर्म और जाति की आग में झोंक दिया। इन नेताओं की संकीर्ण सोच और गिरी हुई मानसिकता देश की एकता पर थूकने जैसी है। यह सिर्फ दो सैनिकों का अपमान नहीं, बल्कि भारतीय सेना की गरिमा और देश के हर नागरिक के स्वाभिमान पर हमला है।

मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन कहकर जो घृणित बयान दिया, वह उनकी सांप्रदायिक सोच का नंगा प्रदर्शन था। इंदौर के एक मंच पर, जहां लोग ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मना रहे थे, शाह ने सोफिया को निशाना बनाकर न केवल एक सैनिक का अपमान किया, बल्कि देश की सेना को सांप्रदायिक चश्मे से देखने की शर्मनाक कोशिश की। उनकी माफी? वह तो महज एक ढोंग था, हंसते हुए दी गई माफी, जिसमें न पश्चाताप था, न शर्मिंदगी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ एफआईआर का आदेश दिया, सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई, लेकिन बीजेपी की चुप्पी क्या दर्शाती है? क्या पार्टी ऐसी जहरीली मानसिकता को चुपके से हवा दे रही है? शाह जैसे लोग, जो सत्ता के नशे में देश के गौरव को कुचलने से नहीं चूकते, क्या मंत्रीपद के लायक हैं? इनका इस्तीफा नहीं, बल्कि इन्हें सियासत से बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए।

सांप्रदायिकता का जहरीला चेहरा- मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन कहकर जो घृणित बयान दिया, वह उनकी सांप्रदायिक सोच का नंगा प्रदर्शन था। इंदौर के एक मंच पर, जहां लोग ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मना रहे थे, शाह ने सोफिया को निशाना बनाकर न केवल एक सैनिक का अपमान किया, बल्कि देश की सेना को सांप्रदायिक चश्मे से देखने की शर्मनाक कोशिश की। उनकी माफी? वह तो महज एक ढोंग था, हंसते हुए दी गई माफी, जिसमें न पश्चाताप था, न शर्मिंदगी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ एफआईआर का आदेश दिया, सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई, लेकिन बीजेपी की चुप्पी क्या दर्शाती है? क्या पार्टी ऐसी जहरीली मानसिकता को चुपके से हवा दे रही है? शाह जैसे लोग, जो सत्ता के नशे में देश के गौरव को कुचलने से नहीं चूकते, क्या मंत्रीपद के लायक हैं? इनका इस्तीफा नहीं, बल्कि इन्हें सियासत से बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए।

जातिवादी सियासत का पाखंड- रामगोपाल यादव भी इस कीचड़ में कम नहीं डूबे। सपा के इस नेता ने विवाद को और भड़काने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर ऐसा बयान दिया, जो उनकी सियासी चालबाजी और जातिवादी सोच को उजागर करता है। उन्होंने दावा किया कि सोफिया कुरैशी को उनके मुस्लिम होने के कारण गाली दी गई, जबकि विंग कमांडर व्योमिका सिंह को 'राजपूत' समझकर छोड़ दिया गया। सच क्या है? व्योमिका सिंह हरियाणा की जाटव समुदाय से हैं, न कि राजपूत। यादव का यह बयान बेहद शर्मनाक है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वे देश के सैनिकों के सम्मान को जाति और धर्म की भट्ठी में झोंकने से नहीं हिचकते। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को सांप्रदायिक और जातिगत रंग देना क्या किसी देशभक्त का काम है? नहीं, यह सियासी गिद्धों की हरकत है, जो वोटों के लिए देश की आत्मा को बेचने को तैयार हैं।

देश को ऐसे नेताओं से खतरा- यहां सवाल सिर्फ दो बयानों का नहीं, बल्कि उस मानसिकता का है, जो देश को बांटने की साजिश रच रही है। विजय शाह और रामगोपाल यादव जैसे नेता देश की एकता के दुश्मन हैं। एक ने सांप्रदायिक जहर उगला, तो दूसरे ने जातिगत नफरत की आग भड़काई। दोनों की सोच में कोई फर्क नहीं है, दोनों ही सत्ता की भूख में अंधे हो चुके हैं। भारतीय सेना, जो धर्म और जाति से ऊपर उठकर देश की रक्षा करती है, उसके नायकों को इस तरह की गंदी सियासत का शिकार बनाना घोर अपराध है।

यह शर्मनाक है कि ऑपरेशन सिंदूर जैसी उपलब्धि, जो देश की एकता और ताकत का प्रतीक है, को इन नेताओं ने अपनी सियासी चालों का शिकार बनाया। विजय शाह और रामगोपाल यादव जैसे लोग न तो माफी के लायक हैं, न ही सत्ता के। इनके बयान सिर्फ दो सैनिकों का अपमान नहीं, बल्कि देश के हर उस नागरिक का अपमान हैं, जो सेना के पराक्रम पर गर्व करता है। बीजेपी और सपा को चाहिए कि वे अपने इन नेताओं पर तुरंत कड़ी कार्रवाई करें, वरना जनता का गुस्सा इनकी सियासत को सबक सिखाएगा। देश की जनता और सेना इनसे कहीं बेहतर की हकदार है।

यह अल्पविराम है, युद्ध तो होगा ही !

पाकिस्तानी सेना के हमलों के प्रत्युत्तर में जब वीर भारतीय सैनिकों ने अपने हथियारों का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ा तो तीन ही दिन में पाकिस्तान दया की भिक्षा मांगने लगा। दुनिया में श्रेष्ठ सैनिकों में शामिल भारतीय सैनिकों ने जिस तरह पाकिस्तान के हमलों को कुशलता पूर्वक असफल किया और उसके सैन्य ठिकानों पर अचूक निशाना लगाया है, उससे विश्व की तमाम छोटी—बड़ी शक्तियां अवाक और संज्ञाशून्य की स्थिति में है। दोनों देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद मौखिक संघर्ष विराम हो चुका है। पाकिस्तान की प्रवृति, चरित्र और इतिहास के आलोक में एक बात स्पष्ट तौर पर जान लीजिए, या गांठ बांध लीजिए, आज नहीं तो कल युद्ध तो होना ही है।

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

पाकिस्तान अपने चरित्र के अनुरूप आचरण करेगा, यह मेरा ही नहीं, हर जागरूक नागरिक का अटल विश्वास है। भारतीय नीति और विचार यह है कि हमारे लिए आतंकवाद समाप्त हो जाए तो हमारा संघर्ष और युद्ध समाप्त हो जाएगा।

पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारत के वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी अड्डों को जिस तरह से नष्ट भ्रष्ट किया, विश्वभर में उसका कोई दूसरा उदाहरण सहसा ही स्मरण नहीं आता। आतंकी ठिकानों की विनाश और सैकड़ों आतंकियों के अर्थी एक साथ उठने से बौखलाए पाकिस्तान ने भारतीय शहरों, आम नागरिकों, पूजा स्थलों और सैन्य ठिकानों पर हमले करके जिस अदूरदर्शिता का परिचय दिया उसके बारे में क्या कहा ही कहा जाए।

पाकिस्तानी सेना के हमलों के प्रत्युत्तर में जब वीर भारतीय सैनिकों ने अपने हथियारों का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ा तो तीन ही दिन में पाकिस्तान दया की भिक्षा मांगने लगा। दुनिया में श्रेष्ठ सैनिकों में शामिल भारतीय सैनिकों ने जिस तरह पाकिस्तान के हमलों को कुशलता पूर्वक असफल किया और उसके सैन्य ठिकानों पर अचूक निशाना लगाया है, उससे विश्व की तमाम छोटी—बड़ी शक्तियां अवाक और संज्ञाशून्य की स्थिति में है। दोनों देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद मौखिक संघर्ष विराम हो चुका है। पाकिस्तान की प्रवृति, चरित्र और इतिहास के आलोक में एक बात स्पष्ट तौर पर जान लीजिए, या गांठ बांध लीजिए, आज नहीं तो कल युद्ध तो होना ही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 मिनट के अपने सटीक, संतुलित और सारगर्भित संबोधन में पाकिस्तान के दुष्ट आचरण और दुष्प्रवृति को समस्त विश्व के समक्ष निरावृत करने में कोई कसर शेष नहीं छोड़ी। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से साहसी भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान को जितनी गहरे घाव दिये हैं, वो उसकी आने वाली संततियों को भी विस्मृत नहीं होंगे। वर्ष 1948, 1965, 1971 और 1999 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को इतनी बुरी तरह से नहीं पीटा, जितना ऑपरेशन सिंदूर में उसको क्षति पहुंची है। जितने गहरे घाव उसे इस बार वीर भारतीय सैनिकों ने दिये हैं, वो अगर पूर्व में दिये गये होते तो यह दिन देखने की आवश्यकता नहीं होती। एक दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव में पाकिस्तान हर बार बचता रहा। और हमारे सैनिक चाहकर भी पाकिस्तान को छोड़ते रहे। लेकिन वर्तमान में पीएम मोदी की सरकार ने जिस दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए वो कम ही है।

साहसी भारतीय सेना के हमलों से हो रहे प्रत्यक्ष और संभावित नुकसान के दृष्टिगत पाकिस्तान अपने आका अमेरिका की शरण में गया, लेकिन उसे वहां से भी कोई संतोषप्रद आश्वासन प्राप्त नहीं हुआ। अंततोगत्वा पाकिस्तान के मिलट्री ऑपरेशन के डीजी ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क साधा। भारतीय सेना ने अपने संकल्पों, नियमों और इच्छा अनुकूल संघर्ष विराम की उद्घोषणा की। संघर्ष विराम का क्रेडिट लेने का भरपूर प्रयास अमेरिका और उसके राष्ट्रपति ट्रम्प ने किया। लेकिन भारतीय सेना की ब्रीफिंग और पीएम मोदी के संबोधन ने अमेरिका के सारे दावों की वायु निकाल दी।

एक प्रसिद्ध कहावत है, चोर चोरी से जाए, हेरा फेरी से न जाए। और पाकिस्तान ही वह चोर है, जो हेरा फेरी से बाज नहीं आएगा। संघर्ष विराम की घोषणा के बाद भी उसके आचरण में अधिक परिवर्तन देखने को नहीं मिला। इसलिए भारत सरकार और पीएम मोदी ने स्पष्ट संदेश पाकिस्तान को दिया है कि भविष्य में आतंक की घटना को युद्ध माना जाएगा।

पाकिस्तान अपने चरित्र के अनुरूप आचरण करेगा, यह मेरा ही नहीं, हर जागरूक नागरिक का अटल विश्वास है। भारतीय नीति और विचार यह है कि हमारे लिए आतंकवाद समाप्त हो जाए तो हमारा संघर्ष और युद्ध समाप्त हो जाएगा। उसे हम अपनी जीत मान लेंगे। लेकिन पाकिस्तान के लिए यह लड़ाई कभी समाप्त नहीं होगी क्योंकि उसका वास्तविक लक्ष्य है भारत को मिट्टी में मिलाना है। उसका जन्म ही भारत से घृणा के आधार पर हुआ है। जब तक भारत है, तब तक पाकिस्तान की लड़ाई है। तो भारत का होना, भारत की उपस्थिति, भारत का अस्तित्व ये पाकिस्तान के लिए जोखिम है। वो इसी जोखिम को समाप्त करने का प्रयास करता रहता है।

भारत को मिट्टी में मिलाने के पाकिस्तान ने पहले युद्ध के माध्यम से प्रयास किए। जब उसने यह देखा कि युद्ध में हानि अधिक है, और वह अपने लक्ष्यों का प्राप्त नहीं कर पा रहा है तो उसने छद्म युद्ध शुरू किया। इस छद्म युद्ध के अंतर्गत आतंकवादियों का संरक्षण, प्रशिक्षण देकर भारत में अशांति फैलाने की नीति पर चलना शुरू किया। इसमें कोई बड़ा खर्च भी नहीं है। शस्त्र क्रय करने के लिए उसे धन अमेरिका, यूरोप, तुर्की और चीन दे ही देते हैं। अफगान युद्ध का उसने खूब लाभ उठाया। अमेरिका से उसने पैसा भी लिया, हथियार भी लिए। पहले रूस से लड़ने के लिए, फिर अफगानिस्तान से लड़ने के लिए। अमेरिका को भी धोखा देता रहा। ओसामा बिन लादेन को अपने यहां छुपा कर रखा और अमेरिका को पता नहीं लगने दिया। आखिरकार अमेरिका ने खोज लिया और खोज कर मारा।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान किसी को भी धोखा दे सकता है। और भारत को तो हमेशा धोखा ही देगा। पाकिस्तान की एक बात पर हमेशा विश्वास करना चाहिए कि उस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। वो हमेशा दगा देखा, हमेशा धोखा देगा। इसलिए वो चाहे कोई भी वायदा करे तब भी उस पर भरोसा नहीं करना चाहिए कि वो भविष्य में आतंकवाद का साथ नहीं देगा। वो सिर्फ अवसर की प्रतीक्षा करेगा। वर्तमान में जो स्थितियां वहां भारत के हमले के बाद उपजी हैं, उसके चलते पाकिस्तान की सेना और सरकार आमजन में अपनी छवि और साख को बनाए रखने के लिए भारत को नुकसान पहुंचाने में पीछे नहीं हटेगा। ये बात गांठ बांध लीजिए। ये संघर्ष विराम उसे इसीलिए चाहिए था, सांस लेने का अवसर। जो घाव भारतीय सेना ने उसे दिये है, उन पर मरहम पट्टी का अवसर चाहिए था। उसे फिर से तैयारी का अवसर चाहिए था। फिर से आतंकवादी गतिविधियों की रणनीति बनाने का समय और मौका चाहिए था। उसे तीन वस्तुओं की आवश्यकता थी। समय, पैसा और हथियार। और उसको ये तीनों चीजें संघर्ष विराम ही दिला सकता था। और उसे संघर्ष विराम मिल चुका है।

विश्व में पाकिस्तान की ही नहीं, अमेरिका की छवि धोखेबाज देश की है। विश्व भर में उसकी धोखेबाजी के किस्सों की लंबी सूची है। और जहां तक बात भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की है। जब भी दोनों देशों के बीच तनाव होगा, संघर्ष होगा, अमेरिका का झुकाव पाकिस्तान की ओर होगा। अमेरिका को भारत की जरूरत है, चीन पर नियंत्रण के लिए। जब तक ये जरूरत नहीं थी तब तक अमेरिका भारत का विरोध ही करता रहा। मेरा मानना है कि संघर्ष विराम की घोषणा करके भारत अपनी शराफत में मारा गया। भारत अमेरिका पर जरूरत से ज्यादा विश्वास के कारण मारा गया।

यह बात जान लीजिए कि संघर्ष विराम के लिए पाकिस्तान की आतुरता का मुख्य कारण यह था कि उसे लगा कि पहले अपने अस्तित्व को बचाना आवश्यक है। वो उस नीति पर चल रहा था कि बचेंगे, तो भविष्य में लड़ेंगे। तो उसने अपना बचाव कर लिया है। और वह भविष्य में लड़ेगा यह मान कर चलिए। निकट समय में ही आपको किसी ने किसी आतंकवादी घटना का दुखद समाचार सुनने, देखने और पढ़ने को मिलेगा। पाकिस्तान रुकने वाला नहीं है। वास्तव में जिस दिन पाकिस्तान आतंकवाद रोक देगा, उसके अस्तित्व का औचित्य ही समाप्त हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारे सैन्य बल पाकिस्तान के चरित्र से परिचित हैं। इसलिए राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में पीएम मोदी ने तमाम अहम बातों के अलावा यह भी स्पष्ट कर दिया की ऑपरेशन सिंदूर अभी स्थगित ही हुआ है। अर्थात् यह कि आतंक के विरुद्ध भारत का एक्शन जारी रहेगा।(राजनीतिक विश्लेषक और स्तंभकार)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

हिन्दू धर्म में शनिदेव को न्यायप्रिय और दंडनायक माना गया है

व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देना शनिदेव के अंतर्गत आता है। इसी कारण से शास्त्रों में शनिदेव को कैसे प्रसन्न किया जाए इसके बारे में भी बताया गया है। इसके अलावा, शास्त्रों में इस बात का भी उल्लेख मिलता है कि शनिदेव को व्यक्ति की कौन सी आदतें पसंद नहीं हैं जिनके कारण वह क्रोधित हो जाते हैं। आइये जानते हैं ज्योतिषाचार्य से इस बारे में विस्तार से।

बाथरूम और रसोई को साफ न करना

बाथरूम-टॉयलेट में राहु ग्रह का अधिकार माना गया है। वहीं, रसोई में मां अन्नपूर्णा का निवास होता है। ऐसे में अगर घर का टॉयलेट, बाथरूम या घर की रसोई स्वच्छ न हो तो शनिदेव नाराज हो जाते हैं। इसी कारण से कहा जाता है कि रोजाना बाथरूम, टॉयलेट और रसोई की साफ सफाई करनी चाहिए।

किसी से लिए हुए पैसे न लौटाना

अगर आपने किसी से पैसे उधार लिए हैं और समय पर लौटाए नहीं है तो इस आदत से भी शनिदेव नाराज हो जाते हैं। कभी-कबार की बात अलग है, लेकिन अगर आप हमेशा ही ऐसे करते हैं तो यह उचित नहीं है। इससे न सिर्फ शनिदेव बल्कि सभी अन्य ग्रह भी रुष्ट हो सकते हैं।

पैर को घसीटते हुए चलना

कुछ लोगों की आदत होती है पैर को उठाकर चलने की बजाय घसीटते हुए चलने की। ऐसा कहा जाता है कि पैर घसीटकर चलना एक प्रकार से शनिदेव का अपमान करने के समान है क्योंकि शनिदेव की चाल धीमी और आघात लगने के कारण घसीटकर चलने वाली है।

बैठे-बैठे पैर हिलाते रहना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह बैठ कर काम कर रहे हों या फिर खाली बैठे हों, अपने पैरहिलाते रहेंगे। इस आदत से भी शनिदेव क्रोधित होते हैं। हर समय पैर हिलाने से राहु को बल मिलता है और राहु का दुष्प्रभाव बढ़ने लगता है।

लड्डू गोपाल की सेवा में इन नियमों का पालन करना आवश्यक

आप में से बहुत से लोगों के घर लड्डू गोपाल की सेवा होती होगी। लड्डू गोपाल की सेवा से जुड़े कई नियम शास्त्रों में वर्णित है। ऐसा माना जाता है कि इन नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए नहीं तो लड्डू गोपाल की सेवा में दोष लगता है। इसके अलावा, शास्त्रों में यह भी उल्लेख मिलता है कि जब लड्डू गोपाल नाराज होते हैं या किसी व्यक्ति से प्रसन्न होते हैं तो कई प्रकार के संकेत उस व्यक्ति को मिलने लगते हैं।

इन चीजों के बिना घर में नहीं रखने चाहिए लड्डू गोपाल?

आजकल ज्यादातर घरों में लड्डू गोपाल देखने को मिल जाते हैं। लोग पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ लड्डू गोपाल को अपने घर ले जाते हैं और उनकी सेवा करते हैं। हालांकि लड्डू गोपाल की सेवा के दौरान कुछ नियमों का पालन आवश्यक माना गया है। इन नियमों की अनदेखी करने से लड्डू गोपाल की सेवा में दोष पैदा होता है और उनकी सेवा की विधि दूषित हो जाती है। घर में लड्डू गोपाल को कुछ चीजों के बिना बिलकुल स्थापित नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे उनकी सेवा में बाधा आती है और पूजा का पूरा फल भी नहीं मिलता है।

घर में बंसी के बिना न रखें लड्डू गोपाल

बंसी श्री कृष्ण की प्रिय मानी जाती है। लड्डू गोपाल श्री कृष्ण का बाल स्वरूप हैं। ऐसे में उन्हें घर में बिना बंसी (बंसी के उपाय) के स्थापित करना उचित नहीं माना गया है।

घर में पालने के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की सेवा बालक के रूप में की जाती है। ऐसे में अगर लड्डू गोपाल को घर लाना है तो पहले घर में पालना अवश्य लगाना चाहिए।

घर में मंदिर के बिना न रखें लड्डू गोपाल

कई लोग लड्डू गोपाल को मंदिर में रखने के बजे अपने कमरे में ही स्थापित कर देते हैं। बिना मंदिर के लड्डू गोपाल को घर में नहीं रखना चाहिए।

श्री राधा के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की मूर्ति घर में रखना चाहते हैं तो साथ में श्री राधा रानी के बाल स्वरूप की प्रतिमा भी अवश्य स्थापित करें। बिना राधा कृष्ण कहां।

लड्डू गोपाल के खुश होने के संकेत

लड्डू गोपाल जब प्रसन्न होते हैं तो इसका सबसे पहले संकेत तुलसी के माध्यम से मिलता है। अगर आपके घर में तुलसी का पौधा लगा हुआ है तो वह पौधा अपेक्षा से ज्यादा ही तेजी से बढ़ने लगेगा। इसके अलावा, तुलसी की पत्तियां हरी से बैंगनी होनी शुरू हो जाएंगी क्योंकि बैंगनी रंग की पत्तियों को श्यामा तुलसी कहा जाता है।
लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको हर पल उनके पास होने का आभास होना शुरू हो जाएगा। इसके अलावा, जब भी आपका मन परेशान होगा तो आपको बांसुरी की धुन बजती से महसूस होगी।
आपको ऐसा लगेगा कि स्वयं लड्डू गोपाल आपके पास बैठकर बांसुरी बजा रहे हैं। आपको उनका स्पर्श महसूस होने लगेगा।
लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको आपके घर में दिव्य ऊर्जा का आभास होने लगेगा। इसके अलावा, अगर आपके घर में कहीं से अचानक मोरपंख आ गिरे या आपको अचानक ही मोर के दर्शन हो जाएं तो यह भी एक संकेत है कि लड्डू गोपाल न सिर्फ आपसे प्रसन्न हैं बल्कि वह हर कदम पर आपके साथ हर स्थिति में हैं।

लड्डू गोपाल को किन-किन चीजों से स्नान कराना चाहिए?

हम से बहुत से लोगों के घर में लड्डू गोपाल स्थापित होंगे। ऐसा माना जाता है कि लड्डू गोपाल स्वयं जिससे अपनी पूजा-सेवा करवाना चाहते हैं सिर्फ उसी के मन में प्यार का भाव जगाते हैं। अगर लड्डू गोपाल को किसी से अपनी सेवा-पूजा नहीं करवानी है तो वह लाख कोशिश क्यों न करे उसे लड्डू गोपाल को घर लाने का मौका नहीं मिल पाता है। वहीं, लड्डू गोपाल की पूजा की बात करें तो शास्त्रों में पूजा-सेवा से जुड़े कई नियम बताये गए हैं। वहीं, लड्डू गोपाल के स्नान के बारे में भी बहुत कुछ वर्णन मिलता है, जैसे कि लड्डू गोपाल को कब स्नान कराना चाहिए, किसी विधि से स्नान कराना चाहिए और किन-किन वस्तुओं से स्नान कराना चाहिए।

लड्डू गोपाल को कराएं गोपीचंदन से स्नान

गोपी चंदन लड्डू गोपाल का अति प्रिय माना जाता है। ऐसे में लड्डू गोपाल को रोजाना गोपी चंदन (चंदन के उपाय) से स्नान कराना चाहिए। गोपी चंदन से स्नान कराने से न सिर्फ लड्डू गोपाल प्रसन्न होते हैं बल्कि उनकी नित्य रूप से शुद्ध बनी रहती है।

लड्डू गोपाल को कराएं केसर से स्नान

लड्डू गोपाल को स्नान कराते समय केसर का प्रयोग भी किया जा सकता है। केसर से स्नान कराने से लड्डू गोपाल का मन हर्षित रहता है और उनकी कृपा से घर में शुभता एवं सकारात्मकता बनी रहती है। घर में खुशहाली का आगमन होता है। लड्डू गोपाल को कराएं पंचामृत से स्नान लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान कराना भी शुभ माना जाता है। हालांकि रोजाना पंचामृत का प्रयोग करने पर मनाही है। पंचामृत से स्नान मात्र मंदिरों में रोजाना होता है। घर में लड्डू गोपाल को उत्सव पर ही पंचामृत स्नान कराना चाहिए।

श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है वृंदावन की हर गली और मंदिर

चौरासी कोस में समाये ब्रज का गढ़ है वृंदावन धाम जहां की हर एक गली और मंदिर श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है। वृंदावन में कई ऐसे मंदिर या स्थान हैं जो रहस्यमयी हैं और चात्मकारों की कहानियों से परिपूर्ण हैं। ऐसा ही एक मंदिर और है जिसके लिए यह कहा जाता है कि इस मंदिर में से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम का मार्ग जाता है।

वृन्दावन का रहस्यमयी मंदिर वृन्दावन में एक मंदिर ऐसा भी है जो दक्षिण शैली के आधार पर निर्मित है। इस मंदिर का नाम है रंगनाथ मंदिर। ब्रज में इस मंदिर (मंदिर जानें के लाभ) को रंगजी मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में भगवान रंगनाथ स्थापित हैं। इस मंदिर में मौजूद एक ऐसे द्वार के बारे में सुनने को मिलता है जो साल में मात्र एक बार खुलता है। यह द्वार वैकुण्ठ द्वार के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस द्वार के पीछे से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम तक का मार्ग जाता है। यही कारण है कि इस द्वार को वैकुण्ठ द्वार कहा जाता है। सिर्फ वैकुण्ठ द्वादशी के दिन इस द्वार को खोला जाता है। वैकुण्ठ (वैकुंठ और गोलोक धाम में अंतर) द्वादशी के दिन ही रंगनाथ भगवान इस द्वार से दर्शन देते हैं। इस द्वार को लेकर कई मान्यताएं भी हैं। एक मान्यता कहती है कि जो भी व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त होता है अगर उसके पुण्यों के चलते उसे वैकुण्ठ धाम की प्राप्त होती है तो उसकी आत्मा विश्व में कहीं भी हो वह रंगजी मंदिर के इस वैकुण्ठ द्वार से भगवान विष्णु के धाम जाती है। दूसरी मान्यता यह है कि जो भी व्यक्ति इस वैकुण्ठ धाम के दर्शन कर लेता है उसे जीवन भर भगवान विष्णु का साथ और सानिध्य प्राप्त होता है। भगवान विष्णु की कृपा हमेशा उस व्यक्ति पर बनी रहती है।

ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है चांदी और पारे से बना शिवलिंग

शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है।

आप में से बहुत से लोग ऐसे होंगे जो घर में शिवलिंग की स्थापना करना चाहते होंगे या जिन्होंने घर में शिवलिंग की स्थापना की होगी। शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है। साथ ही, भगवान शिव भी नाराज हो जाते हैं। इसके अलावा, शिवलिंग स्थापना में गलती वास्तु दोष को भी जन्म देती है। शास्त्रों में बताया गया है कि शिवलिंग की घर में स्थापना करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किस धातु का शिवलिंग घर में लाना शुभ होता है।
धर्म शास्त्रों के अनुसार, घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करना शुभ माना जाता है। ऐसा शिवलिंग जो पारे और चांदी को मिलाकर बना हो, उसकी स्थापना से घर में सकारात्मकता का संचार होता है और पूजा में किसी प्रकार का कोई दोष भी नहीं लगता है। इसके अलावा, चांदी और पारे से बना शिवलिंग घर में ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है। घर में ग्रह दोष उत्पन्न हो गया हो या फिर कुंडली में ग्रहों की स्थिति कमजोर हो तो ऐसे में पारद शिवलिंग की स्थापना घर में अवश्य करनी चाहिए। इससे शुभता आती है।
पारद शिवलिंग की घर में स्थापना करने से चंद्रमा की शुभता सबसे अधिक मिलती है क्योंकि चांदी का संबंध चंद्रमा से माना जाता है। चंद्रमा की स्थिति शुभ होती है तो व्यक्ति को मानसिक बल मिलता है। निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है और तनाव दूर होने लगता है।

कभी भी दक्षिण में न लगाएं तुलसी के पौधा

कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है। वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं। वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है। गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें। घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है।

युद्ध के दौरान हुआ नुकसान या चली गई जान

तो क्या बीमा कंपनी से मिलेगा क्लेम

नई दिल्ली, एजेंसी। युद्ध विराम के बाद लोग अब अपने जान-माल को युद्ध और युद्ध जैसी स्थिति में होने वाले नुकसान से बचाने के लिए बीमा कवरेज की पड़ताल कर रहे हैं। लोग यह जानना चाहते हैं कि क्या उनकी इंश्योरेंस पॉलिसी उन्हें सुरक्षा देगी।

22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। जिसके चलते युद्ध की आशंकाएं गहराने लगी थीं। युद्ध विराम के बाद लोग अब अपने जान-माल को युद्ध और युद्ध जैसी स्थिति में होने वाले नुकसान से बचाने के लिए बीमा कवरेज की पड़ताल कर रहे हैं। लोग यह जानना चाहते हैं कि क्या उनकी इंश्योरेंस पॉलिसी उन्हें सुरक्षा देगी। युद्ध या युद्ध जैसी स्थिति से तात्पर्य किसी देश के बीच सैन्य संघर्ष, आतंकी हमले, गृहयुद्ध, बम धमाके, मिसाइल हमले या परमाणु हमले से उत्पन्न परिस्थितियों से है।

भारत में, ज्यादातर टर्म और लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी आमतौर पर युद्ध या युद्ध जैसे ऑपरेशन की वजह से होने वाली मौत को जनरल एक्सक्लूजन में शामिल नहीं करती हैं। पॉलिसीबाजार डॉट कॉम के हेड (टर्म इंश्योरेंस) वरुण अग्रवाल बताते हैं कि अधिकांश टर्म लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी युद्ध या आतंकवादी गतिविधियों के कारण होने वाली मृत्यु को कवर करती हैं, क्योंकि इन घटनाओं को आमतौर पर पॉलिसी कवरेज के

बाहर नहीं रखा जाता है। ऐसी स्थिति में बीमा कंपनियां आतंकी हमले या युद्ध से मौत को प्राकृतिक या दुर्घटनावश हुई मृत्यु की तरह ही मानती हैं। युद्ध या आतंकी हमले में पॉलिसीधारक की मौत होने पर नॉमिनी या कानूनी वारिस को डेथ बेनिफिट मिलता है। टर्म इंश्योरेंस के अंदर एक महत्वपूर्ण एक्सक्लूजन यह है कि पॉलिसी शुरू होने के पहले साल के अंदर अगर व्यक्ति आत्महत्या करता है तो उसे कवर नहीं किया जाएगा, जबकि अन्य एक्सक्लूजन्स में बीमा कंपनी के आधार पर खतरनाक गतिविधियों, क्रिमिनल एक्ट या नशीले पदार्थों के सेवन के कारण मृत्यु शामिल हो सकती है।

टर्म या लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी में युद्ध या युद्ध जैसी स्थिति को साफ तौर पर कवरेज से बाहर नहीं रखा गया है। हालांकि, बीमा कंपनियों के इंटरनल रिस्क मैनेजमेंट प्रोटोकॉल होते हैं। इनके आधार पर कुछ क्षेत्रों को हाई-रिस्क एरिया के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। ये ऐसे इलाके होते हैं, जहां संघर्ष या अशांति की आशंका ज्यादा होती है। यदि पॉलिसीधारक ऐसे क्षेत्र में रहता है या वहां यात्रा करता है, तो बीमा कंपनी अंडरराइटिंग नियमों के आधार पर क्लेम देने से मना कर सकती है।

स्वास्थ्य बीमा आज के समय में हर शख्स के लिए एक जरूरत बन गया है, जो इलाज पर जेब से होने वाले भारी-भरकम खर्च से बचाता है। ज्यादातर हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसियों में वॉर एक्सक्लूजन क्लॉज या फिर स्पेसिफिक एक्सक्लूजन में युद्ध और युद्ध जैसी स्थिति का जिक्र होता है। जिसमें साफ लिखा होता है कि युद्ध, आतंकी हमले, या युद्ध जैसी परिस्थितियों में लगी चोटों के इलाज का खर्च इंश्योरेंस में कवर नहीं होता है। इसका मतलब है कि अगर किसी व्यक्ति को युद्ध जैसे हालातों में चोट लगती है और उसे अस्पताल में दाखिल होने की जरूरत पड़ती है, तो इलाज का सारा खर्च उसे अपनी जेब से उठाना होगा। हालांकि, कुछ खास परिस्थितियों में बीमा कंपनियां युद्ध-संबंधी चोटों को कवर करने के लिए राइडर या विशेष पॉलिसी की पेशकश करती हैं। ये राइडर ज्यादा प्रीमियम के बदले युद्ध जैसी परिस्थिति में भी इंश्योरेंस कवरेज देते हैं। अगर आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां युद्ध या आतंकी गतिविधियों का खतरा ज्यादा है, तो ऐसी विशेष पॉलिसी या राइडर लेना फायदेमंद हो सकता है।

घर या गाड़ी पर क्या मिलेगा इंश्योरेंस क्लेम

ज्यादातर सामान्य इंश्योरेंस पॉलिसियों खासकर होम और मोटर इंश्योरेंस में वॉर एक्सक्लूजन क्लॉज होता है। इसका मतलब यह है कि युद्ध या युद्ध जैसी परिस्थितियों में आपके घर या गाड़ी को होने वाला नुकसान इंश्योरेंस में कवर नहीं होगा। इसका मतलब है कि युद्ध या बमबारी में आपके घर को नुकसान पहुंचता है तो उसकी मरम्मत या दोबारा से बनवाने के खर्च को इंश्योरेंस पॉलिसी कवर नहीं करेगी। होम इंश्योरेंस भूकंप, बाढ़ या आग जैसी प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को तो कवर करती है, लेकिन आमतौर पर युद्ध जैसी स्थिति में होने वाले नुकसान को नहीं। अगर आप किसी ऐसे इलाके में रहते हैं, जहां युद्ध या हमले का खतरा ज्यादा रहता है, तो हाई रिस्क जोन के लिए खासतौर पर तैयार स्पेशलाइज्ड कवरेज ले सकते हैं। इसी तरह, आपकी कॉम्प्रिहेंसिव मोटर व्हीकल पॉलिसी बाढ़, तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं और आग, चोरी जैसी मानव-निर्मित आपदाओं से होने वाले नुकसान को कवर करती है। यानी अगर आपकी गाड़ी पर मिसाइल गिर जाती है, तो उसका नुकसान आपकी कार पॉलिसी में कवर नहीं होगा।

इंश्योरेंस पॉलिसी का रिव्यू करना जरूरी

हर शख्स के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वह अपने पॉलिसी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें और समझें कि पॉलिसी में क्या चीजें कवर हैं तथा कौन-सी कवर नहीं हैं। भू-राजनीतिक तनाव के वक्त में अपने इंश्योरेंस कवरेज की समीक्षा करना, किसी तरह की दुविधा होने पर बीमा कंपनी से संपर्क करना और जरूरत के हिसाब से पर्याप्त कवर लेना पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है।

आर्केड डेवलपर्स की कमाई में उछाल, क्यू4 एफवाय25 मुनाफा 70 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में प्रीमियम और लग्ज़री आवासीय प्रोजेक्ट्स के लिए प्रसिद्ध रियल एस्टेट कंपनी आर्केड डेवलपर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 और चौथी तिमाही (क्यू4 एफवाय25) के अपने ऑडिटेड वित्तीय नतीजे जारी किए। आर्केड डेवलपर्स लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अमित जैन ने कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि क्यू4 एफवाय25 में साल दर साल मुनाफे में मजबूत वृद्धि और स्वस्थ मार्जिन विस्तार देखने को मिला, जो एक ऐसे साल का समापन है, जिसमें नेट प्रॉफिट में दो अंकों की वृद्धि और मार्जिन में निरंतर सुधार हुआ। यह प्रदर्शन हमारी कार्यान्वयन क्षमता, बिक्री की गति और अनुशासित संचालन दृष्टिकोण की मजबूती को दर्शाता है। हम क्यू4 एफवाय25 में अपनी ऑपरेशनल गति से भी बहुत प्रसन्न हैं, जब हमने अंधेरी ईस्ट, मलाड वेस्ट और बोरीवली वेस्ट में तीन महत्वपूर्ण रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का शुभारंभ किया, जो मिलाकर लगभग पाँच एकड़ क्षेत्रफल में फैले हैं और 5.85 लाख वर्ग फीट प्रीमियम लिविंग स्पेस प्रदान करेंगे, जो हमारे पोर्टफोलियो को समृद्ध करेगा और भविष्य में बिक्री को बढ़ावा देगा। इस तिमाही के दौरान, हमने गोरेगांव वेस्ट में लक्जरी डेवलपमेंट के लिए एक प्रमुख ज़मीन का टुकड़ा भी अधिग्रहित किया।

2030 तक इलेक्ट्रिक कारों का होगा दबदबा

40 प्रतिशत रहेगा हिस्सा, 2019 की तुलना में बिक्री में 146 गुना वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। आईईए की रिपोर्ट के अनुसार इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ती लोकप्रियता का मुख्य कारण उनकी घटती कीमतें हैं और यह पहले के मुकाबले ज्यादा किफायती भी हो गई हैं। जैसे-जैसे बाजारों में इनकी कीमतें आम उपभोक्ता की पहुंच में आ रही हैं, वैसे-वैसे बिक्री में भी तेजी देखी जा रही है।

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद इलेक्ट्रिक वाहनों का बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। अनुमान है कि 2030 तक दुनिया भर में बिकने वाली कारों में 40 फीसदी से अधिक इलेक्ट्रिक होंगी। वर्ष 2025 के अंत तक वैश्विक इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 20 करोड़ के पार जा सकती है, यानी हर चौथी बिकने वाली कार इलेक्ट्रिक होगी।

यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की ताजा रिपोर्ट 'ग्लोबल ईवी आउटलुक 2025' में दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ती लोकप्रियता का मुख्य कारण उनकी घटती कीमतें हैं और यह पहले के मुकाबले ज्यादा किफायती भी हो गई हैं। जैसे-जैसे बाजारों में इनकी कीमतें आम उपभोक्ता की पहुंच में आ रही हैं, वैसे-वैसे बिक्री में भी तेजी देखी जा रही है। 2024 में दुनिया भर में 1.7 करोड़ से अधिक इलेक्ट्रिक कारें बिकीं, जिससे वैश्विक बाजार में इनकी हिस्सेदारी पहली बार 20 फीसदी के पार पहुंच गई। वहीं 2025 की पहली तिमाही में बिक्री में 35 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई और कई बड़े बाजारों में नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। भारत समेत एशिया और लैटिन अमेरिका के उभरते बाजारों में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ी है। 2024 में इन क्षेत्रों में ईवी की बिक्री में 60 फीसदी से अधिक की वृद्धि देखी गई।

तुर्किये-अजरबैजान से कारोबार करें या नहीं, तय करेंगे देशभर के व्यापारी

नई दिल्ली , एजेंसी। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से विभिन्न राज्यों के प्रमुख व्यापारी नेताओं की आज बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में देशभर के व्यापार यह तय करेंगे कि पाकिस्तान का समर्थन करने वाले तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापार किया जाए या नहीं।

देशभर के व्यापारियों ने पाकिस्तान का समर्थन करने वाले तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापार खत्म करने की योजना बनाई है। इस पर कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से विभिन्न राज्यों के प्रमुख व्यापारी नेताओं की शुक्रवार को बुलाई गई बैठक में फैसला हो सकता है। तुर्किये और अजरबैजान से व्यापारिक रिश्ते खत्म करने से दोनों देशों को अरबों डॉलर का नुकसान होगा।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, जो भी देश भारत के खिलाफ है, उसके साथ व्यापार करने का कोई सवाल ही नहीं है। यह देश के व्यापारियों के लिए अपनी देशभक्ति दिखाने का उचित समय है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए यह बैठक बुलाई गई है, जिसमें तुर्किये और अजरबैजान से व्यापारिक रिश्ते खत्म करने पर फैसला लिया जाएगा। साथ ही, भारतीय सेना के शोर्य और पराक्रम के

कैट ने बुलाई बैठक

प्रति आभार व्यक्त करने के लिए देशभर में तिरंगा यात्रा निकाला जाएगा।

खंडेलवाल ने कहा, कैट लंबे समय से चीनी उत्पादों के बहिष्कार के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान चला रहा है, जिसका काफी असर देखने को मिला है। ऐसा ही अभियान अब तुर्किये और अजरबैजान के उत्पादों के खिलाफ चलाया जाएगा। उन्होंने कहा, व्यापारिक बहिष्कार के कारण तुर्किये व अजरबैजान को अरबों डॉलर का नुकसान होगा और दोनों देशों को भारत के खिलाफ खड़े होने की कीमत चुकानी पड़ेगी।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री ने यह भी कहा, हमने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु को एक पत्र लिखकर अनुरोध किया गया है कि भारतीय विमानन कंपनियों विशेष रूप से इंडिगो और तुर्किये एयरलाइंस के बीच कोड शेयरिंग समझौते की फिर से जांच की जानी चाहिए। साथ ही, इसे रद्द किया जाना चाहिए।

पुणे समेत देशभर के के व्यापारियों ने भारत की ओर से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले की आलोचना करने वाले तुर्किये से आयात रोकने का फैसला किया है। वहीं, पुणे के व्यापारियों ने तुर्किये सेब और सूखे मेवों का आयात रोक दिया है और अन्य आयातित उत्पादों के भी बहिष्कार का फैसला किया है।

पुणे के कृषि उपज मंडी समिति के व्यापारियों ने विरोध में बृहस्पतिवार को तुर्किये से आयात किए गए सेबों को सड़क पर फेंक दिया। पुणे के व्यापारी तुर्किये से सेब, लीची, आलूबुखारा, चेरी और सूखे मेवे आयात करते हैं। सिर्फ सेब का आयात ही करीब 1,200 करोड़ रुपये का होता है।

व्यापारी को पाकिस्तान से मिली धमकी

तुर्किये से सेब आयात बंद करने की घोषणा के कुछ दिनों बाद पुणे के एक फल व्यापारी को पाकिस्तान से धमकी मिली है। कृषि उपज मंडी समिति के व्यापारी सुयोग जेंडे ने बताया, सुबह करीब 9 बजे वॉयस मैसेज मिला, जिसमें भारत के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया था और कहा गया कि हम पाकिस्तान या तुर्किये का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। मैंने इस धमकी का जवाब वॉयस मैसेज से दिया। जेंडे ने बताया, इस मामले को लेकर व्यापारी पुणे पुलिस आयुक्त से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं।

शेयर बाजार में नरमी के साथ क्लोजिंग; सेंसेक्स 200 अंक कमजोर हुआ, निफ्टी में भी सुस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को सेंसेक्स 200.15 अंकों की गिरावट के साथ 82,330.59 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 42.30 अंकों की गिरावट के साथ

25,019.80 के स्तर पर समापन हुआ। आइए जानते हैं बाजार का हाल। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन गिरावट के साथ क्लोजिंग हुई। इस दौरान सेंसेक्स 200.15 अंकों की गिरावट के साथ 82,330.59 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 42.30 अंकों की गिरावट के साथ 25,019.80 के स्तर पर समापन हुआ।

लाल निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार; सेसेक्स लुढ़का, निफ्टी में भी गिरावट

मुंबई, एजेंसी। इससे पहले बीते कारोबारी सत्र में लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बीएसई सेंसेक्स 1,200.18 अंक या 1.48 फीसदी उछलकर सात महीने के उच्चतम स्तर 82,530.74 अंक पर बंद हुआ था। ऐसे ही निफ्टी 395.20 अंक या 1.60 फीसदी बढ़कर सात महीने के उच्चतम स्तर 25,062.10 अंक पर पहुंच गया। अब जानिए आज का हाल... पिछले कारोबारी सत्र में तेज उछाल के बाद मुनाफावसूली के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई।

दुनिया में अनिश्चितता के बीच सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत, संयुक्त राष्ट्र का अनुमान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय जोखिमपूर्ण स्थिति में है। अमेरिका की तरफ से शुल्क बढ़ाए जाने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा है। इससे उत्पादन लागत बढ़ी है और निवेश में अनिश्चितता आई है। वहीं संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस अनिश्चितता के बीच भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

संयुक्त राष्ट्र ने 2025 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ अनुमान को घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। जनवरी 2025 में यह अनुमान 6.6 प्रतिशत था। हालांकि, इस गिरावट के बावजूद भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना गया है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट 2025 के मध्य तक विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं में दी गई है, जिसे 16 मई को जारी किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को मुख्य रूप से मजबूत घरेलू खपत और सरकारी निवेश का समर्थन मिला है। इसके अलावा, सेवा क्षेत्र का निर्यात भी आर्थिक विकास को मजबूती देता रहा है। इस रिपोर्ट में कहा गया, भारत की आर्थिक वृद्धि को निजी उपभोग, सार्वजनिक निवेश और मजबूत सेवा निर्यात का समर्थन प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय जोखिमपूर्ण स्थिति में है। अमेरिका की तरफ से शुल्क बढ़ाए जाने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा है। इससे उत्पादन लागत बढ़ी है और निवेश में अनिश्चितता आई है। भारत के माल निर्यात पर भी इसका असर हो सकता है, हालांकि दवा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और तांबा जैसे सेक्टर इस प्रभाव से फिलहाल बचे हुए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में महंगाई 2024 में 4.9 प्रतिशत रहने के बाद 2025 में घटकर 4.3 प्रतिशत हो सकती है, जो भारतीय रिजर्व बैंक के लक्षित दायरे में है। इसके साथ ही, रोजगार के स्तर में कोई बड़ी गिरावट नहीं देखी गई है, लेकिन महिला श्रम भागीदारी में असमानता बनी हुई है, जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। भारतीय रिजर्व बैंक

ने फरवरी 2025 में अपनी नीतिगत ब्याज दर घटाने की प्रक्रिया शुरू की। इससे पहले यह दर फरवरी 2023 से लगातार 6.5 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई थी।

अन्य देशों की स्थिति भी कमजोर

अमेरिका की बढ़ोतरी 2024 के 2.8 प्रतिशत से घटकर 2025 में 1.6प्रतिशत होने की संभावना है। चीन की बढ़ोतरी 2025 में 4.6 प्रतिशत तक सीमित रह सकती है। ब्राजील, मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका जैसे विकासशील देशों की भी बढ़ोतरी दर में गिरावट आई है। यूएन रिपोर्ट ने चेतावनी दी कि विकासशील देशों और विशेष रूप से सबसे कम विकसित देशों के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक हो सकती है, जिसे निर्यात से कम आमदनी, कर्ज का बोझ और घटती अंतरराष्ट्रीय सहायता उनकी विकास योजनाओं को प्रभावित कर सकती है। 2025 में कम विकसित देशों की विकास दर 4.5प्रतिशत से घटकर 4.1प्रतिशत रहने की संभावना है।

भारत में सबसे तेज बढ़ेगी तेल की मांग

चीन से दोगुनी वृद्धि; लाभांश पर 23 मई को फैसला करेगा आरबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल उत्पादक संगठन ओपेक ने कहा है कि भारत की तेल मांग प्रमुख देशों में सबसे तेज गति से बढ़ेगी। 2025 और 2026 में यह चीन की वृद्धि दर से दोगुनी हो जाएगी। भारत की तेल मांग 2024 में 55.5 लाख बैरल प्रतिदिन से बढ़कर 2025 में 57.4 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) तक पहुंचने का अनुमान है, जो कि 3.39 प्रतिशत की वृद्धि है। इससे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में बढ़ती ऊर्जा जरूरतों से मदद मिलेगी। 2026 में तेल की मांग 4.28 प्रतिशत बढ़कर 59.9 लाख टन बीपीडी हो जाएगी। यह वृद्धि 2025 में चीन की मांग में 1.5 फीसदी व 2026 में 1.25 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि से अधिक है। अमेरिका 2025 में 2.05 करोड़ बीपीडी की मांग के साथ सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता बना रहेगा। चीन 2025 में 1.69 करोड़ बीपीडी व 2026 में 1.71 करोड़ बीपीडी के साथदूसरे स्थान पर होगा।

लाभांश देने पर 23 मई को फैसला लेगा आरबीआई- आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड ने अपने आर्थिक पूंजी ढांचे की समीक्षा की है। इस समीक्षा के आधार पर ही सरकार को लाभांश दिया जाएगा। आरबीआई ने 2023-24 के लिए सरकार को रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ का लाभांश दिया था। इस बार लाभांश भुगतान अधिक होने की उम्मीद है।

वर्या क्रिएशंस व सात प्रवर्तकों पर सेबी का प्रतिबंध- आईपीओ रकम के दुरुपयोग के चलते सेबी ने वर्या क्रिएशंस और उसके सात प्रवर्तकों पर शेयर बाजार में कारोबार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन्वेंचर मर्चेंट बैंकिंग को नए कारोबार लेने पर रोक लगा दी है।

निर्यात 9 फीसदी बढ़ा, व्यापार घाटा पांच माह के उच्च स्तर पर, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की अच्छी रही मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, निर्यात की तुलना में अधिक आयात के कारणअप्रैल में देश का व्यापार घाटा पांच महीने के उच्च स्तर 26.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले नवंबर, 2024 में सबसे ज्यादा 31.77 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था। अप्रैल, 2024 में देश से 35.30 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था, जबकि आयात 54.49 अरब डॉलर रहा था।

इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग उत्पादों की मांग में अच्छी वृद्धि के कारण भारत का निर्यात अप्रैल, 2025 में सालाना आधार पर 9.03 फीसदी बढ़कर 38.49 अरब डॉलर पहुंच गया।कच्चे तेल और उर्वरक की खरीदारी बढ़ने से देश का आयात भी एक साल पहले की तुलना में 19.12 फीसदी बढ़कर 64.91 अरब डॉलर पहुंच गया।वाणिज्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, निर्यात की तुलना में अधिक आयात के कारणअप्रैल में देश का व्यापार घाटा पांच महीने के उच्च स्तर 26.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले नवंबर, 2024 में सबसे ज्यादा 31.77 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआथा। अप्रैल, 2024 में देश से 35.30 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था, जबकि आयात 54.49 अरब डॉलर रहा था।

मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्यात अप्रैल में 39.51 फीसदी बढ़कर 3.69 अरब डॉलर पहुंच गया।इंजीनियरिंग निर्यात 11.28 फीसदी बढ़कर 9.51 अरब डॉलर हो गया।

कच्चे तेल का आयात 25.6 फीसदी बढ़कर 20.7 अरब डॉलर हो गया। सोने का आयात 4.86 फीसदी की वृद्धि के साथ3.09 अरब डॉलर रहा।

आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल, 2025 के लिए सेवाओं के निर्यात का अनुमानित मूल्य 35.31 अरब डॉलर था जो अप्रैल, 2024 में 30.18 अरब डॉलर था। सेवाओं के आयात का अनुमानित मूल्य 17.54 अरब डॉलर रहा, जो अप्रैल, 2024 में 16.76 अरब डॉलर था।

आंकड़ों के मुताबिक, टैरिफ वार के बीच भारत से अमेरिका निर्यात 27.3 फीसदी बढ़कर 8.42 अरब डॉलर पहुंच गया।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 16-05-2025 22:21 Page 1

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान

जनजातीय सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। जनजातीय समुदाय के सर्वांगीण विकास एवं सशक्तिकरण की दिशा में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान देश के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक बदलाव का वाहक बन रहा है। इस महत्वाकांक्षी अभियान की शुरूआत 2 अक्टूबर 2024 को हजारीबाग, झारखंड से हुई थी, जिसे स्वतंत्रता संग्राम के महानायक भगवान बिरसा मुंडा उर्फ धरती आबा की स्मृति में नामित किया गया है। यह अभियान अगले पाँच वर्षों तक, अर्थात 2029 तक संचालित किया जाएगा।

यह अभियान पूर्व में प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के नाम से जाना जाता था, जिसे अब धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के रूप में नवसंकल्पित किया गया है। इसका उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, सामाजिक बुनियादी ढांचे और आर्थिक अवसरों का सृजन करते हुए समग्र एवं सतत विकास सुनिश्चित करना है।

63,843 जनजातीय बहुल गांवों में लागू इस अभियान से देश के 30 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 5 करोड़ से अधिक जनजातीय नागरिकों को सीधा लाभ मिलने की संभावना है। यह अभियान विशेष रूप से 2,911 प्रखंडों और 549 जिलों को कवर करेगा।

गृह-प्रवास (होमस्टे) योजना : पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 1,000 होमस्टे इकाइयों को विकसित किया जाएगा। इसके लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक की सहायता दी जा रही है।

वन अधिकार धारकों के लिए आजीविका संवर्धन : 22 लाख पट्टा धारकों को वैज्ञानिक कृषि, वनोपज संग्रहण आदि में प्रशिक्षण एवं सशक्तिकरण का लाभ मिलेगा।

शैक्षिक बुनियादी ढाँचा उन्नयन : आश्रम विद्यालय, छात्रावास एवं आदिवासी विद्यालयों को पीएम-श्री स्कूलों की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

स्वास्थ्य सुविधाएँ : सिकल सेल रोग की रोकथाम हेतु प्रसव पूर्व निदान, सस्ती जाँच और उपचार सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

जनजातीय विपणन केंद्रः जनजातीय उत्पादों को उचित मूल्य दिलाने एवं विपणन सुविधा हेतु बहुउद्देशीय विपणन केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

मोबाइल मेडिकल यूनिटः स्वास्थ्य सेवा की पहुंच हेतु अधिक से अधिक मोबाइल चिकित्सा इकाइयाँ चलाई जाएंगी। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान न केवल जनजातीय समुदायों को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर कर रहा है।

चबुतरे पर खून से लथपथ मिली सुरक्षा गार्ड की लाश

मृतक नवादा जिले रहने वाला था

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पुटकी। केंदुआडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत केंदुआ थाना के समीप चबूतरे पर शुक्रवार की सुबह श्रीराम ईपीसी में कार्यरत 42 वर्षीय सुरक्षा गार्ड मिथलेश रवानी का खून से लथपथ शव संदिग्ध अवस्था में मिला।

मृतक गुरुवार की रात कंपनी के पाइप की सुरक्षा में तैनात था। मौत की खबर से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

सुबह स्थानीय लोगों ने खून से सना शव देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही केंदुआडीह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही परिजनों को भी सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही धनबाद डीएसपी नौसाद आलम भी मौके पर पहुंचे और जांच की।

मृतक मिथलेश रवानी नगर निगम के अधीन संवेदक के रूप में कार्य कर रही श्रीराम ईपीसी कंपनी में पिछले एक वर्ष से सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात था। वह नवादा जिले के ओहरी कादरीगंज का रहने वाला था और वर्तमान में अलकूसा खेरा में अकेले रह रहा था।

केंदुआडीह थाना पु नि सह थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय ने बताया कि मृतक श्रीराम ईपीसी में नाइट वॉचमैन के रूप में कार्यरत था। आशंका है कि बीती रात किसी अज्ञात अपराधी ने पत्थर से वार कर उसकी हत्या कर दी। मामले की जांच की जा रही है।

कैम्प में 9 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। बीते 15 मई को श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर, खूँटी के तत्वावधान में एक दिवसीय भर्ती कैम्प का आयोजन किया गया। इस भर्ती कैम्प में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। कुल 630 रिक्तियों के लिए आयोजित इस भर्ती कैम्प में लगभग 90 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 72 अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। नियोजकों द्वारा चयन प्रक्रिया के उपरांत 21 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया एवं 09 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

इस अवसर पर जिला नियोजन पदाधिकारी, खूँटी, नियोजक प्रतिनिधि, एवं जिला नियोजनालय खूँटी के कर्मीगण उपस्थित रहे। यह भर्ती कैम्प स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों की दिशा में एक सराहनीय पहल रही, जिससे जिले में कौशल विकास एवं नियोजन को बढ़ावा मिला है।

राजस्व संग्रहण की बैठक में कई निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निदेशानुसार आज समाहरणालय स्थित सभागार में राजस्व संग्रहण, राजस्व विभाग एवं भू-अर्जन से संबंधित कार्यों की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता अपर समाहर्ता परमेश्वर मुण्डा द्वारा की गई, जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, डीसीएलआर अरविंद कुमार सहित संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं सभी अंचलाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में खनन, परिवहन, उत्पाद, नगर पंचायत, मत्स्य, अवर निबंधक, श्रम, राजस्व समेत अन्य विभागों द्वारा किए गए राजस्व संग्रहण की मासिक प्रतिवेदन की विस्तृत समीक्षा की गई। संबंधित विभागों से उनके वार्षिक लक्ष्य एवं विगत माह के प्रदर्शन की जानकारी ली गई। बैठक में निर्देश दिया गया कि सभी विभाग अपने निर्धारित वार्षिक राजस्व संग्रहण लक्ष्य को शत-प्रतिशत हासिल करने की दिशा में ठोस प्रयास सुनिश्चित करें।

राजस्व विभाग के अंतर्गत भू-लगान एवं सेस संग्रहण प्रतिवेदन की भी समीक्षा की गई। इस क्रम में सभी अंचल अधिकारियों को अपने दायित्वों का समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

दाखिल-खारिज के मामलों की भी विशेष रूप से समीक्षा की गई, जिसमें स्पष्ट निर्देश दिया गया कि कोई भी मामला निर्धारित समय सीमा से बाहर लंबित न रहे। इसके अलावे सक्सेसन म्यूटेशन, परिशोधन ग्रीवांस, सर्टिफिकेट केस, अवैध जमाबंदी समेत अन्य की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए, राजस्व से संबंधित कार्यों को गति देने तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

नौकरानी पर बेहोश कर घर से जेवरात चुराने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। डोरंडा थाना में वैशाली बासु शर्मा ने नौकरनी पर मां को बेहोश कर घर से जेवरात और पैसा चोरी करने का आरोप लगाते हुए केस किया है।

वैशाली ने पुलिस को बताया कि वह नोएडा में रहती हैं। फोन पर सूचना मिली कि डोरंडा क्षेत्र में रहनी वाली उसकी मां राज श्री वासु घर पर बेहोश पड़ी हैं। ड्राइवर अशोक और अन्य लोगों की मदद से मां को मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया गया है।वह रांची पहुंचने पर पहले मेडिका अस्पताल गई। अस्पताल में भर्ती मां के जेवर गायब थे। वैशाली का कहना है कि मां के दोनों हाथों में सोने की चूड़ी और सभी अंगुलियों में सोने और हीरे की अंगूठी थी। गले में सोने की चेन थी। नाक में हीरे का जेवरात भी गायब था।

लोगों ने बताया कि जिस दिन घटना हुई उस दिन एक महिला नौकरानी का काम करने के लिए मां के पास गई थी। महिला के जाने के बाद लोगों को पता चला कि महिला घर के अंदर बेहोश पड़ी हुई है। डॉक्टरों के अनुसार महिला की हालत पहले से ठीक है। डॉक्टरों के द्वारा सभी तरह की जांच कर ली गई है।

वैशाली ने पुलिस को बताया कि घर में लगा हुआ सीसीटीवी का फुटेज खंगाला गया तो उसमें दिखा कि एक महिला आई और मां से कुछ देर तक बातचीत करने के बाद घर के अंदर चली गई।

घर के अंदर भी पीतल और अन्य सामान को जमा करते दिखी। महिला के द्वारा मां को कुछ नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर दिया गया इसके बाद मां के पूरे जेवरात निकाल लिए गए। आरोपित महिला काफी तेजी से निकल रही थी। पड़ोसियों ने बताया कि महिला को सिर्फ उसी दिन देखा गया। फिर किसी ने महिला को नहीं देखा।

पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज से आरोपित महिला का फोटो निकाला गया है। फोटो के आधार पर महिला की पहचान की जा ही है ताकि उसके गिरफ्तार किया जा सके।

मंत्री ने की प्रखंड में संचालित योजनाओं की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। राज्य के वित्त,वाणिज्यकर,योजना एवं विकास तथा संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्णा किशोर ने शुक्रवार को पाटन प्रखंड सभागार में विभिन्न पदाधिकारियों संग बैठक कर प्रखंड व अंचल में क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान पाटन अंचल में जमीन से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि अंचल अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण किये जाने संबंधी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं,माननीय मंत्री ने सीओ को अतिक्रमण किए गए भूमि को चिन्हित करते हुए ऐसे सभी सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने हेतु निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के विषय पर शून्य शिकायतों की दिशा में कार्य करने की बात कही।इस दौरान माननीय मंत्री ने अंचल अंतर्गत बनाए गए हल्का कर्मचारी आवास बंद रहने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सभी हल्का कर्मचारी अपने हल्का में बनाये गये सरकारी आवास में ही रहे यह सुनिश्चित किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि भविष्य में जांच के दौरान हल्का कर्मचारी अपने सरकारी आवास में नहीं मिलते हैं तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी।इसी तरह उन्होंने म्यूटेशन, जाति प्रमाण पत्र,सीमांकन,दोहरी जमाबंदी सहित अन्य विषयों की समीक्षा करते हुए सीओ को सभी कार्यों का ससमय निष्पादन करने की बात कही।उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। प्रखंड द्वारा संचालित कार्यों के दौरान माननीय मंत्री ने अबुआ आवास व पीएम आवास में पूरी पारदर्शिता के साथ योजना का क्रियान्वयन करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट रूप से योग्य लाभुकों को ही इस योजना से लाभान्वित करने की बात कही।

मंत्री ने कहा कि गरीबों का हक आसानी से जनता को मिले,यही सरकार का लक्ष्य है।उन्होंने कहा कि सरकार का दायित्व जनता के लिए बड़ा होता है और इस दायित्व को पूरा करने में विधायिका एवं कार्यपालिका दोनों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अपने दायित्वों का निर्वहन करना प्रत्येक पदाधिकारी का कर्तव्य बनता है ताकि अधिक से अधिक आमजन लाभान्वित हो सके। इस बैठक में भू-अर्जन सह भू अभिलेख निदेशक भोर सिंह यादव, उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, ग्रामीण विकास विभाग के अवर सचिव सज्जाद अहमद,अपर समाहर्ता कुंदन कुमार सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी,स्थानीय जन प्रतिनिधि,बीडीओ-सीओ व कर्मी उपस्थित रहे।

शादी के 16वें दिन ही विवाहिता की संदेहास्पद मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। शहर के सोनारी इलाके में शादी के महज 16 दिन बाद एक नवविवाहिता द्वारा आत्महत्या किए जाने से सनसनी फैल गई है। मृतका की पहचान रीता महतो के रूप में हुई है, जिसकी 29 अप्रैल को शादी हुई थी और 16 मई को उसका शव फंदे से लटका मिला। इस घटना ने न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे समाज को झकझोर दिया है। एक ओर जहां ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, वहीं मायके पक्ष ने इसे सुनियोजित हत्या करार दिया है।

रीता के पति चंदन महतो का कहना है कि घटना वाले दिन रीता ने कहा था कि वह एक फेयरवेल पार्टी में जा रही है। लेकिन बाद में उसके मोबाइल में स्विमिंग पूल की तस्वीरें देखे जाने के बाद वह नाराज हो गया और उसने यह बात रीता के पिता को भी बता दी थी। पति के अनुसार, इसके कुछ ही घंटे बाद रीता ने खुदकुशी कर ली। चंदन का यह भी कहना है कि उन्हें इस तरह के किसी कदम की उम्मीद नहीं थी और वह खुद सदमे में हैं। दूसरी ओर, रीता के भाई शंभू महतो ने पूरे मामले में ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि शादी के तुरंत बाद से ही दहेज में बाइक की मांग शुरू हो गई थी। रीता को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। उनका कहना है कि यह आत्महत्या नहीं, साफ-साफ हत्या है। शंभू के अनुसार, शादी पारिवारिक सहमति से हुई थी और दोनों हनीमून के लिए दार्जिलिंग भी गए थे। लेकिन 14 मई को जब रीता मायके से लौटी, तो दो दिन बाद ही उसकी मौत की खबर आ गई।

घटना के बाद पुलिस ने मौके से शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत के कारणों पर स्पष्टता आएगी। पुलिस का कहना है कि मामला बेहद संवेदनशील है और हर पहलू से गंभीरता से जांच की जा रही है।

समारोह आयोजित कर सिलाई मशीन, साइकिल तथा नियुक्ति पत्र का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, झारखंड के तहत स्वयं सहायता समूह के जनजातीय महिलाओं के बीच निःशुल्क सिलाई मशीन, मुख्यमंत्री साइकिल वितरण के अंतर्गत छात्र-छात्राओं के मध्य साइकिल, मनरेगा अंतर्गत नवचयनित तकनीकी सहायकों तथा ग्राम रोजगार सेवकों के बीच नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन नगर भवन, खूंटी में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खूंटी लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण मुडा, उपायुक्त लोकेश मिश्रा, डीडीसी श्याम नारायण राम, परियोजना निदेशक, आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप सहित अन्य गणमान्य लोगों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

समारोह में मनरेगा अंतर्गत संविदा आधारित 04 तकनीकी सहायक, 09 ग्राम रोजगार सेवक को नियुक्ति पत्र दिया गया। साथ ही स्वयं सहायता समूह के 218 जनजातीय महिलाओं को सिलाई मशीन एवं 24 विद्यार्थियों को साइकिल दिया गया। मौके पर मानीय सांसद श्री काली चरण मुंडा ने कहा कि जिले में विकास के क्षेत्र में अच्छा कार्य हो रहा है।

उन्होंने कहा कि जेएसएलपीएस अपने कार्यों का और बेहतर निष्पादन करे। केवल कागजी कार्रवाई से योजनाओं को धरातल पर नहीं उतारा जा सकता है। उन्होंने डीडीसी से संचालित योजनाओं की लगातार निगरानी करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जिला में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की काफी संभावनाएं हैं।

प्रशासन ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर का सृजन कर बेरोजगार लोगों को स्वरोजगार का मौका उपलब्ध कराये। उन्होंने कहा कि खूंटी क्षेत्र के लाह की क्वालिटी सर्वोतम है। वनोपज से अच्छी आमदनी प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने किसानों से आधुनिक तरीके से खेती करने की अपील की। जेएसएलपीएस, खूंटी को उत्पादों की बिक्री हेतु ग्रामीणों के लिए बाजार उपलब्ध कराने में मदद करने को कहा गया। वही मौके पर उपस्थित माननीय विधायक, खूंटी श्री राम सूर्या मुडा ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए मेहनत के साथ कार्य करने की अपील की।

समारोह में उपायुक्त ने कहा कि नव चयनित तकनीकी सहायक एवं रोजगार सेवकों के योगदान के पश्चात योजनाओं के क्रियान्वयन में गति आएगी।

उन्होंने नवचयनित कर्मियों से पूरी निष्ठा, मेहनत और ईमादारी के साथ अपने कार्यों से संचालित योजनाओं को शत-प्रतिशत धरातल पर उतारने की दिशा में कार्य करने की अपील की ताकि ग्रामीण क्षेत्रों का विकास हो सके।

उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग की 218 महिलाओं को किसी न किसी रूप से पूर्व में प्रशिक्षण दिया गया है, जिन्हें आज सिलाई मशीन दी जा रही है। उन्होंने महिलाओं से अपील किया कि वह सिलाई मशीन का उपयोग कर स्वरोजगार आरंभ करें। इन महिलाओं को पुनः 10 दिनों का प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की भी बात कही गई। जिससे वह बेहतर तरीके से अपने स्वरोजगार को व्यवसाय का रुप देकर सभी अपनी आजीविका में संवर्धन कर सकें। जिला प्रशासन अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग की महिलाओं की आजीविका संवर्धन में हर सहयोग के लिए सदैव तत्पर है। समारोह में जिला परिषद, खूंटी अध्यक्ष मसीह गुड़िया, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

उपायुक्त ने की क्लिनिकल स्टैब्लिशमेंट को ले बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त, लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में आज पीसी एंड पीएनडीटी तथा क्लिनिकल एस्टैब्लिसमेंट से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा के पश्चात संबंधित अधिारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा जिला अंतर्गत सभी अल्ट्रा साउण्ड क्लीनिकों का सख्ती से निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया।

निर्देशित किया गया कि लिंग निर्धारण करने वाले क्लीनिक पर पीसी एंड पीएनडीटी प्रावधान के तहत कार्रवाई किया जाए। निबंधित अल्ट्रा साउण्ड क्लिनिक तथा नवीकरण हेतु क्लीनिक पर चर्चा के दरम्यान उपायुक्त द्वारा उक्त क्लिनिकों का पुनः टीम का गठन कर नियमित रूप से पूरी टीम के साथ जाँच करने का निर्देश दिया गया। साथ हीं बिना निबंधन के संचालित क्लीनिक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने को कहा गया। अवैध रूप से संचालित क्लिनिक को सील करने का भी निर्देश दिया गया। क्लिनिकल एस्टैब्लिसमेंट की बैठक में सिविल सर्जन ने बताया कि कोई भी नए आवेदन प्राप्त नही हुए है। बैठक में कश्यप डियोगनास्टिक सेंटर के स्थान परिवर्तन को मंजूरी दी गई। वहीं अवैध तरीके के जिले में होने वाले एबॉर्शन पर चिंता व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने इसकी गभीरता से जांच एवं कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके अलावे राज्य नोडल पदाधिकारी का दूरभाष संख्या 7782860666 को सभी क्लिनिक्स में प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया। सभी पंजीकृत क्लिनिक्स से पुराने दूरभाष संख्या 9835133980 के स्थान पर नया दूरभाष संख्या 7782860666 को निश्चित रूप से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया।इस बैठक में मुख्य रूप से सिविल सर्जन खूँटी, डीएसपी मुख्यालय, आयुष चिकित्सा पदाधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, खूँटी, डीडीएम समेत अन्य संबंधित सदस्य उपस्थित थे।

कैबिनेट की बैठक में कई मुद्दों पर बनी सहमति

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बुलाई गई कैबिनेट बैठक समाप्त हुई। आज बुलाए गए कैबिनेट बैठक में उत्पाद नीति पर लाए गए प्रस्ताव को पास कर दी गई है। वहीं, आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 वर्ष की आयु से अधिक आयु वाले झारखंड राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना योजना से आच्छादित करने के लिए मंजूरी मिल चुकी है। झारखंड सरकार द्वारा कैबिनेट में कई ऐसे प्रस्ताव को भी पारित कर दिए गए हैं, जिसका लाभ जनमानस को आने वाले समय में मिलेगी।

नहीं हुई 11वीं की परीक्षा, 12वीं की कक्षाएं शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य के सरकारी स्कूलों में अभी 11वीं की परीक्षा नहीं हुई है, लेकिन इन बच्चों की 12वीं की कक्षाएं शुरू हो गई है। अब इनके बीच असमंजस यह है कि आखिर बिना परीक्षा लिखे और उसका रिजल्ट आए 12वीं की पढ़ाई का कितना महत्व होगा।

पिछले वर्ष 11वीं की परीक्षा में 98 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने सफलता हासिल की थी, जबकि करीब दो प्रतिशत बच्चे असफल हुए थे। उसके बाद यदि इस बार भी जो बच्चे असफल होंगे, उन्हें फिर से 11वीं की कक्षा में जाना होगा, लेकिन उस वक्त तक उनका करीब तीन माह का सिलेबस पीछे होगा।

इससे इन बच्चों की मनोदशा पर भी असर पड़ेगा। शिक्षकों का कहना है कि जैक ने अभी तक परीक्षा नहीं ली है, उसकी देरी की वजह से इन बच्चों की समस्या बढ़ी है।

एक तो नए सत्र की कक्षाएं शुरू हो गई हैं और 11वीं की परीक्षा अब 20 मई से शुरू हो रही है, उसके बाद इन बच्चों को फिर से 11वीं की तैयारी कर परीक्षा देनी होगी। ऐसी शिक्षण व्यवस्था किसी दूसरे राज्य में देखने को नहीं मिलती है।

सिर्फ परीक्षा आयोजन में देरी की वजह से शिक्षक स्कूलों में बैठे नहीं रहे इसलिए बिना फाइनल परीक्षा दिए ही बच्चों के नए सत्र की कक्षाएं शुरू कर दी गई है। अगर यह परीक्षा समय पर हो जाती तो शायद ये बच्चे 12वीं में ही अपना पूरा ध्यान केंद्रित कर सकते थे। पूरे राज्य से 11वीं की परीक्षा में करीब 3.5 लाख बच्चे हैं, जो 11वीं के परिणाम जाने बिना ही 12वीं की कक्षा शुरू कर चुके हैं।

नियमित सत्र के अनुसार फरवरी में ही 11वीं की परीक्षा हो जानी थी। मार्च में रिजल्ट आ जाना चाहिए था। अप्रैल से 12वीं कक्षाएं शुरू हो जानी चाहिए थी, लेकिन 20 से 23 मई तक परीक्षा चलेगी। उसके बाद रिजल्ट आने में भी कम से कम एक महीने का समय लगेगा। उसके बाद जुलाई में बच्चे 12वीं में जाएंगे। बिना परीक्षा दिए 12वीं कक्षा में प्रोविजन प्रमोट किए गए बच्चों का रेगुलर असिस्टेंट परीक्षा लेने की तैयारी थी। यह परीक्षा पांच और छह मई को ली जानी थी।

वज्रपात से चार जवान झुलसे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। जिले से एक दुखद खबर सामने आई है। जिले के घने सारंडा जंगल में नक्सलियों के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन के दौरान तेज बारिश हो रही थी, इसी बीच आकाशीय बिजली गिर गई। इस वज्रपात की चपेट में आकर सीआरपीएफ के दो और झारखंड जगुआर के दो जवान बुरी तरह झुलस गए।

इस हादसे में सीआरपीएफ के द्वितीय कमान अधिकारी एमपी सिंह की मौत हो गई। पुलिस कप्तान आशुतोष शेखर ने उनकी मौत की पुष्टि की है और बताया कि उनका शव पोस्टमार्टम के लिए जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल भेजा गया है। घटना सारंडा के बालिबा स्थित सीआरपीएफ कैंप की है, जहां अचानक वज्रपात होने से एमपी सिंह की जान चली गई और तीन अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में सहायक कमांडेंट सुबीर मंडल, झारखंड जगुआर के एएसआई सुदेश और एएसआई चंदन हांसदा शामिल हैं। इन सभी को बेहतर इलाज के लिए नोवामुंडी के टाटा मेन अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चेहरा प्रमाणीकरण की धीमी प्रगति पर वेतन स्थगित करने का निदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त शशि रंजन के निदेश पर उप विकास आयुक्त सभागार में बाल विकास परियोजना से जुड़े पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें आंगनबाड़ी में सेविका/सहायिका के रिक्त पदों चयन, केन्द्रों में विद्युतिकरण, पेयजल एवं शौचालय की उपलब्धता एवं चेहरा प्रमाणीकरण को लेकर आयोजित बैठक में समाज कल्याण विभाग अंतर्गत बाल विकास परियोजनाओं में संचालित योजनाओं को ससमय क्रियान्वयन हेतु समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य रूप समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान उपस्थित रहीं।

बैठक में चेहरा प्रमाणीकरण की धीमी प्रगति पर ने कड़ी नाराजगी जताई गई। चेहरा प्रमाणीकरण में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद के निदेशानुसार नीलाम्बर- पीताम्बरपुर परियोजना को छोड़कर शेष सभी बाल विकास परियोजना के महिला पर्यवेक्षिकाओं का वेतन अगले आदेश तक स्थगित करने का निदेश दिया गया। वहीं 22 मई तक 70 प्रतिषत तथा 31 मई 2025 तक शत प्रतिशत चेहरा प्रमाणीकरण का निदेश दिया गया। चेहरा प्रमाणीकरण एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के कार्य में शिथिलता बरतने वाली आंगनबाड़ी सेविकाओं को चिन्हित कर मानदेय रोकने का भी निदेश दिया। वहीं मानदेय भुगतान स्थगित करने हेतु चिन्हित आंगनबाड़ी सेविकाओं की सूची जिला को भी उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना 70 प्रतिशत उपलब्धि हासिल नहीं करने वाली महिला पर्यवेक्षिकाओं का वेतन अगले आदेश तक स्थगित करने का निदेश दिया गया। वहीं 25 मई 2025 तक शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने एवं आवंटित लक्ष्य के विरूद्ध 30 मई 2025 तक शत प्रतिशत इंट्री करने का निदेश दिया गया।

सेविका/सहायिका चयन हेतु दो दिनों के अंदर आमसभा की सूचना प्रकाशित कराने का निदेश दिया। विदित हो कि जिले में 2625 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 37 सेविका एवं 264 सहायिका का पद रिक्त है। रिक्त पदों पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी डालटनगंज ग्रामीण, पाटन एवं तरहसी के द्वारा विभागीय निदेश के बावजूद भी अबतक चयन हेतु सूचना का प्रकाशन नहीं किये जाने पर नाराजगी जताते हुए सूचना प्रकाशित करने का निदेश दिया गया।

जिले में किराये के भवन में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों में शत प्रतिशत विद्युत की उपलब्ध कराने एवं सरकारी भवनों में संचालित केन्द्रों में एक सप्ताह के अंदर विद्युत विभाग से समन्वय स्थापित स्थापित करते हुए विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। वहीं पानी एवं शौचालय की व्यवस्था नहीं रहने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता से समन्वय स्थापित करने का निदेश सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को दिया।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

सं. सीओएम/पीयूबी/पीआरओ/ई-ऑक्शन/2025 **दिनांक 15.05.2025**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण निम्नानुसार है: नीलामी की कैटेगरीः वाणिज्यिक प्रचार (विज्ञापन)। **ई-नीलामी कैटलॉग सं.:** एडीवीटी-एएसएन-30-05, **नीलामी शुरू होने की तिथि और समयः** दिनांक 30.05.2025 को 12.00 बजे। **स्टेशन/स्थान का नाम/ट्रेन नं. एवं एसएलआरः आरडीएनः (1) पानागढ़ में**-पानागढ़ स्टेशन के अंदर नॉन-डिजिटल मीडिया के माध्यम से विज्ञापन। **(2) दुर्गापुर में**-दुर्गापुर स्टेशन के हावड़ा सिरे के पास एफओबी के करीब एवं उत्तरी भाग के बुकिंग ऑफिस के निकट ग्लोसाइन/बैक लिट के माध्यम से विज्ञापन। **ओओएचः (1) अण्डाल में**-12 लाइट पोस्ट के दोनों ओर होर्डिंग के माध्यम से विज्ञापन। **(2) सिमुलतला में**-सिमुलतला स्टेशन के उत्तरी भाग के सर्कुलेटिंग एरिया में होर्डिंग के माध्यम से विज्ञापन। **(3) सिमुलतला में**-सिमुलतला स्टेशन के दक्षिण भाग के सर्कुलेटिंग एरिया में होर्डिंग के माध्यम से विज्ञापन। कुल 05 परिसंपत्तियाँः **आरडीएन परिसंपत्तियों की सं.: 02,, ओओएच परिसंपत्तियों की सं.: 03,** सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि दी गई सूची के अनुसार संपूर्ण विवरण को जानने एवं उक्त ई-नीलामी में भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।

ASN-47/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आरसीबी-केकेआर मुकाबले से फिर से शुरू होगी लीग, टेस्ट से संन्यास ले चुके कोहली पर नजरें

बंगलूरू, एजेंसी

आईपीएल 2025 के दूसरे चरण का आगाज शनिवार से होने जा रहा है। यह लीग का 58वां मुकाबला होगा और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा।इस मैच में सभी की निगाहें हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली पर होंगी।

लीग में 10 दिनों की अप्रत्याशित रुकावट

10 दिनों के अप्रत्याशित रुकावट के बाद आरसीबी और केकेआर दोनों प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पूरा जोर लगाएंगे। आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है और केकेआर के खिलाफ जीत टीम के लिए प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की कर देगी। वहीं, केकेआर 12 मैचों में 11 अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर है और एक भी हार मौजूदा चैंपियन की नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीदों को खत्म कर देगी।

दोनों टीमें शानदार लय में चल रहीं

लीग की रुकावट से पहले दोनों टीमें शानदार लय में थी। आरसीबी ने जहां अपने पिछले चारों मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि केकेआर की टीम लगातार दो जीत के साथ इस मैच में उतरेगी। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि ये टीमों अपनी लय को किस तरह से बनाये रखती है। कागजों पर दोनों टीमों की तुलना करें तो इसमें कोई शक नहीं की केकेआर पर आरसीबी का पलड़ा भारी होगा।

कप्तान पाटीदार के अंगुली में लगी है चोट

चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ चोटिल हुए कप्तान रजत पाटीदार ने अभ्यास सत्र में बिना किसी परेशानी के बल्लेबाजी की। पाटीदार को अंगुली में चोट लगी थी, लेकिन नेट सत्र में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की। मेजबान टीम के अधिकांश विदेशी खिलाड़ी भी भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव के बाद स्वदेश लौट आए हैं। फिल सॉल्ट, लुंगी एनगिडी, टिम डेविड, लियाम लिविंगस्टोन और रोमारियो शेफर्ड जैसे खिलाड़ी टीम के लिए उपलब्ध हैं।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11

- **आरसीबी–** जैकब बेथेल/फिल सॉल्ट, विराट कोहली, स्वास्तिक चिकारा/मयंक अग्रवाल, रजत पाटीदार (कप्तान/फिटनेस के अधीन), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, लुंगी एनगिडी, यश दयाल। सुयश शर्मा इम्पैक्ट प्लेयर हो सकते हैं।
- **केकेआर–** रहमनुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सुनील नरेन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती। हर्षित राणा इम्पैक्ट प्लेयर हो सकते हैं।

मयंक अग्रवाल खुद को साबित करना चाहेंगे

देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की चोट के कारण गैरमौजूदगी हालांकि एक बड़ी समस्या हो सकती है। आरसीबी पडिक्कल की जगह लेने वाले मयंक अग्रवाल से इस मौके को भुनाने की उम्मीद करेगी। हेजलवुड के कंधे में चोट है और फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता के बारे में जानकारी नहीं दी है।

कोहली पर होंगी सभी की निगाहें

मैच में हालांकि सबकी नजरें कोहली पर होंगी। स्टेडियम में भी दर्शक उनके नाम का सबसे ज्यादा नारा लगाएंगे। इस दिग्गज बल्लेबाज ने इस सप्ताह की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं पर अगर गौर करें तो प्रशंसक खेल के पारंपरिक प्रारूप को सबसे ज्यादा महत्व देने वाले इस बल्लेबाज को सम्मानित करने के लिए सफेद जर्सी पहनने की योजना बना रहे हैं।

प्रभावशाली पारियां खेलना चाहेंगे विराट कोहली

शानदार लय में चल रहे कोहली भी टेस्ट करियर के अचानक समाप्त होने के बाद बल्ले से कुछ प्रभावशाली पारियां खेलना चाहेंगे। केकेआर को मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा निराशा अपने बल्लेबाजों से हुई है। कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा अंगकृष रघुवंशी के अलावा किसी भी बल्लेबाज ने निरंतरता नहीं दिखायी हैं।

केकेआर की बल्लेबाजी सबसे बड़ी समस्या

केकेआर टीम के लिए लीग चरण के सभी मैच करो या मरो की तरह है ऐसे में उसे वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह से प्रभावी पारियों की उम्मीद होगी। टीम को इंग्लैंड के अनुभवी हरफनमौला मोईन अली की कमी खलेगी। मोईन वायरल बुखार के कारण लीग से बाहर हो गए हैं। वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन, वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा की केकेआर की गेंदबाजी लाइन-अप ने कई मौकों पर महंगे साबित होने के बावजूद अपनी पकड़ बनाए रखी है।

मैं वहां होता तो रोहित को सिडनी टेस्ट से बाहर नहीं होने देता: शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि अगर वह कोच होते, तो उन्होंने यह सुनिश्चित किया होता कि रोहित शर्मा, जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में अंतिम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट में मैदान पर उतरते। पिछले हफ्ते, रोहित ने 67 टेस्ट मैचों में 4,301 रन बनाकर टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा, जिसमें उनका औसत 40.57 रहा, 12 शतक शामिल थे और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 212 था। 2022 से भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में, रोहित ने 24 टेस्ट में टीम का नेतृत्व किया और 12 में जीत हासिल की, जिसमें 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में उपविजेता बनना शामिल है। लेकिन पिछले साल सितंबर से खराब फॉर्म के कारण रोहित का टेस्ट करियर मुश्किल में था। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में, रोहित केवल एक बार 50 रन का आंकड़ा पार कर सके, जबकि उनका औसत केवल 10.93 रहा।पहले टेस्ट में पर्थ में अपने बेटे के जन्म के कारण अनुपस्थित रहने के बाद, रोहित अगले तीन टेस्ट में खेले, लेकिन केवल 31 रन बना सके। इस खराब प्रदर्शन के कारण 38 वर्षीय रोहित जनवरी में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में अंतिम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट से बाहर रहे। शास्त्री ने द आईसीसी रिव्यू शो में कहा कि मैंने रोहित को टॉस के दौरान (एक आईपीएल मैच में) देखा। टॉस के समय ज्यादा बात करने का मौका नहीं मिलता। फिर भी, मैंने मुंबई में एक मैच के दौरान उनके कंधे पर हाथ रखा और कहा कि अगर मैं कोच होता, तो आप कभी भी उस आखिरी टेस्ट मैच से बाहर नहीं होते। आप उस आखिरी टेस्ट में जरूर खेलते क्योंकि सीरीज खत्म नहीं हुई थी। मैं ऐसा कोच नहीं हूं जो 2-1 के स्कोरलाइन के साथ हार मान ले। अगर आपका मनोबल ऐसा है कि आपको लगता है... यह वह समय नहीं है जब आप टीम को छोड़ते हैं।2-1 की स्थिति में सीरीज के साथ, शास्त्री ने आगे बताया कि रोहित को सिडनी टेस्ट क्यों खेलना चाहिए था। वह एक 30-40 रन का खेल था। मैंने उनसे यही कहा। सिडनी की पिच इतनी तेज थी। चाहे वह किसी भी फॉर्म में हों, वह एक मैच-विनर हैं। अगर वह गए होते, स्थिति को समझते, परिस्थितियों को भांपते और शीर्ष पर 35-40 रन भी बना लेते, तो कौन जानता है। वह सीरीज बराबर हो सकती थी। लेकिन यह सबकी अपनी सोच है। दूसरों के अलग तरीके हैं। यह मेरा तरीका होता और मैंने उन्हें यह बता दिया। यह बात मेरे दिल में लंबे समय से थी। मुझे इसे बाहर निकालना था। और मैंने उनसे यह कहा।

अल्टीमेट टेबल टेनिस का छठा सत्र 31 मई से, फाइनल 15 जून को

नई दिल्ली (एजेंसी)। अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) का छठा सत्र अहमदाबाद के 'ईकेए एरिना' में दोहरे मुकाबलों के साथ शुरू होगा जिसमें गत चैंपियन डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और घरेलू टीम अहमदाबाद एसजी पाइपर्स के बीच मैच भी शामिल है।लीग का आगाज दूसरे सत्र की चैंपियन दबंग दिल्ली टीटीसी और श्रीजा अकुला की अगुवाई वाली जयपुर पैट्रियट्स के बीच होने वाले मैच से होगा। आठ फ्रेंचाइजी 23 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी, जिसका फाइनल 15 जून को होगा।विश्व की 14वें नंबर की खिलाड़ी बर्नाडेट स्जोक्स और उभरती हुई भारतीय स्टार यशस्विनी घोरपड़े की अगुआई में यू मुंबा टीटी की टीम अपने सत्र की शुरुआत एक जून को महाराष्ट्र डर्बी के साथ करेगी। टीम के सामने स्पेन के दिग्गज अल्वारो रॉबल्स की कप्तानी वाली पीबीजी पुणे जगुआर की चुनौती होगी।विश्व के युवा नंबर पांच अंकुर भट्टाचार्जी, ओलंपियन कादरी अरुणा और एड्रियाना डियाज की मौजूदगी वाली कोलकाता थंडरब्लेड्स अपने अभियान की शुरुआत दो जून को तीसरे सत्र की विजेता चेन्नई लायंस के खिलाफ करेगी।चेन्नई लायंस का नेतृत्व मौजूदा सत्र के सबसे महंगे खिलाड़ी चीन के फैन सिकी और पूर्व विश्व युवा नंबर एक (अंडर-17) पायस जैन करेंगे। इसका सेमीफाइनल 13 और 14 जून को खेला जाएगा।प्रत्येक टीम ग्रुप चरण में पांच मुकाबले खेलेगी।

बार्सिलोना 28वीं बार बना ला लीगा चैंपियन, यमल के शानदार गोल से जीती टीम

बार्सिलोना, एजेंसी

स्पेन के स्टार युवा फुटबॉलर लामिन यमल के शानदार गोल की बदौलत बार्सिलोना ने गुरुवार को एस्पेनयॉल को 2-0 से हराकर दो मैच शेष रहते हुए 28वीं बार ला लीगा का खिताब को अपने नाम किया। ला लीग स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग है।

यमल और लोपेज ने दागे गोल

मैच का पहला हाफ गोल रहित छूटने के बाद 17 साल के यमल ने 53वें मिनट में गोल कर बार्सिलोना को बढ़त दिलाई और फेरमिन लोपेज ने स्टॉपेज समय (90+5 मिनट) में गोल कर टीम की 2-0 से जीत पक्की कर दी। एफसी बार्सिलोना की यह 36 मैचों में 27वीं जीत है और टीम ने 85 अंक के साथ खिताब पक्का कर लिया। दूसरे स्थान पर काबिज रियल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 78 अंक है और अब उसके लिए बार्सिलोना की बराबरी करना संभव नहीं है।

यमल की शानदार ड्रिब्लिंग

यमल ने एस्पेनयॉल के दो डिफेंडरों को छकाते हुए अपने चिर-परिचित अंदाज में बायें पैर से गोल पोस्ट कॉर्नर में गेंद को मार कर अपने इस शानदार सत्र को और यादगार बनाया। पिछले साल स्पेन को यूरो कप जीतने में अहम भूमिका निभाने वाले यमल ने अपनी ड्रिबलिंग और प्लेमेकिंग की कौशल से सभी को प्रभावित किया और बताया कि क्यों उन्हें आने वाले समय का सुपरस्टार कहा जाता है। यमल के साथ राफिन्हा, पेड्री जैसे दिग्गज खिलाडियों ने इस सत्र में बार्सिलोना के अभियान को यादगार बना दिया।

पेड्री का 200वां मैच बना खास

22 साल के पेड्री का यह बार्सिलोना के लिए 200वां मैच था। एस्पेनयॉल को 80वें मिनट के बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। लिआंड्रो कैबरेरा को गेंद को लेकर विवाद करते समय यमल के पेट पर गेंद मारने के कारण रेड कार्ड दिखा गया। लोपेज ने स्टॉपेज समय में गोल कर टीम की जीत पर मुहर लगा दी।

मेसी ने भी पुरानी टीम को दी बधाई

दिग्गज लियोनेल मेसी ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये अपनी पुरानी टीम को चैंपियन बनने की बधाई दी। रियल मैड्रिड ने भी अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी को एक्स पर बधाई दी, जबकि बार्सीलोना के हजारों प्रशंसक शहर के मुख्य क्षेत्र में इस खिताब का जश्न मनाया।

एक कार दुर्घटना के कारण शुरुआती मिनटों में रेफरी ने खेल को कुछ समय के लिए रोक दिया था। यहां के आरसीडीई स्टेडियम के बाहर भीड़ में कार के घुसने ये कई लोग घायल हो गए थे।अधिकारियों ने हालांकि कहा कि यह एक दुर्घटना थी और इसका इस मैच से कोई संबंध नहीं था।

ला लीगा के अन्य मैचों का हाल

अन्य मैचों में चौथे स्थान पर काबिज एथलेटिक बिलबाओ ने गेटाफे पर 2-0 से जीत हासिल कर चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की की। तीसरे स्थान पर मौजूद एटलेटिको मैड्रिड को ओसासुना के खिलाफ 2-0 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि रियल बेटिस को रेयो वैलेकानो के साथ 2-2 से ड्रा खेलने के बाद चैंपियंस लीग के क्वालिफिकेशन के लिए पांचवें स्थान पर पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। टीम 59 अंक के साथ छठे पायदान पर है।

शुभमन गिल को अभी समय चाहिए, रविंद्र जडेजा बना सकते हैं कप्तानः अश्विन

चेन्नई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भारतीय टेस्ट कप्तानी के लिए अपने लंबे समय के स्पिन जोड़ीदार रवींद्र जडेजा का नाम सुझाया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर गुरुवार को यह राय जाहिर की।अश्विन ने कप्तानी के दावेदारों पर चर्चा करते हुए कहा कि कुछ स्पष्ट विकल्प हैं, लेकिन मैं रवींद्र जडेजा का नाम भी जोड़ना चाहूंगा। कप्तान या उप-कप्तान की चर्चा से पहले खिलाड़ी का प्लेइंग इलेवन में होना जरूरी है। जडेजा एक स्वाभाविक चयन हैं। उन्होंने आगे कहा कि जडेजा टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। अगर नए खिलाड़ी को दो साल तक तैयार कर कप्तान बनाया जा सकता है, तो जडेजा भी दो साल तक यह भूमिका निभा सकते हैं। उन्हें उप-कप्तान के रूप में भी आजमाया जा सकता है।36 वर्षीय जडेजा ने 80 टेस्ट में 3,370 रन (34.74 की औसत, 4 शतक, 22 अर्धशतक) और 323 विकेट लिए हैं। हालांकि, जडेजा ने भारत के लिए किसी भी प्रारूप में कप्तानी नहीं की है। उन्होंने 2022 आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी की थी, लेकिन 8 में से केवल 2 मैच जीतने के बाद बीच सीजन में एमएस धोनी को कप्तानी सौंप दी थी।

दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका

आईपीएल के बाकी बचे मैच खेलने भारत नहीं आएंगे स्टार्क

सिडनी, एजेंसी

मिचेल स्टार्क ने आईपीएल 2025 के बाकी मैचों से अपना नाम वापस ले लिया है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टूर्नामेंट के बाकी मैचों के लिए दिल्ली कैपिटल्स में शामिल होने के लिए भारत नहीं लौटेगा। यह दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक बड़ा झटका है, जिन्होंने अभी तक आईपीएल 2025 प्लेऑफ के लिए जगह पक्की नहीं की है।

स्टार्क 11 मैचों में 26.14 की औसत से 14 विकेट लेकर सीजन में अब तक डीसी के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

24 मई को दोबारा खेला जाएगा धर्मशाला में रद्द हुआ मुकाबला

धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ डीसी का पिछला मैच बीच में ही रद्द कर दिया गया था, जो अब 24 मई को फिर से खेला जाएगा। बहरहाल, माना जा रहा है कि स्टार्क विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा बनेंगे, जहां गत चैंपियन का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा।

वहीं, इस बात की अभी भी कोई पुष्टि नहीं हुई है कि फाफ डु प्लेसिस डीसी लौटेंगे या नहीं, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने अपनी वापसी की पुष्टि की है, लेकिन केवल बाकी लीग चरण के लिए, जिसके बाद वह डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए रवाना होंगे। डीसी ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क के स्थान पर मुस्तफिजुर रहमान को भी साइन किया है, जो भारत नहीं लौट रहे हैं।

आईपीएल 2025 में मुस्तफिजुर की भागीदारी को लेकर अभी भी थोड़ी अनिश्चितता है, क्योंकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि क्रिकेटर ने अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए संपर्क नहीं किया है। वे अभी यूएई के खिलाफ टी20ई सीरीज खेलने के लिए शारजाह में है।

आईपीएल में अन्य ऑस्ट्रेलियाई लोगों के बारे में बात करते हुए, पैट कमिंस और ट्रैविस हेड दोनों सनराइजर्स हैदराबाद के साथ जुड़ने के लिए भारत लौट रहे हैं, जो प्लेऑफ़ की दौड़ से बाहर हैं और 25 मई को सीजन के लिए अपना अभियान समाप्त करेंगे, जिससे दोनों खिलाड़ियों को डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। लीग चरण में डीसी के अभी भी तीन मैच बाकी हैं, और उनका अगला मुकाबला रविवार को गुजरात टाइटन्स से होगा।

जॉनसन का बेतुका बयान, विदेशी खिलाड़ियों को शेष मैचों से दूर रहने को कहा

सिडनी, एजेंसी

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन का एक बेतुका बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि विदेशी खिलाड़ियों का आईपीएल के शेष मैचों के लिए लौटना बुद्धिमानी भरा फैसला नहीं है। उन्होंने विदेशी खिलाड़ियों से भारत-पाकिस्तान तनाव की वजह से उत्पन्न मौजूदा परिस्थितियों को लेकर बयान दिया और कहा कि विदेशी खिलाड़ियों को पैसों से ज्यादा अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष और सीमा पर तनाव के कारण दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग को नौ मई को निलंबित कर दिया गया था। इसके निलंबन के एक दिन बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की गई। इससे शनिवार से आईपीएल के फिर से शुरू होने का रास्ता साफ हो गया। हालांकि, जॉनसन का मानना है कि विदेशी खिलाड़ियों के लिए बाकी बचे मैचों में भाग न लेना समझदारी होगी।

उन्होंने वेस्ट ऑस्ट्रेलियन अखबार के लिए अपने कॉलम में लिखा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने खिलाड़ियों को अपने निर्णय लेने का अधिकार दिया है, लेकिन उनके लिए विकल्पों का चयन करना मुश्किल हो सकता है। क्रिकेट में इन दिनों बहुत ज्यादा पैसे खर्च हो रहे हैं, लेकिन यह अब भी एक खेल ही है और इस सप्ताह आईपीएल के बंद होने के बाद इस बात पर काफी ध्यान गया है।

उन्होंने कहा, मुझे अगर यह फैसला करना पड़े कि भारत वापस लौटकर टूर्नामेंट खत्म करूं या नहीं, तो यह एक आसान फैसला होगा। मैं इसका जवाब नहीं में देना पसंद करूंगा। जिंदगी और सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण चीज है, पैसे नहीं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को कहा कि उसने व्यापक विचार-विमर्श करने और सरकार से आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के बाद लीग को फिर से शुरू करने का फैसला किया है। इसका फाइनल पहले से तय 25 मई की जगह अब तीन जून को खेला जाएगा। हालांकि, अब तक फाइनल समेत प्लेऑफ के चार मैचों का स्थान तय नहीं किया गया है।

संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक प्लेऑफ में भाग लेने वाले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों को 11 जून से लॉर्ड्स में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की तैयारी के लिए काफी कम समय मिलेगा।

किसी को वापस जाने के लिए दबाव महसूस नहीं करना चाहिए

जॉनसन ने कहा, यह एक व्यक्तिगत फैसला है। किसी को भी वापस जाने के लिए मजबूर या दबाव महसूस नहीं करना चाहिए। भले ही आईपीएल और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) इसके लिए कड़ी मेहनत करें। दोनों टूर्नामेंटों को अभी समाप्त कर देना चाहिए या स्थानांतरित करने पर विचार करना चाहिए।

उन्होंने डब्ल्यूटीसी फाइनल का जिक्र करते हुए कहा, यह मत भूलिए कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के कुछ खिलाड़ियों को आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए तैयारी करने की जरूरत होगी। आईपीएल फाइनल अब तीन जून तक टाल दिया गया है, जो लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले है। टेस्ट क्रिकेट के सबसे अहम मैच में से एक के लिए खिलाड़ियों की तैयारी प्रभावित होना भी एक बड़ा मुद्दा है।

संक्षिप्त समाचार

मोहल्ला क्लीनिक में तैनात डॉक्टरों की टेंशन हुई खत्म

CM रेखा गुप्ता ने दिया ये आश्वासन

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाने की घोषणा के बाद अपनी नौकरी को लेकर चिंतित मोहल्ला क्लीनिक में तैनात डॉक्टर और पैरा मेडिकल स्टाफ के प्रति मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सहानुभूति दिखाई है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया है कि नई भर्ती में उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

शुक्रवार सुबह शालीमार बाग स्थित आवास पर मोहल्ला क्लीनिक में कार्यरत डॉक्टर और पैरा मेडिकल स्टाफ के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से अपनी चिंता साझा कीं। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि आप निश्चिंत रहें, दिल्ली में जो भी नए आरोग्य मंदिर बनाए जाएंगे, उनमें नई भर्ती में पहले आपको प्राथमिकता (आक्यूपाई करेंगे) दी जाएगी, इसके बाद किसी और को रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार ने एक दिन पहले ही मोहल्ला क्लीनिक में कार्यरत 431 डॉक्टर को एक साल के लिए कार्य विस्तार दिया गया है।

100 से अधिक अभिभावकों ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पब्लिक स्कूल में चल रहा फीस वृद्धि का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। फीस वृद्धि के मामले के बीच स्कूल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए 100 से अधिक अभिभावकों ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। अभिभावकों ने अपने बच्चों की सुरक्षा की मांग करते हुए स्कूल को दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के नियंत्रण में देने का निर्देश देने की मांग की। याचिका में कहा गया है कि पिछले कुछ वर्षों में स्कूल ने अभिभावकों से अस्वीकृत फीस वसूलने के लिए दबाव डाला है और बलपूर्वक तरीकों का इस्तेमाल किया है।

वहीं, बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने

अभिभावकों को याचिका के परिणाम के अधीन बढ़ी हुई फीस का 50 प्रतिशत जमा करने का सुझाव दिया। हालांकि, अभिभावकों ने यह कहते हुए सुझाव को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया कि उनके लिए पैसा जमा करना संभव नहीं है। अभिभावकों के वकील ने कहा कि स्कूल ने फीस में सात हजार रुपये प्रति माह की वृद्धि की और अब इसे नौ हजार रुपये मासिक बढ़ा दिया है। अभिभावकों का पक्ष सुनने के बाद अदालत ने मामले की सुनवाई शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी। अभिभावकों ने दावा किया कि स्कूल ने बाउंसर रखकर अस्वस्थ, गंदे और अमानवीय व्यवहार का सहारा लिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बाउंसर शिक्षकों की तुलना में बच्चों को बेहतर तरीके से संभाल सकें।

वहीं, 102 अभिभावकों द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि उन्होंने एलजी कार्यालय को विभिन्न अभ्यावेदन प्रस्तुत किए हैं और दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग (डीओई) द्वारा पारित आदेशों का पालन न करने का दावा किया गया है। याचिका में कहा गया है कि बच्चों को अस्वीकृत फीस का भुगतान न करने के कारण परेशान किया गया। इसके परिणामस्वरूप डीओई और एलजी को बच्चों की सुरक्षा के लिए तुरंत स्कूल को अपने नियंत्रण में लेने का निर्देश देने की मांग की गई।

दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना का दिख रहा असर

73 वर्षीय कैंसर मरीज को मिली नई जिंदगी

नई , एजेंसी। की बीमारी का नाम सुनकर ही लोग सहम जाते हैं। ऊपर से जांच का भारी भरकम खर्च और दवाओं की महंगी कीमतों के कारण कई मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। इस बीच पिछले ही माह कैंसर से पीड़ित हुए दिल्ली के रहने वाले एक 73 वर्षीय बुजुर्ग के लिए मुश्किल वक्त में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) सहरा बनकर सामने आई। एम्स में उनका निशुल्क इलाज हुआ है। एबी-पीएमजेएवाई के तहत वह एम्स में इलाज पाने वाले दिल्ली के पहले मरीज हैं।

सादिक नगर के नजदीक सांवल नगर के रहने वाले 73 वर्षीय बुजुर्ग राकेश कुमार ने बताया कि वह प्राइवेट नौकरी से सेवानिवृत हैं। पिछले माह अचानक शौच के साथ ब्लड आने की समस्या शुरू हुई। आठ अप्रैल को जांच कराने पर पता चला कि पेट के आंत में ट्यूमर था। निजी अस्पताल में बायोप्सी और सीटी स्कैन जांच में 11,500 रुपये खर्च हुआ।

पांच अप्रैल को ही दिल्ली में एबी-पीएमजेएवाई लागू करने के लिए केंद्र सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण और दिल्ली सरकार राज्य स्वास्थ्य एजेंसी के साथ समझौता हुआ था और

दस अप्रैल से लाभार्थियों का कार्ड बनना शुरू हुआ था लेकिन तब 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों का इस योजना के तहत आयुष्मान वय वंदना कार्ड नहीं बन रहा था।

उन्होंने बताया कि कैंसर होने की बात जानकर मन परेशान था। किसी तरह 22 अप्रैल को एम्स में दाखिला मिला। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान आयुष्मान भारत पोर्टल व ऐप पर उन्होंने सर्च किया तो पता चला कि उनका पंजीकरण हो सकता है और उन्हें इसका लाभ भी मिल सकता है। तब एम्स के आयुष्मान केंद्र में 27 अप्रैल को उनका कार्ड बना और 29 अप्रैल को एम्स में उनकी सर्जरी भी हो गई। इसके बाद वह करीब छह दिन एम्स में भर्ती रहे। इस दौरान उन्हें सभी आवश्यक दवाएं भी निशुल्क उपलब्ध कराई गई।

उन्होंने बताया कि एबी-पीएमजेएवाई योजना से पंजीकृत होने से पहले उन्हें कुछ दवाएं खरीदनी पड़ रही थी। सर्जरी के बाद ज्यादा दवाएं चली। यदि उन्हें एबी-पीएमजेएवाई का लाभ नहीं मिला होता तो उन्हें परेशानी हो सकती थी। सर्जरी के बाद निकाले गए ट्श्यू की जांच रिपोर्ट अभी नहीं आई है। डॉक्टर ने 15 दिन में रिपोर्ट आने पर दोबारा अस्पताल में बुलाया है। तब डाक्टर बताएंगे कि आगे उन्हें कीमोथेरेपी की जरूरत है या नहीं। फिलहाल वह ठीक हैं।

उनकी तरह अब तक दिल्ली के रहने वाले 18 मरीज एम्स में एबी-पीएमजेएवाई के तहत इलाज पा चुके हैं। जिसमें नौ 70 वर्ष से अधिक उम्र के मरीज शामिल हैं। अब तक एबी-पीएमजेएवाई का लाभ पाने वालों में

छह कैंसर मरीज, छह आर्थोपेडिक के मरीज व चार जनरल सर्जरी के मरीज शामिल हैं। आर्थोपेडिक के चार मरीजों 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले हैं। जिसमें से एक मरीज की उम्र 84 वर्ष से अधिक है। बुढ़ापे में घुटने व कूल्हे की समस्या अधिक होती है। बताया जा रहा है कि हड्डियों के बीमारी से पीड़ित बुजुर्गों को इंप्लांट भी लगाया गया है।

अकाउंटेंट की नौकरी छोड़ साइबर ठगों को मुहैया कराते थे बैंक खाते

साथी समेत गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। साइबर ठगों को बैंक खाते उपलब्ध कराकर डिजिटल अरेस्ट जैसी ठगी करवाने वाले अकाउंटेंट और उसके दोस्त को साइबर क्राइम थाना पुलिस ने बृहस्पतिवार को मुरादाबाद से गिरफ्तार किया। दोनों करीब 14 करोड़ रुपये बैंक खातों में ट्रांसफर करा चुके हैं। दोनों के खिलाफ एनसीआरपी पोर्टल पर 33 शिकायत दर्ज हैं। दोनों ने नोएडा के बुजुर्ग से हुई 2.39 करोड़ की साइबर ठगी में बैंक खाते उपलब्ध कराए थे। मामले में एक आरोपित को पूर्व में जेल जा चुका है। नोएडा सेक्टर 36 के रहने वाले विदेश सेवा से सेवानिवृत्त एससी मल्होत्रा को 42 दिन डिजिटल अरेस्ट रखकर 2.39 करोड़ रुपये की ठगी की गई थी। पीड़ित ने 18 मार्च को साइबर क्राइम थाने में मामला दर्ज कराया था। पुलिस टीम साइबर ठगों की तलाश में जुटी है। जांच के दौरान दो ठगों की लोकेशन मुरादाबाद में मिली थी। पुलिस ने दोनों को बृहस्पतिवार दबोच लिया। इनकी पहचान मुरादाबाद के कृष्णा कॉलोनी के मुकेश सक्सेना व मुरादाबाद के धीमरी रोड करूला के अनीश अहमद के रूप में हुई। डीसीपी साइबर सेल प्रीति यादव ने बताया कि मुकेश पेशे से अकाउंट्स का काम करता था। पैसों की जरूरत के चलते अनीस अहमद के संपर्क में आ गया था। दोनों ने मिलकर साइबर ठगों को करंट अकाउंट खाते उपलब्ध कराने का काम शुरू कर दिया। इनमें ठगी की धनराशि मंगाकर कमीशन प्राप्त करते थे। नोएडा में हुई 2.39 करोड़ की ठगी की धनराशि में से 18 लाख रुपये प्राप्त किए थे। धनराशि को आपस में बांट लिया था। जांच में यह पता चला है कि अनीस बैंक खातों में 12 करोड़ तो मुकेश दो करोड़ रुपये ठगी के प्राप्त कर चुका है। अनीश के खिलाफ एनसीआरपी पोर्टल पर 15 और मुकेश पर 18 शिकायते हैं। इनमें दिल्ली, झारखंड, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश राज्य शामिल हैं।

दिल्ली एम्स के ट्रामा सेंटर में सीआरपीएफ के पांच जवान भर्ती

एयरलिफ्ट कर लाए गए, हाल-चाल जानने पहुंचे अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को एम्स ट्रामा सेंटर पहुंचकर छत्तीसगढ़ के बीजापुर और तेलंगाना की सीमा के नजदीक कर्रेगुट्टा हिल के नजदीक माओवादियों के साथ मुठभेड़ में घायल हुए सीआरपीएफ के जवानों से मिले और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

उन्होंने एम्स ट्रामा सेंटर प्रशासन को उनके बेहतर इलाज और देखभाल का निर्देश दिया। बाद में उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सुरक्षा बल अपनी वीरता से माओवाद का नामोनिशान मिटा रहे हैं। देश को अपने जवानों पर भरोसा है और पूरा देश उन पर गर्व करता है।

सुरक्षा बलों ने कर्रेगुट्टा हिल के पास 21 दिन तक चले इस सर्च ऑपरेशन में 31 माओवादियों को मार गिराया है। इस ऑपरेशन में सीआरपीएफ के कोबरा (कमांडो बटालियन फार रेजोल्यूट एक्शन), स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरएफ) के जवान शामिल रहे। इस अभियान के दौरान 18 जवान आइईडी विस्फोट में घायल हुए। उन सभी का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। वे सभी खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। एम्स के एक डॉक्टर ने बताया कि ट्रामा सेंटर में सीआरपीएफ के पांच जवान भर्ती किए गए हैं, जो एयर लिफ्ट करके लाए गए हैं। उन सभी की हालत स्थिर है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन सभी मुलाकात की। इस दौरान उनके परिजनों से भी मिले। कर्रेगुट्टा हिल के पास मुठभेड़ के दौरान घायल हुए सीआरपीएफ के 204 कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट सागर बोराडे को चार मई को रायपुर से एयर लिफ्ट करके दिल्ली लाया गया था और उन्हें एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था। उन्होंने सर्च ऑपरेशन

के दौरा अदम्य साहस का परिचय देते हुए आइईडी विस्फोट में घायल सीआरपीएफ के एक जवान को अपनी सुरक्षा का परवाह किए बगैर सुरक्षित निकालने का प्रयास किया। इस दौरान एक आईईडी ब्लास्ट होने से वह घायल हो गए। इस वजह से उनका बायां पैर क्षतिग्रस्त हो गया था और बायें हाथ में भी गंभीर चोट लगी थी।

पाकिस्तान में बलोच नागरिकों के मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन, बीएएससी ने मिशन की रूपरेखा प्रस्तुत की

लंदन , एजेंसी। फरीबा बलोच ने जोर दिया कि उनका समुदाय विदेशों में कमजोरियों और कठिनाइयों के साथ शरणार्थी बनने को मजबूर हो गया है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान में बलोचों के साथ प्रभावित क्षेत्रों तक सीमित पहुंच, सुरक्षा जोखिम और राजनीतिक दमन शामिल हैं। बीएएससी इन उल्लंघनों का दस्तावेजीकरण करने और अंतरराष्ट्रीय जागरूकता व कार्रवाई की वकालत करने के लिए प्रतिबद्ध है। बलोच पैरोकारी व अध्ययन केंद्र (बीएएससी) की अध्यक्ष फरीबा बलोच ने ईरान, पाकिस्तान और उसके बाहर बलोच मानवाधिकारों की रक्षा के लिए मिशन की रूपरेखा तैयार की है। उन्होंने पाकिस्तान में बलोचों द्वारा झेले जा रहे भयानक मानवाधिकार हालात पर प्रकाश डालते हुए कहा, वे न्यायेतर हत्याओं और जबरन गायब करने से लेकर फांसी और व्यवस्थित भेदभाव तक, बुनियादी अधिकारों और अवसरों से भी वंचित हैं। व्यापक दमन ने हजारों बलोचों को उनकी मातृभूमि से भागने पर मजबूर किया है। फरीबा बलोच ने जोर दिया कि उनका समुदाय विदेशों में कमजोरियों और कठिनाइयों के साथ शरणार्थी बनने को मजबूर हो गया है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान में बलोचों के साथ प्रभावित क्षेत्रों तक सीमित पहुंच, सुरक्षा जोखिम और राजनीतिक दमन शामिल हैं। बीएएससी इन उल्लंघनों का दस्तावेजीकरण करने और अंतरराष्ट्रीय जागरूकता व कार्रवाई की वकालत करने के लिए प्रतिबद्ध है। फरीबा ने कहा, हम बलोच अधिकारों के लिए काम करने वाले व्यक्तियों और संगठनों दोनों को साथ जोड़ने के लिए तैयार हैं।

रूस लड़ाई को खत्म ही नहीं करना चाहता, तुर्किये में शांति वार्ता से पहले जेलेंस्की का पुतिन पर आरोप

कीव, एजेंसी। जेलेंस्की ने कहा कि हमारे प्रतिनिधिमंडल से ही इस बैठक को लेकर हमारी गंभीरता का पता चलता है। हमारे प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्री, राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख, रक्षा मंत्री, सेना प्रमुख और यूक्रेनी सेना और खुफिया विभाग के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने गुरुवार को रूस पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि वे लड़ाई खत्म ही नहीं करना चाहते। जेलेंस्की ने तुर्किये में आज होने वाली शांति वार्ता से पहले रूस पर ये आरोप लगाए। तुर्किये के इस्तांबुल में आज रूस-यूक्रेन युद्ध में 30 दिनों के लिए संघर्षविराम पर बातचीत होनी है। इस बातचीत में यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल, रूस का प्रतिनिधिमंडल और बतौर मध्यस्थ अमेरिका विदेश मंत्री और उनका प्रतिनिधिमंडल मौजूद रहेगा। जेलेंस्की ने इस बैठक से पहले रूस के प्रतिनिधिमंडल पर सवाल उठाए। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में जेलेंस्की ने लिखा कि मैं तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और उनकी टीम, साथ ही तुर्किये के सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन किया। राष्ट्रपति एर्दोगन ने भरोसा दिलाया है कि वे बैठक के दौरान यूक्रेन का समर्थन करेंगे और क्रीमिया को यूक्रेनी इलाके के तौर पर मान्यता दिलाने की कोशिश करेंगे। जेलेंस्की ने कहा कि हमारे प्रतिनिधिमंडल से ही इस बैठक को लेकर हमारी गंभीरता का पता चलता है। हमारे प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्री, राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख, रक्षा मंत्री, सेना प्रमुख और यूक्रेनी सेना और खुफिया विभाग के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। जेलेंस्की ने रूस के प्रतिनिधिमंडल में शीर्ष नेताओं और अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर नाराजगी जताई और लिखा कि तुर्किये ने हमारे प्रतिनिधिमंडल के बराबर का प्रतिनिधिमंडल भेजकर हमारा स्वागत किया, लेकिन दुर्भाग्य से रूस के प्रतिनिधिमंडल से साफ है कि वे बातचीत को लेकर गंभीर नहीं हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस द्वारा बेहद निचले स्तर का प्रतिनिधिमंडल भेजा है, लेकिन हम तुर्किये के राष्ट्रपति और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के सम्मान में इस बातचीत में शामिल होंगे, ताकि युद्धविराम हो और ये लड़ाई खत्म हो।

न्यूयॉर्क सीनेट में भारतीय संविधान का सम्मान, 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रस्ताव पारित

वॉशिंगटन , एजेंसी। जेरेमी कूपर ने कहा कि यह दिन सिर्फ़ भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में मनाया जाना चाहिए। पूरी दुनिया में भारतीय अपने समुदायों में स्थायी प्रभाव डाल रहे हैं। यह हमारे साझा इतिहास, संस्कृति और विरासत का जश्न मनाने और उस पर विचार करने के लिए एक साथ आने का अवसर है।

अमेरिकी राज्य न्यूयॉर्क की सीनेट में औपचारिक रूप से भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर इसका सम्मान करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव में भारतीय संविधान को राष्ट्र के रूप में भारत की निरंतर प्रगति के लिए एक मार्गदर्शक ढांचे के रूप में मान्यता दी गई है और देश के लोकतांत्रिक मूल्यों का जश्न मनाया गया। न्यूयॉर्क स्टेट सीनेटर जेरेमी कूनी ने यह प्रस्ताव पेश किया। जेरेमी कूनी वर्तमान में न्यूयॉर्क स्टेट सीनेट में सेवारत भारतीय मूल के एकमात्र सदस्य हैं। कूनी के प्रस्ताव को बुधवार को एक समारोह में पारित किया गया। इस कार्यक्रम में न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्यदूत बिनय प्रधान के साथ-साथ न्यूयॉर्क में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोग भी शामिल हुए।

जेरेमी कूनी ने कहा, मैं भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के सम्मान में यह प्रस्ताव पेश कर रहा हूं, यह भारतीय स्वतंत्रता और उन कई बहादुर भारतीयों का जश्न मनाने का समय है, जिन्होंने अपने देशवासियों की भलाई के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी। जेरेमी कूपर ने कहा कि यह दिन सिर्फ़ भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में मनाया जाना चाहिए। पूरी दुनिया में भारतीय अपने समुदायों में स्थायी प्रभाव डाल रहे हैं। यह हमारे साझा इतिहास, संस्कृति और विरासत का जश्न मनाने और उस पर विचार करने के लिए एक साथ आने का अवसर है। पूर्व में, भारतीय स्वतंत्रता, गणतंत्र दिवस, प्रमुख त्योहारों और अन्य अवसरों के पर कई प्रस्ताव पेश किए गए हैं, लेकिन यह पहली बार है कि भारतीय संविधान की स्मृति में कोई प्रस्ताव अमेरिका में किसी विधायी निकाय में पेश किया गया और अपनाया गया है।

कूनी ने भारत के कोलकाता में एक अनाथालय से गोद लिए जाने और न्यूयॉर्क के रोचेस्टर में एक अकेली मां द्वारा पाले जाने से लेकर अपनी यात्रा के बारे में भी बताया। कूनी ने कहा कि यह वर्षगांठ मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से भी विशेष महत्व रखती है। जैसा कि सीनेट में मेरे कई सहकर्मी जानते हैं, मुझे कलकत्ता के एक अनाथालय से गोद लिया गया था और अपने पूरे जीवन में, मैंने भारत और अपने समुदाय में भारतीयों के साथ एक मजबूत संबंध बनाए रखने के लिए बहुत मेहनत की है। वह संबंध आज भी जारी है क्योंकि हम भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि यह प्रस्ताव भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ स्वतंत्रता, न्याय और समानता के लिए इसकी साझा प्रतिबद्धता का जश्न मनाता है। यह साझा लोकतांत्रिक आदर्शों और सांस्कृतिक संबंधों का जश्न मनाता है।

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस स्टेट टॉप 15 में बोकारो जिले के 06 छात्र

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पिछले दिनों केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा दसवीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया था। राज्य सरकार ने हाल के दिनों में सीबीएसई बोर्ड से संबंद्ध सीएम स्कूल आफ एक्सीलेंस (सीएम-एसओई) में पूरे राज्य में संचालित विद्यालयों के बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों की सूची जारी की है। इसमें स्टेट टाप 15 में बोकारो जिले के सीएम-एसओई रामरूद्रा बोकारो के 05 छात्र एवं सीएम स्कूल आफ एक्सीलेंस गर्ल्स नावाडीह बोकारो की एक छात्रा ने अपना स्थान अर्जित कर पूरे राज्य में जिले का परचम लहराया है। इसमें दो छात्रों ने स्टेट टाप 15 में दूसरा स्थान भी अर्जित किया है। राज्य द्वारा जारी सूची में इस प्रदर्शन को देख सीएम-एसओई रामरूद्रा बोकारो में खुशी का माहौल है। संबंधित छात्रों के साथ शिक्षकों, उनके अभिभावकों में भी खुशी व्याप्त है। स्टेट टाप 15 में स्थान अर्जित करने वाले विद्यालय के छात्र अभय कुमार, अभिनव गुप्ता, प्रियंका कुमारी, प्रज्ञा कुमारी, संजु झुरियात एवं खुशी कुमारी ने सीएम-एसओई स्थापना को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस स्कूल के स्थापना से सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हुई, सीबीएसई बोर्ड के माध्यम से अंग्रेजी माध्यम में अध्ययन करने का अवसर मिला। छात्रों ने उक्त परीक्षा परिणाम में बेहतर करने को लेकर उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव, विद्यालय प्राचार्य -शिक्षक एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी की अहम भूमिका बताई है। छात्रों ने कहा कि उक्त सभी के पहल से ही विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया हुई, संसाधनों को बेहतर किया गया एवं बेहतर शैक्षणिक माहौल तैयार किया गया, अत्याधुनिक प्रयोगशाला व पुस्तकालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध हुई। जिससे बेहतर पठन-पाठन हो सका। छात्र अभय कुमार, अभिनव गुप्ता, प्रियंका कुमारी, प्रज्ञा कुमारी, संजु झुरियात एवं खुशी कुमारी ने कहा कि वह आगे भी इस प्रदर्शन को जारी रखेंगे और इसमें और बेहतर करेंगे।

मेगा स्वास्थ्य शिविर में जुटी भीड़, कुल 366 ने कराई स्वास्थ्य जांच

आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चतरोचट्टी में आयोजित होगा शिविर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार शुक्रवार को गोमिया प्रखण्ड के चतरोचट्टी के बिरहोर टांडा पी.वी.टी.जी मोहल्ले में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में पीवीजीटी परिवार के सदस्य/बच्चों व आमजनों ने स्वास्थ्य जांच करवाया। सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद, डीपीएम दीपक कुमार ने शिविर का जायजा लिया। शिविर में चिकित्सकों ने क्रमवार स्वास्थ्य जांच के साथ लोगों को जरूरी दवा उपलब्ध कराई। शिविर में कुल 366 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया। वहीं, शनिवार (आज) को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चतरोचट्टी में मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ने आमजनों से अपील किया है कि वह शिविर में ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होकर शिविर का लाभ उठाएं।

इन चिकित्सा पदाधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को किया गया है प्रतिनियुक्त

डॉ रंजन कुमार एमओ, डॉक्टर विपिन कुमार एमओ, रजनीश रंजन सीएचओ, सुभद्रा कुमारी सीएचओ, अनीता महतो सीएचओ, राज रवनीत कश्यप सीएचओ, कुमारी पूनम एएनएम, ज्योति कुमारी एएनएम, अंजली कुमारी एएनएम, वीणता सुरीन एएनएम, सिद्धार्थ कुमार शर्मा एलटी, नरेंद्र प्रजापति एसटीएलएस, राखी कुमारी पीएचएम, सोमनाथ भारती एनसीडी काउंसलर, अनिल कुमार टैगोर ईपीआइ डेमूलॉजिस्ट, सुरजन मरांडी आयुष्मान मित्र, गणेश हांसदा एफपीडब्ल्यू, सुरेंद्र कुमार चौधरी एमपीडब्ल्यू, नंदलाल महतो एमपीडब्ल्यू, मंजू कुमारी हेल्थ वर्कर, अमन गाडी हेल्थ वर्कर एवं गोपाल महतो हेल्थ वर्कर शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल व मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त ने लिया तैयारियों का निरीक्षण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा तथा वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने शुक्रवार को बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी में माननीय राज्यपाल व माननीय मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारियों का जायजा लिया। आगामी

20 मई 2025 को माननीय राज्यपाल सह कुलाधिपति, श्री संतोष कुमार गंगवार तथा माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन के करकमलों द्वारा यूनिवर्सिटी कैंपस में स्व. बिनोद बिहारी महतो की आदमकद प्रतिमा का अनावरण प्रस्तावित है। इस दौरान उपायुक्त ने राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री के बरवाअड्डा हवाई पट्टी से युनिवर्सटी आगमन, स्वागत, कार्यक्रम स्थल, स्टेज, डी बॉक्स, मीडिया गैलरी, ग्रीन रूम, परिसर की सुरक्षा, साफ सफाई, बैरिकेडिंग, अतिथियों के बैठक स्थल, निकास द्वार सहित अन्य बिंदुओं का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा तथा यातायात व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता चंदन कुमार, डीएसपी मुख्यालय एक शंकर कामती, बीबीएमकेयू के वाइस चांसलर सिनियर प्रोफेसर (डॉ)) राम कुमार सिंह, प्रोक्टर डॉ कौशल कुमार, रजिस्ट्रार डॉ डीके सिंह, सीसीडीसी डॉ आरके तिवारी, डॉ इंद्रजीत कुमार, डॉ पवन सिंह, डॉ माशूफ अहमद, डॉ हिमांशु शेखर चंद्र सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

कलाकार संघ व डीडीपीटीए ने निकाली शौर्य सैनिक सम्मान तिरंगा यात्रा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को कलाकार संघ धनबाद व धनबाद डिस्ट्रिक्ट फोटोग्राफर्स ट्रेड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वधान में सिटी सेंटर से रणधीर वर्मा चौक तक शौर्य सैनिक सम्मान तिरंगा यात्रा निकाली गई।इस यात्रा में मुख्य रूप से कलाकार संघ के संरक्षक रणविजय सिंह, कलाकार संघ के संरक्षक व श्री राम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह यात्रा में शामिल हुए। रणविजय सिंह ने कहा भारतीय सेना ने पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का बदला पाकिस्तान और पीओके में घुसकर तमाम आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर किया है जिससे भारतीय सेना के शौर्य का तहलका पूरे विश्व में गूंजा है। तिरंगा यात्रा भारत माता के जयकारे लगाते हुए सिटी सेंटर से रणधीर वर्मा चौक तक पहुंचे।देश के वीर जवानों को याद करते हुए उनके शौर्य का बखान करते हुए देश के मान सम्मान को भारत माता की जयघोष से बढ़ाया। इस दौरान कलाकार संघ के अध्यक्ष राजू सिंह अनुरागी और उनके साथी कलाकारो के द्वारा गाए देशभक्ति गीतों से देश के वीर जवानों को याद किया। उदय प्रताप सिंह ने कहा पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादी ठिकानों को उड़ाने का भारतीय सेना के पराक्रम की चर्चा पूरे विश्व में हो रही है यह हम हिन्दुस्तानियों के लिए बहुत गर्व की बात है,यह नया भारत है जब भी,जो भी हमारे भारत पर बुरी नजर रखेगा उनको इससे भी कड़ा जवाब दिया जाएगा।

रोटरी ने लगाया सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर 50 छात्राओं को प्रथम डोज

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी ने महिला स्वास्थ्य एवं नारी सशक्तिकरण के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दृढ़ता से दोहराते हुए संत जेवियर्स स्कूल में दूसरे सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर का आयोजन किया। जिसमें कुल 50 स्कूली छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु प्रथम डोज का टीका लगाया गया। यह शिविर रोटेरियन डॉ. एस. सी. मुंशी और उनकी विशेषज्ञ चिकित्सा टीम की कुशल निगरानी में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा और संचालन क्लब अध्यक्ष रोटेरियन महेश कुमार गुप्ता के सशक्त नेतृत्व में हुई जिन्होंने इसे एक समर्पित और सुनियोजित सेवा परियोजना का स्वरूप दिया। कार्यक्रम में संत जेवियर्स स्कूल के इंटरैक्ट क्लब ने भी पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन चंद्रिमा रे के मार्गदर्शन में उत्साहपूर्ण भागीदारी निभाई, जिससे शिविर को संगठनात्मक मजबूती और युवाओं का सहयोग प्राप्त हुआ। साथ ही साथ यह इंटरेक्ट क्लब की प्रेरणा और सहभागिता का कारक बना। इस महत्वपूर्ण अवसर पर क्लब के अनेक वरिष्ठ रोटेरियनों की उपस्थिति ने आयोजन को गरिमामय और प्रेरणादायक बनाया।

बोकारो भाजपा ने तिरंगा यात्रा निकाल सेना और प्रधानमंत्री का जताया आभार

देश का विरोध करने वालों को जनता सिखाएगी सबक : सांसद

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 13 मई से देशभर में 'तिरंगा यात्र-ा' की शुरूआत की है, जो 23 मई तक चलेगी। इस यात्रा का उद्देश्य 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जश्न मनाना और भारतीय सेना के साहस को सम्मानित करना है। बोकारो जिले में भी आज तिरंगा यात्रा निकाली गई यह तिरंगा यात्रा चास धर्मशाला मोड़ से शुरू होकर चेक पोस्ट भारत माता प्रतिमा तक पहुंची। इस तिरंगा यात्रा में धनबाद के भाजपा सांसद ढुल्लू महतो, बोकारो के पूर्व विधायक बिरंचि नारायण चंदनकियारी के पूर्व विधायक अमर कुमार बाउरी शामिल रहे। इस दौरान भाजपा के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने सेना के समर्थन में नारेबाजी करते हुए पाकिस्तान मुदार्बाद का नारा लगाया। सांसद ढुलू महतो ने कहा कि इस देश का नेतृत्व नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। जिस तरह से 26 निर्दोष लोगों को आतंकियों ने मारा उसका जवाब हमारे देश की दो बहनों ने पाकिस्तान के 9 ठिकानों को तबाह कर दिया है।अभी तो यह झांकी है अभी पूरा पाकिस्तान बाकी है। सांसद ने कहा कि जो भी देश का विरोध करेगा उसको किसी कीमत पर छोड़ नहीं जाएगा। इस दौरान दोनों पूर्व विधायक में भी पाकिस्तान को चेतावनी दिया और कहा कि जब तक देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी कर रहे हैं। हमारे देश की तरफ आंख उठाकर भी कोई नहीं देख सकता है। भारतीय सेवा के सम्मान और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को देखते हुए यह तिरंगा यात्रा निकाली गई है इसका उद्देश्य तीनों सेना का मनोबल बढ़ाना है।

नशे की लत से बच्चों को बचाना हम सभी का दायित्व : सिविल सर्जन

पैसिव स्मोकिंग या सेकेन्ड हैण्ड स्मोकिंग के सम्पर्क में आने से भी स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है- ...

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत मध्य विद्यालय जोधाडीह चास एवं मध्य विद्यालय सोलागडीह चास में तम्बाकू के दुष्प्रभाव एवं तम्बाकू उद्योग के आकर्षण के पीछे का खतरनाक सच के प्रति बच्चों को जागरूक करने हेतु सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को तम्बाकू से होने वाले जनित रोगों से अवगत कराया गया। साथ ही सभी को तम्बाकू छोडने हेतु परामर्शी सेवा के साथ-साथ तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं से भी अवगत कराया गया। नोडल पदाधिकारी एनसीडी डॉ सुधा सिंह के द्वारा सभी बच्चों को बताया गया कि तम्बाकू में नशीला पदार्थ निकोटीन होता है, जिसका अत्याधिक उपयोग से हृदय और सांस सम्बन्धित बीमारियों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के कैंसर होने का सबसे बडा प्रमुख कारण होता है। झारखण्ड में कक्षा 7 से 10 तक में प्रत्येक 100 बच्चों में 5 बच्चे तम्बाकू का उपयोग करते हैं। जिन्हे तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने हेतु लगातार स्कूल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है ताकि इस संख्या में कमी लाई जा सके।

जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम मो. असलम ने बताया कि झारखण्ड में कुल आबादी का लगभग 88 लाख लोग तम्बाकू का उपयोग किसी न किसी रूप में करते हैं, जिसमे तम्बाकू जनित रोगों से झारखण्ड में प्रत्येक वर्ष लगभग 35 हजार लोगों की मृत्यू होती है। साथ ही सभी बच्चो को बताया गया कि पैसिव स्मोकिंग या सेकेन्ड हैण्ड स्मोकिंग के सम्पर्क में आने से भी स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में सभी बच्चे ऐसी जगहों पर न खड़े हों जहां खुले में धुम्रपान का सेवन किया जाता हो और ऐसे साथी से भी बचें जो धुम्रपान के लिये प्रेरित करते हों। वहीं कार्यक्रम के अन्त में सभी बच्चों को शपथ दिलाया गया कि भविष्य में कभी भी तम्बाकू का उपयोग नही करेंगे। साथ ही अपने आस पास के लोगों से भी तम्बाकू का उपयोग नही करने के लिये प्रेरित करेंगे। सेमिनार कार्यक्रम में दोनो स्कूल के प्राचार्य केशव चन्द्र महथा, एवं सदानन्द महतो, स्वास्थ्य विभाग से सोशल वर्कर छोटेलाल दास, विद्यालय के शिक्षक सहित अन्य स्टाफ व बच्चे उपस्थित थे।

नागरिक अधिकार मंच ने की बोकारो हवाई अड्डा से जल्द उड़ान की मांग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नागरिक अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष शशि भूषण ओझा 'मुकुल' के नेतृत्व में तीन सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने बोकारो हवाई अड्डा जल्द प्रारंभ करने हेतु केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के नाम एक ज्ञापन अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी को सौंपा। ज्ञापन ने कहा गया है कि बोकारो हवाई अड्डा के विकास हेतु 25 अगस्त 2018 को तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास एवं तत्कालीन केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री जयंत सिन्हा द्वारा आधारशीला रखी गई थी। यहां से वर्ष 2022 तक हवाई उड़ान प्रारंभ हो जानी थी। मगर अभी तक यह शुरू नहीं हो सकी है। इस हवाई अड्डा को जानबूझकर छोटी छोटी बाधाएं पैदा कर चालू होने में नाहक विलंब किया जारहा है। साथ ही यह आपसी खींचतान और राजनीतिक कुचक्र का भी शिकार हो गया है। पर्यटन को बढ़ावा देने, विकास को गति देने तथा इस क्षेत्र की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज से यात्रा कर सके इसलिए उड़ान योजना के तहत बोकारो हवाई अड्डा का चयन किया गया था । इस हवाई अड्डा का मालिकाना हक स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को है तथा इसके ऑपरेटर के रूप में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण है। 200 एकड़ क्षेत्र में फैले और 1650 मीटर रनवे की लंबाई वाले इस बोकारो हवाई अड्डा से 72 सीट वाले विमान उड़ान भर सकते हैं। ज्ञापन के माध्यम से यह अनुरोध किया गया है कि बोकारो हवाई अड्डा के प्रारंभ होने में जो भी अड़चनें आर ही हों उसे यथाशीघ्र दूर कराते हुए यहां से हवाई उड़ान जल्द प्रारंभ करने की त्वरित व्यवस्था किया जाय क्योंकि इसके चालू नहीं होने से इस पूरे क्षेत्र के हर प्रकार के विकास पर बुरा असर पड़ रहा है। इस हवाई अड्डा के प्रारंभ होने में किया जा रहा जानबूझ कर विलंब यहां की जनता से धोखा के साथ ही घोर अन्याय भी है। इस ज्ञापन की प्रति नागरिक अधिकार मंच द्वारा माननीय प्रधानमंत्री, माननीय मुख्यमंत्री, माननीय सांसद धनबाद, अध्यक्ष भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, अध्यक्ष सेल, मुख्य सचिव झारखंड सरकार तथा निदेशक प्रभारी बोकारो इस्पात संयंत्र को भी प्रेषित की गई हैं । बहुत जल्द ही नागरिक अधिकार मंच का एक प्रतिनिधि मंडल दिल्ली जाकर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री से मिलकर भी सारी बातों को उनके सामने रखेगा।

20 मई को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल अब 9 जुलाई : उदय शर्मा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय जनता श्रमिक संघ के संयुक्त महामंत्री उदय शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि ट्रेड यूनियन की 20 मई को होने वाली एक दिनी राष्ट्रव्यापी हड़ताल टल गई है। ट्रेड यूनियन की दिल्ली में आयोजित बैठक में 20 मई पूर्व घोषित हड़ताल को स्थागित करते हुए इसे 9 जुलाई को नई तिथि घोषित की गई है। ज्ञातव्य हो कि केंद्रीय ट्रेड यूनियन का 18 मार्च 2025 को आयोजित कन्वेंशन में 20 मई को एक दिनी हड़ताल का निर्णय लिया गया था।

बीस दिनों से बंद दुकान खुलवाने की गुहार

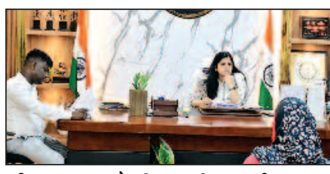

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया। पुराना बाजार से आई एक युवती ने उपायुक्त को बताया कि सिंह दरवाजा के सामने उनकी एक दुकान है। पिता अस्वस्थ रहने के कारण वह स्वयं दुकान का संचालन करती है। वहीं के कुछ लोगों द्वारा जबरन दुकान के सामने अतिक्रमण कर दुकान लगाई जाती है। इसकी शिकायत जब थाना में की तब बीस दिन पहले थाना ने अतिक्रमण करने वाले के साथ-साथ उनकी दुकान भी बंद करा दी। दुकान बंद हो जाने के कारण परिवार के भरण पोषण में परेशानी होती है। युवती ने उपायुक्त से पिछले 20 दिनों से बंद दुकान खुलवाने की गुहार लगाई। मामले पर त्वरित संज्ञान लेकर उपायुक्त ने सिटी एसपी को जांच कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में न्यू इस्लामपुर पांडरपाला की युवती ने उपायुक्त को बताया कि परिवार के बंटवारे में मिली उनके हिस्से की संपत्ति पर सौतेले भाई द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा है। उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी को मामले की जांच करने का निर्देश दिया। वहीं एगारकुंड से आई एक महिला ने उपायुक्त को बताया कि बंदोबस्ती में उन्हें लगभग 3.50 डिसमिल जमीन मिली थी। क्षेत्र के कुछ लोग जबरन निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। उपायुक्त ने एगारकुंड के अंचल अधिकारी को मामले की जांच कर महिला की समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया। इसके अलावा जनता दरबार में सीएनटी जमीन को गलत तरीके से पंजी 2 में चढ़ाने, क्वार्टर का ताला तोड़कर जबरन दूसरा ताला लगा देने, किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा खतियानी जमीन बेच देने, ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट निर्गत कराने सहित अन्य शिकायत प्राप्त हुई। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद भी मौजूद थे।

वित्त एवं वाणिज्य से सम्बंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आज दिनांक 16 मई को 'वित्त और वाणिज्यिक कौशल का विकास करना' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों की तकनीकी जानकारी के साथ-साथ उनके वित्तीय एवं वाणिज्यिक कौशल को विकसित कर उन्हें व्यापारिक निर्णयों में सशक्त रूप से सहभागी बनाना था. कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा तथा मुख्य महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) श्री निर्मल कुमार सिंह उपस्थित थे.प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 33 अधिशासी ने भाग लिया. मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम से अधिकतम लाभ उठाने पर बल दिया तथा उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी वातावरण में वाणिज्यिक दृष्टिकोण विकसित करना आवश्यक है. मुख्य महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) श्री निर्मल कुमार सिंह ने इस कार्यक्रम को वर्तमान बदलते व्यावसायिक परिवेश में अत्यंत उपयोगी बताया. प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोकारो स्टील प्लांट की वित्तीय स्थिति, मूलभूत लागत निर्धारण एवं निर्णय-निर्माण प्रक्रिया, वित्तीय विवरण एवं विश्लेषण तथा व्यवसाय के वाणिज्यिक पहलुओं के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गयी. कार्यक्रम का संचालन श्री अमित आनंद, सहायक महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) द्वारा किया गया. प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के श्री ऋषिकेश रंजन, पर्यवेक्षक तथा श्री सिधो चरण मुर्मू, प्रशिक्षक का सराहनीय योगदान रहा।

गर्ल्स चाइल्ड ट्रैफिकिंग के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिला अंतर्गत पेटरवार प्रखंड के प्लस टू हाई स्कूल पेटरवार में सहयोगिनी द्वारा सुरक्षित गांव कार्यक्रम के तहत गर्ल्स चाइल्ड ट्रैफिकिंग के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापक राजेश कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि कोई भी आपके गांव में अनचाहे व्यक्ति आते हैं और आपको यह कहते हैं कि आपको शहर में नौकरी मिलेगा। तो तुरंत आप कॉमिक बुक में दिए हुए टोल फ्री नंबर में कॉल करें । तुरंत कार्रवाई की जाएगी । इस दौरान बाल विवाह के खिलाफ जानकारी दिया गया, कि बाल विवाह कानूनन अपराध है। 18 साल से नीचे लड़की तथा 21 साल से नीचे लड़के का शादी हो रहा है । इस स्थिति 1098 में कॉल कर सकते हैं। सहयोगिनी के समन्वयक रवि कुमार राय ने बताया कि सुरक्षित गांव कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हैं ,कि कोई भी बच्ची या बच्चा महिला पुरुष तस्करी का शिकार ना हो। अगर इस तरह का मामला आते हैं तो तुरंत बताए गए नंबर पर कॉल करें । जिससे आरोपी पकड़ा जा सके। सहयोगिनी की कार्यक्रम समन्वयक कुमारी किरण ने कहा कि इस तरह का जागरूकता कार्यक्रम हम सभी को मिलकर करना है। तभी हम मानव तस्करी, बाल विवाह, बाल मजदूरी को रोक सकते हैं। उन्होंने बताया कि अगर कोई बच्चा स्कूल छोड़कर कोई होटल, प्रतिष्ठान, खदान, गैरेज आदि में मजदूरी करता है तो तुरंत भारत सरकार के टोल फ्री नबर 1098 में कॉल कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में पेटरवार थाना के निरीक्षक राजेश उरांव, प्लस टू हाई स्कूल पेटरवार के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार विश्वकर्मा, सहायक शिक्षक अशोक कुमार महतो ,ललित नारायण महतो ,लोकेश कुमार महतो, माय चॉइस फाउंडेशन स्टेट कोऑर्डिनेटर सुशीला सुनुआ उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com